Ranchi ● Monday, 21 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 96 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

सिविल सेवा दिवस आज

SARAFA

सोना	:	9,125
चांदी	:	110.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी 4 नक्सली अरेस्ट

MUMBAI : रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु (55), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (41) और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (21) के रुप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये , खराटम पर 16 लाख रुपये , तलंदी और गावड़े पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि चारों नक्सलवादी ताडगांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताडगांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे।

मणिपुर में दबोचे गए कई संगठनों के 10 उग्रवादी

IMPHAL : रविवार को मणिपुर में सुरक्षाबलों ने विभिन्न अभियानों में 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, जो विभिन्न संगठनों से जुड़े थे और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों में संलिप्त थे। मणिपुर पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि यूएनएलएफ (पाम्बेई) के दो विद्रोहियों युमनाम नौचा सिंह उर्फ मेंगबा (24) और हिकरुजम बिद्याचंद्र सिंह उर्फ बूस (28) को लामलाई थाना क्षेत्र के नपेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया। अन्य कार्रवाई में पीआरईपीएके का एक कैडर ताखेल्लामबम याइफाबा मैतेई (26) को संजेनबम शांगशाबी गांव से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (एमएफएल) के दो कैडरों कंगबम रोहित सिंह (30) और ओइनम बॉबी मैतेई (38) को पटसोई थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। इनके साथ यूपीपीके का एक कैडर निंगथूजम सनातोई सिंह (26) को लामलाई थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। केवाईकेएल का एक कैडर खाइदम धनबीर मैतेई (25) को लामलाई से गिरफ्तार किया गया।

आज सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को 17वें सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाले एक दिवसीय सिविल सेवा दिवस सम्मेलन में राष्ट्र के सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी जिलों और केंद्र व राज्य सरकारों को चिह्नित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचारों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें जारी करेंगे। कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में सिविल सेवा सुधार : चुनौतियां और अवसर पर एक पूर्ण सत्र होगा। इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के चार अलग-अलग सत्र होंगे।

शहरों में 25350 लोगों का आशियाना बनवाएगी राज्य सरकार

MUJTABA RIZVI @ JSR :

प्रधानमंत्री आवास योजना के चौथे घटक भागीदारी आवास योजना का सरकार ने लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। राज्य सरकार के आवास एवं विकास विभाग ने एलान किया है कि इस साल लोगों की निजी जमीन पर 25 हजार 350 आवासों का निर्माण कराया जाएगा। ये आवास ऐसी जमीनों पर बनाए जाएंगे जिनकी अपनी रजिस्ट्रीशुदा या रैयती जमीन है। सरकार मकान बनाने के लिए लाभुकों को दो लाख 25 हजार रुपये देगी। कोल्हान में सरकार ऐसे 1500 आवास बनाएगी। कोल्हान में सबसे अधिक 500 आवास आदित्यपुर में बनाए जाएंगे। सबसे कम 50-50 आवास मानगो और सरायकेला में बनेंगे। इसके लिए लाभुकों की तलाश शुरू कर दी गई है। सभी नगर निकायों ने अपने इलाके के बाशिंदों से आवेदन मांगे हैं। इसके बाद अंचल कार्यालय जमीन की जांच करेगा। अंचल कार्यालय से हरी झंडी मिलने के बाद आवेदक का नाम लाभुक की सूची में दर्ज कर लिया जाएगा।

कोल्हान में होगा 1500 आवासों का निर्माण, लाभुकों की तलाश शुरू

सभी नगर निकायों ने अपने इलाके के बाशिंदों से मांगे हैं आवेदन

मानगो में आए 150 आवेदन

मानगो में 50 आवास के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 150 आवेदन आए हैं। अभी लोग आवेदन कर रहे हैं। मानगो नगर निगम के नगर प्रबंधक निशांत कुमार ने बताया कि 50 आवासों का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। इसमें लाभुकों की सूची आदि शामिल होगी। लाभुकों की सूची फाइनल होने के बाद डीपीआर तैयार होगा। इसके बाद पहली किस्त दी जाएगी, ताकि लाभुक अपने मकान का निर्माण शुरू कर सकें। सरकार ने तया किया है कि बड़े शहरों में 2000 आवास बनाए जाएंगे। जहां 2000 आवास बनाए जाएंगे उनमें रांची, देवघर और धनबाद शामिल हैं। जबकि, गिरीडीह भी बड़ा नगर है। यहां 1500 आवास बनाए जाएंगे। इसके लिए ऐसे लाभुकों की तलाश की जा रही है जिनके पास अपनी जमीन है।

- लाभुकों की सूची फाइनल होने के बाद तैयार होगा डीपीआर
- रजिस्ट्रीशुदा या रैयती जमीन पर बनाए जाएंगे ये आवास

आवेदक को देने होंगे ये दस्तावेज

मानगो नगर निगम के नगर प्रबंधक निशांत कुमार ने बताया कि इन आवासों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता प्राप्त करने को आवेदकों को अपनी आधार संख्या, आधार के अनुसार नाम व जन्मतिथि आवेदन में भरनी होगी। परिवार के अन्य सदस्यों का भी आधार विवरण देना होगा। यानी उनका आधार के अनुसार नाम, आधार संख्या और जन्मतिथि देनी होगी। आवेदक के सक्रिय बैंक खाते का विवरण देना होगा। इसमें खाता संख्या, बैंक का नाम, शाखा और आईएफसी कोड देना होगा। यह विवरण वही होना चाहिए, जो आधार से लिंक हो। इसके अलावा, आय प्रमाणत्र देना होगा। आयप्रमाण पत्र की 100 केबी की पीडीएफ फाइल मान्य है। इसके अलावा भूमि दस्तावेज की एक एमबी तक की पीडीएफ फाइल देनी होगी। यह आवेदन ऑन लाइन भरे जा रहे हैं।

कोल्हान में कहां कितने लोगों को मिलेगी राशि

मानगो	50	देवघर	2000	मधुपुर	700
चाकुलिया	300	धनबाद	2000	महागामा	500
सरायकेला	50	धनवार	300	मझिआंव	300
आदित्यपुर	500	डोमचांच	300	मेदिनीनगर	1000
कपाली	100	दुमका	200	मिहीजाम	500
चाईबासा	200	गढ़वा	300	पाकुड़	400
चक्रधरपुर	300	गिरिडीह	1500	फुसरो	50

अन्य जिलों में कहां कितनों को मिलेगा योजना का लाभ

छतरपुर	500	लातेहार	200		
चिरकुंडा	500	लोहरदगा	500		
गोड्डा	700	राजमहल	200		
गुमला	500	रामगढ़	1000		
बरहरवा	300	हरिहरगंज	1000	रांची	2000
बड़की सरैया	250	हजारीबाग	1000	साहेबगंज	300
बासुकीनाथ	300	हुसैनाबाद	700	बंशीधर	500
बिश्रामपुर	500	जामताड़ा	700	सिमडेगा	300
बुंडू	200	झुमरीतिलैया	250		
चास	700	खूंटी	200		
चतरा	400	कोडरमा	200		

एयर शो के दूसरे दिन भी वायुसेना के विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

देशभक्ति के अरमान ने भरी शौर्य की उड़ान, दिखी तिरंगे की शान

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को राजधानी रांची में एयर शो के दूसरे और आखिरी दिन भी भारतीय वायुसेना के विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो देशभक्ति के अरमान ने शौर्य की अद्भुत उड़ान भरी हो। नामकुम के खोजाटोली स्थित आर्मी ग्राउंड में सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने एयर शो किया। आसमान में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। सूर्यकिरण टीम के सभी नौ फाइटर विमान एयर शो में शामिल हुए। उनकी कलाबाजियों की दहाड़ से राजधानी गूंज उठी। बता दें कि शुक्रवार को रांची में ओलावृष्टि और बारिश की वजह से तीन फाइटर प्लेन को कुछ नुकसान पहुंचा था। इस वजह से पहले दिन के एयर शो में सिर्फ 6 लड़ाकू विमान ही शामिल हो पाए थे। रविवार को वायुसेना के पायलटों ने हॉक विमानों से एक घंटे तक आसमान में करतब दिखाए। आसमान में पांच मीटर से भी कम दूरी रखते हुए पायलट ने अलग-अलग कलाकृतियां बनाईं। इससे लोग रोमांचित हो उठे। विमानों के आसमान में तिरंगा बनाते ही वहां मौजूद लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। ग्राउंड में मौजूद लोग एयर शो देखने के लिए लगातार आसमान में टकटकी लगाए हुए थे।

आकाश में बना दी डीएनए की आकृति : एयर शो के दूसरे दिन सभी नौ लड़ाकू विमानों में बैठे दक्ष पायलटों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। आसमान में कभी दिल, कभी युवा भारत को समर्पित 'वाई' की आकृति तो कभी एयर फोर्स को समर्पित 'ए' की आकृति से लोग रोमांचित होते रहे तो आसमान में ही तिरंगा बनाकर भारतीय एयर फोर्स की सूर्यकिरण टीम मानो दुश्मनों को सावधान कर रही हो कि हम भारतीयों से मत टकराना। एयर शो में फाइटर विमानों के द्वारा आसमान में डीएनए की आकृति बनाई गई। इसे देख लोगों ने दांतों तले अंगुलियां दबा ली।

नौ फाइटर प्लेन की कलाबाजियों की दहाड़ से गूंज उठी राजधानी

- आसमान में पांच मीटर से भी कम दूरी रखते हुए पायलटों ने बनाई कलाकृतियां
- रोमांचित होकर लोगों ने लगाए 'भारत माता की जय' के नारे
- पहले दिन के कार्यक्रम में शामिल हो पाए थे सिर्फ छह लड़ाकू विमान
- ओलावृष्टि व बारिश की वजह से तीन फाइटर प्लेन को पहुंचा था कुछ नुकसान

तिरंगा लेकर पहुंचे थे बच्चे और महिलाएं

दूसरे दिन और शो के अवसर पर बच्चा हो या बुजुर्ग, शो देखने के लिए पहुंचे सभी लोगों में गजब का उत्साह दिखा। ग्राउंड के चारों तरफ भीड़ में मौजूद कई बच्चे और महिलाएं अपने-अपने हाथ में तिरंगा झंडा लिए हुए थे। भारतीय वासुसेना की सूर्यकिरण टीम का विमान जैसे ही आसमान में दिखा, हाथ हिलाते हुए सभी ने अभिवादन करना शुरू कर दिया। उड़ान भरने के दौरान करतब का प्रदर्शन करते हुए विमान जब-जब तेज गति से एक दिशा से दूसरे दिशा की ओर जाता, लोग भारत माता की जय का नारा लगाकर उनका स्वागत करते। शो देखने के लिए पहुंचे हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान थी। सभी तालियां बजाते हुए लगातार सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्यों का हौसला बढ़ा रहे थे।

यह नए और मजबूत भारत की झलक है : संजय सेठ

एयर शो के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हुंकार भरते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नया भारत है। नया भारत दुश्मनों से न डरता है और न झुकता है, बल्कि आंखों में आंखें डाल कर बात करता है। हम मजबूत हुए हैं और सैन्य समान के लिए हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता कम हुई है। यह गर्व की बात है कि हम 70 प्रतिशत आत्मनिर्भर हो चुके हैं। यह पहले वाला भारत नहीं है ,अब हम दुनिया के 90 से अधिक देशों को सैन्य समान निर्यात कर रहे हैं। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि रांची के बाद अब 22 और 23 अप्रैल को बिहार की राजधानी पटना में एयर फोर्स की सूर्य किरण टीम एयर शो करेगी। भारतीय वायु सेना की ऐयरोबेटिक प्रदर्शन टीम का नाम सूर्यकिरण है। यह इंडियन एयरफोर्स के 52 वें स्क्वाड्रन का हिस्सा है। भारतीय वायु सेना द्वारा वर्ष 1996 में इसकी स्थापना की गई थी। वायु सेना के हवाई कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करना ही सूर्यकिरण का उद्देश्य है। अपने शुरूआती दिनों में इस टीम में एचएएल-एचजेटी-16 किरण एमके-2 ट्रेनर विमान थे। बाद में सूर्य किरण टीम में बीएई हॉक एमके132 विमान को शामिल किया गया। सूर्यकिरण के पायलट गौरव पटेल, कुलदीप हुड्डा, अजय दशरथी, जशदीप सिंह, सिधेश कार्तिक, अंकित वशिष्ट, विष्णु, अर्जुन पटेल और दिवाकर शर्मा हैं।

आदिवासी बच्चों के लिए फ्लाइट से मंगाई किताबें, ताकि घर-घर से निकलें आईएएस-आईपीएस

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में कार्यक्रम को संबोधित करते रविशंकर शुक्ला : फाइल फोटो

BRAJESH MISHRA @ JSR :

झारखंड कैडर के 2012 बैच के आईएएस रवि शंकर शुक्ला को सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सम्मानित करेंगे। आकांक्षी प्रखंड के अंतर्गत सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड में किए गए बेहतर कार्य के लिए रवि शंकर शुक्ला को 'प्राइम मिनिस्टर अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन 2024' दिया जाएगा। इससे पहले दुमका जिले में लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन में इनके कार्यों के लिए राष्ट्रपति की ओर से भूमि पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वर्ष 2024 में राज्यपाल ने उन्हें नेशनल वोटर डे पर बेहतर सेवा के लिए सम्मानित किया था। हजारीबाग के उपायुक्त रहते हुए स्वच्छता के लिए कार्य के लिए भी रवि शंकर शुक्ला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। अपने अभिनव प्रयोग के लिए ये हमेशा से चर्चा में रहे हैं। सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों विशेषकर आदिवासी बच्चों को अंग्रेजी भाषा में दक्ष बनाने के लिए उन्होंने सीएसआर के जरिए फ्लाइट से किताबें मंगवाकर उपलब्ध कराई। बाकायदा अलग-अलग मंचों पर कई बार उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि उनका लक्ष्य है कि झारखंड के सुदूर गांव के घर-घर से आईएएस-आईपीएस निकलें और देश की सेवा करें।

नेशनल सिविल सर्विसेस डे पर विशेष

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों आज सम्मानित होंगे झारखंड के 2012 बैच के आईएएस रवि शंकर शुक्ला
- सुदूर क्षेत्रों से आने वाले बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए कर रहे अभिनव प्रयोग, जमकर मिली सराहना
- पिछले साल राज्यपाल ने नेशनल वोटर डे पर बेहतर सेवा के लिए किया था सम्मानित

क्यों मंगवानी पड़ी थीं फ्लाइट से किताबें

सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त के तौर पर रवि शंकर शुक्ला की ओर से बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अलग-अलग कई कार्यक्रम आयोजित कराए गए। किताबों के प्रति रुचि पैदा करने के लिए साहित्य सम्मेलन का आयोजन कराया गया। इस दौरान यह बात सामने आई कि सुदूर आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले बच्चों को अंग्रेजी भाषा सीखने में परेशानी हो रही है। इस बात को ध्यान में रखकर रवि शंकर शुक्ला ने तय किया कि वह अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आने वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं सहित सरकारी स्कूलों के बच्चों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोष उपलब्ध कराएंगे। इसके लिए एक-एक कार्यशाला में 400 से 500 शब्दकोष की आवश्यकता थी। झारखंड के अलग-अलग पुस्तक विक्रेताओं से बातचीत और संपर्क करने के बाद पता चला कि एक बार में इतनी बड़ी संख्या में इंग्लिश टू हिंदी डिक्शनरी उपलब्ध करा पाना संभव नहीं है। इसके बाद झारखंड के पड़ोसी राज्यों में इसकी खोज कराई गई।

शेष पेज 02 पर पढ़ें।

खतरनाक आज के समय में बन चुका है सबसे बड़ा जलवायु प्रदूषक

मानसून सिस्टम में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रहा ब्लैक कार्बन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

वैज्ञानिक भाषा में ब्लैक कार्बन को ही कालिख भी कहा जाता है। यह कार्बन का ही एक रूप है। इसकी अधिक मात्रा उत्सर्जित होने के कारण पानी और हवा दोनों के प्रदूषित होने की स्थिति पैदा होती है। यह कणिकीय पदार्थ है, जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य ईंधन के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह एक प्रमुख जल-वायु प्रदूषक है, जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है और मानव स्वास्थ्य पर अनेक तरह से नकारात्मक असर डालता है। हाल के विशेष अध्ययन से यह पता चला है कि ब्लैक कार्बन एक अल्पकालिक लेकिन अत्यंत खतरनाक जलवायु प्रदूषक है, जिसे वैश्विक तापमान वृद्धि के लगभग आधे हिस्से के लिए जिम्मेदार माना जाता है। यह केवल ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का कारण ही नहीं बन रहा बल्कि मानसूनी प्रणाली में भी गंभीर व्यवधान उत्पन्न कर रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमडी) और क्लीन एयर फंड के ताजा अध्ययन में पाया गया है कि ब्लैक कार्बन जिसे आमतौर पर कालिख के रूप में जाना जाता है, जलवायु परिवर्तन को तेज करने और मौसम की चरम परिस्थितियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जीवाश्म, बायोमास और अन्य ईंधन के अधूरे दहन से होता है उत्पन्न

ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाकर मानव स्वास्थ्य को करता है प्रभावित

- ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के बड़े कारक के रूप में भी निभा रहा भूमिका
- वैश्विक तापमान वृद्धि के लगभग आधे हिस्से के लिए माना जाता है जिम्मेदार
- आईसीआईएमडी के अपडेट अध्ययन में पूरी स्थिति का किया गया है व्यापक विश्लेषण

एटमॉस्फेरिक पॉल्यूशन रिसर्च पत्रिका में विस्तार से प्रकाशित की गई है रिपोर्ट

जलवायु परिवर्तन की गति कम करने की शर्त

एटमॉस्फेरिक पॉल्यूशन रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अगर ब्लैक कार्बन उत्सर्जन में कटौती की जाए तो जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा किया जा सकता है। कालिख कार्बनिक (कार्बन युक्त) पदार्थों जैसे लकड़ी, ईंधन, तेल, प्लास्टिक और घरेलू कचरे के अधूरे जलने का बाय-प्रोडक्ट है।

मानवजनित ब्लैक कार्बन का जमाव

नए रिसर्च के मुताबिक, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में मानवजनित ब्लैक कार्बन का जमाव 45 से 66 फीसदी तक है। यह आवासीय ठोस ईंधन जलाने और ईंट भट्टों से आता है। इसमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान का योगदान भी है। इसके अलावा, चावल मिलें और चीनी उद्योग भी प्रमुख योगदानकर्ता हैं। ब्लैक कार्बन पीएम 2.5 के प्रमुख घटकों में से एक है, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक है। रिपोर्ट के अनुसार 2021 में इससे जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 80 लाख से अधिक मौतें समय से पहले हुईं। साथ ही इस प्रदूषण के कारण वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जडीपी) का 6 फीसदी से अधिक खर्च हो रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और वंचित समुदायों पर पड़ता है।

यूएई में हवाई युद्ध अभ्यास में हिस्सा लेंगे मिग-29 व जगुआर विमान

NEW DELHI : भारतीय वायुसेना (आईएएफ) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 21 अप्रैल से आठ मई तक होने वाले एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास में हिस्सा लेगी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात की वायुसेना द्वारा आयोजित युद्ध अभ्यास डेजर्ट फ्लैग-10 में भारतीय वायुसेना के मिग-29 और जगुआर विमान शामिल होंगे। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, फ्रांस, जर्मनी, कतर, सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य व तुर्किये की वायुसेनाओं की टुकड़ियां इस अभ्यास में भाग लेंगी। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय वायुसेना की एक टुकड़ी बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा वायुसैनिक अड्डे पहुंच गई है। बयान में कहा गया है, इस अभ्यास का उद्देश्य जटिल और विविध लड़ाकू अभियानों में भाग लेना है तथा विश्व की कुछ सर्वाधिक सक्षम वायुसेनाओं के साथ परिचालन संबंधी ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है।

लगातार हो रही बारिश ने बदतर कर दिए हालात

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से आई बाढ़, तीन की गई जान

AGENCY SRINAGAR :

पिछले कई दिनों से जम्मू-कश्मीर में बारिश हो रही है। रविवार को इससे उस समय हालात बिगड़ गए, जब अचानक बादल फटने से बाढ़ आ गई। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों तक जम्मू-कश्मीर में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। खासकर पहाड़ी और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आंधी-गरज के साथ बारिश-ओलावृष्टि की संभावना है। रामबन, उधमपुर, पुंछ और बारामुला जिलों में अलर्ट है। यहां लोगों को सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

- गांव की तरफ तेजी से आया पहाड़ का मलबा चपेट में आ गए कई लोग व घर
- 100 लोगों को किया गया रेस्क्यू, बचाव कार्य जारी
- बनिहाल में कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाओं के करण नेशनल हाईवे बंद

BRIEF NEWS

नाट्य कार्यशाला में जुटे रंगकर्मी

JAMSHEDPUR : सांस्कृतिक कार्य निदेशालय (पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार) तथा पथ पीपुल्स एसोसिएशन फॉर थियेटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय

निःशुल्क नाट्य कार्यशाला के सातवें दिन प्रतिभागियों ने नए विचारों और रचनात्मक प्रयोगों के माध्यम से रंगमंच की गहराइयों को आत्मसात किया। सातवें दिन की शुरूआत एक अत्यंत विचारोत्तेजक सत्र से हुई जिसमें जमशेदपुर के कला मर्मज्ञ श्री अमिताभ घोष ने अपनी उपस्थिति से सभी प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। उन्होंने कला और जीवन का अंतसंबंध विषय पर अपनी गूढ़ समझ साझा करते हुए यह ज्वलंत प्रश्न उठाया–हम नाटक किसके लिए करें? उनके अनुसार, रंगमंच मात्र मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आत्मचिंतन का सशक्त औजार है।

21 शिक्षक-शिक्षिकाओं का हुआ भव्य सम्मान

GHATSILA : आईसीसी हाई स्कूल मऊभंडार के 1992 बैच के छात्र-छात्राओं का री-यूनियन सह गुरु सम्मान समारोह रविवार को स्कूल

परिसर में आयोजित हुआ। री-यूनियन सह गुरु सम्मान समारोह में दो दर्जन से ज्यादा शिक्षक-शिक्षिकाएं सम्मानित किए गए। री-यूनियन में मौजूद हर एक की आंखें डबडबा गई। सभी काफी भावुक नजर आए। स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे शिवाजी सिंह ने कहा कि लम्बे समय बाद भी छात्रों का इस तरह हमारे प्रति कृतज्ञ होना सचमुच अद्भुत और मन को छूने वाली बात है। इस मौके पर एनके शर्मा, रंजीत शर्मा, राकेश दूबे, संजय अग्रवाल, बिनु सिंह हेम्ब्रम, संजीव रंजन समेत कई अन्य छात्र व छात्राओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्ती भूमिका अदा किया।

जेल आईजी ने किया घाटशिला उपकारा का निरीक्षण

GHATSILA : जेल आईजी सुर्दशन मंडल ने रविवार की शाम चार बजे से छह बजे तक घाटशिला उपकारा का औचक निरीक्षण किया। वह दो घंटे तक जेल के अंदर निरीक्षण करते रहे। उन्होंने कैदियों से भी जेल के सुख सुविधा को लेकर जानकारी ली। इस क्रम में उन्होनें कुछ पुरुष कैदियों से उनके मामले को लेकर विस्तार पूवर्क जानकारी ली। साथ ही जेल में बेहतर व्यवस्था बहाल रखने को कहा। जेई आईजी ने निरीक्षण के क्रम में जेल की साफ सफाई, कारा पंजी की भी जांच की। इस दौरान उन्होंने जेल प्रभारी सतेन्द्र कुमार से कैदियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। इससे पूर्व जेल आईजी के पहुंचने पर पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ आनर की सलामी दी।

12 वर्ष से अध्यक्ष के पद पर काबिज हैं तापस चटर्जी

GHATSILA : संस्कृति सांसद दहीगोड़ा क्लब की वार्षिक आम सभा रविवार को हुई। संस्कृति सांसद की वार्षिक आम सभा में आपसी सहमति बनने के कारण चुनाव की नौबत नहीं आई। पूर्व की कमेटी को ही बहाल रखा गया है। इसकी स्थापना वर्ष 1953 में की गई थी। संस्कृति सांसद के एजीएम में लगातार 12 वर्ष से अध्यक्ष के रूप में तापस चटर्जी बने हुए हैं। वहीं उपाध्यक्ष तपन महतो, साधु चरण पाल, महासचिव संदीप राय चौधरी, संयुक्त सचिव रविंद्र नाथ दास, रविशंकर सीट, कोषाध्यक्ष बसंत लाल को मनोनित किया गया। 10 कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव किया गया। इसमें कंचन कर, प्रदीप भद्र, विश्वनाथ पाल, सुभोजित सरकार, सपन सीट, शिल्पी सरकार, मानसी चटर्जी, गोपाल पत्रो सहित अन्य शामिल हैं।

एडीएल सनशाइन स्कूल की आमसभा में जमकर चले लात-घूंसे, पहुंची पुलिस

विपक्ष ने स्कूल परिसर के मुख्य गेट पर जड़ दिया था ताला, प्रबंधन को नहीं घुसने दिया

PHOTON NEWS JSR: कदमा में रविवार को हुई एडीएल सनशाइन स्कूल की वार्षिक आमसभा (AGM) इस बार फिर विवादों की भेंट चढ़ गई। रविवार को जैसे ही बैठक की प्रक्रिया शुरू होने वाली थी, माहौल अचानक गरमा गया। विपक्षी खेमे ने स्कूल परिसर के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और किसी को अंदर घुसने नहीं दिया। यह कदम बैठक को रोकने की कोशिश के तौर पर देखा गया, जिससे तनाव चरम पर पहुंच गया।

कुछ ही देर में स्कूल की प्रबंधन समिति (सत्तापक्ष) और विरोधी गुट के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जो हाथपाई में तब्दील हो गई। जमकर लात घूंसे चले। स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और भय का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के बाद ही कुछ हद तक शांति बहाल हो पाई। मामले की शिकायत एसडीओ से की गई है। एसडीओ शताब्दी मजूमदार ने दोनों पक्षों को अपने यहां पेश होने के आदेश दिए हैं। अब यह विवाद एसडीओ के यहां हल होगा।

एडीएल सनशाइन स्कूल परिसर में हंगामा करते लोग ● फोटोन न्यूज

विवाद की जड़ें गहरी

विपक्षी गुट ने प्रबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी है। प्रबंधन ने वित्तीय अनियमितताएं बरती हैं। प्रबंधन एकतरफा निर्णय लेता है। प्रबंधन सदस्यों को एजीएम से दूर रखना चाहता है। किसी भी मीटिंग की सूचना समय पर नहीं दी जाती। इन आरोपों के साथ विपक्ष ने यह भी दावा किया कि आम सभा को जानबूझकर सीमित लोगों तक सीमित किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की जवाबदेही से बचा जा सके।

प्रबंधन का पक्ष वहीं, स्कूल प्रबंधन ने सभी आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक साजिश बताया। उनका कहना है कि एजीएम पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई थी और विपक्षी गुट सिर्फ माहौल बिगाड़ने तथा स्कूल की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहा है।

एडीएल सनशाइन स्कूल के गेट के समक्ष खड़े प्रबंधन के विरोधी पक्ष के लोग

पुराना विवाद, नया टकराव

गौरतलब है कि ए.डी.एल. सनशाइन स्कूल की प्रबंधन समिति को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा है। कई बार यह विवाद अदालत तक भी पहुंच चुका है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है।

प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और स्कूल प्रबंधन में स्थायीत्व और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाएं।

हाथी का बच्चा कुएं में गिरा 5 घंटे बाद निकाला गया

LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत मारंगलोइया गांव में झुंड से भटक कर एक हाथी का बच्चा शनिवार की रात कुएं में गिर गया। लगभग पांच घंटे तक कड़ी मेहनत के बाद हाथी के बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला जा सका। इस संबंध में लातेहार वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल ने रविवार को बताया कि रात में सूचना मिली कि हाथी का एक बच्चा ग्रामीणों के खेत में बनाए गए एक कुएं में गिर गया है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जेसीबी के माध्यम से कुएं के एक भाग के बगल में गड्ढा कर रास्ता बनाया। लगभग पांच घंटे की कड़ी मेहनत के बाद हाथी के बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला गया। इधर स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो-

कुएं में हाथी का बच्चा

तीन दिनों से हाथियों का झुंड गांव के आसपास जमा हुआ है । शनिवार की देर रात अचानक एक हाथी का बच्चा कुएं में जा गिरा। ग्रामीणों ने अपने स्तर से हाथी को कुएं से बाहर निकालने का प्रयास किया । परंतु जब ग्रामीण सफल नहीं हुए तो वन विभाग को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के जरिये गांव के आसपास पिछले कई दिनों से तबाही मचाई गई है। शनिवार की सुबह हाथियों ने एक महिला को घायल कर दिया था।

हजारीबाग में कोल वाहन की चपेट में आकर एक युवक की हो गई मौत

सड़क पार करते समय हाईवा ने कुचला, विरोध में सड़क जाम

AGENCY HAZARIBAG : हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड में केडी कॉल खनन परियोजना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। बीजीआर माइनिंग इंफ्रा लिमिटेड में कार्यरत 30 वर्षीय विकास कुमार राम की ओएसएल कंपनी के हाइवा की चपेट में आने से रविवार को मौत हो गई।

पांडू गांव निवासी विकास रोज की तरह अपने काम पर जा रहा था। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार हाइवा ने उसे कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओएसएल कंपनी के वाहन अक्सर तेज गति से चलते हैं।

इस वजह से पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने हाइवा को आग के हवाले कर दिया और कोयला परिवहन कार्य को रोक दिया। उनका आरोप है कि खनन कंपनियां सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर रही हैं। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

प्रशासन ने मामले की जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा और क्षेत्र में बेहतर सड़क सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। उल्लेखनीय हो कि बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड कोयला खनन के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां एनटीपीसी की कई कंपनियां खनन कार्य कर रही हैं। यह घटना एक बार फिर खनन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

घटनास्थल पर गिरी युवक की बाइक ● फोटोन न्यूज

पीएम व सीएम समेत चार लोगों को लिखें पत्र : ढुलू महतो

DHANBAD : देश में अलग अलग चुनाव होने से खर्च बढ़ रहा है। देश में जब पहला चुनाव हुआ था तो उसमें 10 करोड़ रुपये का व्यय हुआ था। 2024 के चुनाव में 1.34 लाख करोड़ का खर्च हुआ था। यह एक आदमी पर 1400 रुपये का खर्च था। इतनी बड़ी राशि चुनाव पर खर्च हो रही है। इस रकम को अगर बचा लिया जाए और देश में एक साथ चुनाव हों तो हम बची रकम विकास पर खर्च कर सकते हैं। यह बातें धनबाद सांसद ढुलू महतो ने रविवार को कहीं। वह न्यू टाउन हाल में फेडरेशन आफ धनबाद जिला चैंबर आफ कामर्स की तरफ से एक राष्ट्र एक चुनाव परिचर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को कम से कम राज्य के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पत्र देकर एक देश एक चुनाव की मांग करना चाहिए। ढुलू महतो ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह आवश्यक है।

मेदिनीनगर शहर थाने में लगी आग, 44 वाहन जलकर हुए खाक

AGENCY PALAMU : मेदिनीनगर शहर थाना परिसर में रविवार को आग लगने से जब्त सामान सहित 44 वाहन जलकर खाक हो गये।

एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में दमकल की दो गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग बुझाया जा सका। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जतायी जा रही है। आग लगने से थाना परिसर में एक घंटे तक अफरा तफरी का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार शहर थाना परिसर में स्थित मंदिर के पीछे बड़ी संख्या में जब्त सामान सहित अन्य वाहन लगाकर रखे गए थे। अचानक इन

थाना परिसर में जले हुए वाहन ● फोटोन न्यूज

वाहनों से आग की लपटे उठती दिखी। सूचना मिलते ही तुरंत शहर थाना के जवान और पुलिस पदाधिकारी सक्रिय हो गए। अगलगी में गाड़ियों के टायर, मोबिल, सीट, तेल से आग और भयावह रुप ले लिया। बाद में छानबीन करने पर बताया गया कि 40 मोटरसाइकिल, एक बस, एक ऑटो, एक ई रिक्शा और एक कार जलकर नष्ट हो गई है। जिस जगह घटना हुई उससे सटकर बिजली का खंभा है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि बिजली के खंभे से ही आग भड़की और देखते-देखते वाहनों को चपेट में ले लिया। शहर थाना में लगी आग की लपटे इतनी ऊंची उठ रही थी कि इसका काला धुआं पूरे शहरी क्षेत्र में फैल गया था।

संस्कृति जागरण महोत्सव में भाग लेंगे सरना धर्मावलंबी

KHUNTI : अमर शहीद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू का पवित्र जल और शहीद भूमि डोम्बारी बुरू की माटी एवं सरना झंडा सिंगबोगा(सूर्य ध्वज) लेकर खूंटी जिले कें 50 सरना धर्मावलंबी पांच मई को दिल्ली कें भारत मंडपम जायेंगे। साथ ही खूंटी का पवित्र जल और मिट्टी सौंपेंगे। सभी सरना धर्मावलंबी पांच मई को भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित संस्कृति जागरण महोत्सव में भाग लेंगे। संस्कृति जागरण महोत्सव विश्व जन जागृति मिशन के संस्थापक सुधांशु जी महाराज के जन्मदिन पर आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जनजातियों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। सरना धर्मावलंबियों का यह दल अखिल भारतीय सरना समाज के बुद्धिजीवी और भूतपूर्व शिक्षक लेपा मुंडा और छोटराय मुंडा के नेतृत्व में दिल्ली जाएगा।

समाजसेवी से दुर्व्यवहार मामले में मानवाधिकार आयोग ने एसएसपी को दिए जांच के आदेश

PHOTON NEWS DHANBAD : कुसुंडा रेलवे तालाब के अस्तित्व को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे दिनेश कुमार धारी के मामले में केंद्रीय मानव अधिकार आयोग ने जांच के आदेश दिए हैं। यह जांच धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दन को सौंपी गई है। एसएसपी से पूरे मामले की जांच कर आठ हफ्तों में रिपोर्ट देने को कहा गया है। दिनेश कुमार कुसुंडा रेलवे तालाब के अस्तित्व को बचाने को लेकर आंदोलन कर रहे थे। दिनेश का कहना है कि आंदोलन के दौरान धनबाद आरपीएफ इंस्पेक्टर पवन कुमार और जीआरपी थाना प्रभारी ललन कुमार ने आकर दुर्व्यवहार किया। दिनेश के अनुसार उन्होंने जाति सूचक गाली देते हुए मारपीट कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फेंक दिया। आसपास के लोगों ने इसकी वीडियो भी बनाई थी। लेकिन दोनों अधिकारियों ने कई मोबाइल के वीडियो डिलीट कर दिए। कुछ वीडियो बचे हुए हैं। फरवरी 2025 में दिनेश ने इसकी शिकायत मानव अधिकार आयोग और प्रधानमंत्री कार्यालय से की। अब इस पर मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक से जांच करने को कहा है।

एसएसपी एचपी जनार्दन (फाइल फोटो)

- आठ हफ्ते में जांच कर मांगी रिपोर्ट, आरपीएफ व रेल पुलिस पर लगा था सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश से दुर्व्यवहार का आरोप

100 साल पुराना है कुसुंडा रेल तालाब

कुसुंडा रेलवे तालाब लगभग 100 वर्ष पुराना है। दिनेश बताते हैं कि इस तालाब पर लगभग डेढ़ लाख की आबादी निर्भर है। लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां आस-पास आउटसोर्सिंग कंपनियां खुल गई हैं। और तालाब का पानी का उपयोग कर रही हैं। स्थिति यह है कि तालाब का दायरा सिकुड़ कर काफी छोटा हो गया है। लगातार पानी निकालने की वजह से हर दिन तालाब सूखता जा रहा है। यही स्थिति रही तो इस तालाब का अस्तित्व पूरी तरीके से खत्म हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल और उसकी आउटसोर्सिंग कंपनियां जानबूझकर तालाब को सुखा रही है।

मसीही समुदाय के लोगों के बीच रही क्रूस मृत्यु के बाद प्रभु यीशु के पुनरुत्थान के पर्व की धूम

यीशु मसीह के जी उठने की खुशी में मनाया गया ईस्टर संडे

AGENCY PALAMU : पलामू जिले में ईस्टर संडे रविवार को पुनरुत्थान पर्व के रूप में मनाया गया। सुबह में डालटनगंज के आबादगंज कब्रिस्तान पर जाकर पूर्वजों की कब्र में मोमबत्ती और फूल माला चढ़ाकर याद किया। यूनियन चर्च में सुबह छह बजे से चर्च आराधना की गई। इसमें यीशु मसीह के जी उठने का संदेश लोगों को दिया गया। मिस्सा अनुष्ठान किया गया।

मौके पर पादरी प्रभु रंजन मसीह ने कहा कि गुड फ्राइडे के तीन दिन बाद ईस्टर संडे मनाया जाता है। इस दिन प्रभु यीशु जीवित हो उठे थे। प्रभु यीशु के पुनर्जीवित होने पर खुशी में यह उत्सव मनाया जाता है। जब प्रभु यीशु को को सूली पर चढ़ाया गया तो उनके अनुयायियों में निराशा छा गई थी। लेकिन तीन दिन बाद रविवार के दिन यीशु मसीह जीवित हो उठे,

ईस्टर के मौके पर चर्च में प्रार्थना सभा में उपस्थित मसीही समाज के लोग

तो उनके अनुयायियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

प्रभु यीशु ने अपने अनुयायियों को ज्ञान का उपदेश दिया। उन्हें धर्म, कर्म, शांति एवं मानवता का पाठ पढ़ाया। यीशु मसीह का जी उठना विश्वासियों को संदेश देता है कि बिगड़ी हुई परिस्थतियों में भी मनुष्य ईश्वर पर भरोसा रखकर जीवित रहा जा सकता है। प्रार्थना सभा में प्रभु यीशु की महिमा का बखान किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक स्वागत और प्रार्थना गीत गाए।

मौके पर डा. नीलम होरो, डा डोरा, बबली, रिंकी, नीलम, विलसन, अनुराग, अर्पण सहित काफी संख्या में मसीही समाज के लोग मौजूद थे।

इसी तरह स्टेशन रोड स्थित शांति की महारानी गिरिजाघर में सुबह सात बजे ईस्टर की चर्च आराधना हुई। मुख्य अनुष्ठाता फादर संजय गिद्ध के नेतृत्व में चर्च आराधना और अन्य धर्म विधि संपन्न हुई। इसमें उनका सहयोग पल्ली पुरोहित अरविंद मुंडा, अनीस ने किया। पुरोहितों ने कहा कि प्रभु यीशु ख्रीस्त पुनर्जीवित हो उठे, यह हमारे लिए आशा का संदेश है।

सीएनआई चर्च, रेड़मा में सुबह छह बजे से चर्च आराधना शुरू हुई। पादरी संजीत खलखो ने चर्च आराधना संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि जिस तरह क्रूस मृत्यु के बाद प्रभु यीशु का पुनरुत्थान हुआ और वे पुनर्जीवित हो उठे, उसी तरह मृत्यु के बाद मसीही विश्वासियों का भी पुनरुत्थान होगा।

मौके पर मसीद्धान गिद्ध, अलबन खाखा, अनुकरण तिर्की, सुनील तिर्की, हीरामणि तिर्की, सन्नी जान सहित मसीही समाज के कई लोग मौजूद थे।

कब्र से जीवन की ओर लौटे प्रभु यीशु, चर्च में उमड़ी भीड़

JAMSHEDPUR : शहर में रविवार को प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का पर्व ईस्टर पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। आधी रात से ही शहर के कैथोलिक चर्चों में घंटियां गूंज उठीं, और प्रभु यीशु के पुनरागमन की खुशी में प्रार्थनाओं का सिलसिला शुरू हो गया। रविवार सुबह शहर के प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक दोनों ही समुदायों ने अपने-अपने चर्चों में विशेष प्रार्थनाओं का आयोजन किया। पुनरुत्थान के गीतों के साथ चर्चों का वातावरण भक्तिमय हो उठा। हर दिशा में केवल एक ही संदेश गूंज रहा था प्रेम, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलो। बिष्टुपुर के बेलडीह कब्रिस्तान में विशेष प्रार्थना सभा हुई, जहां लोगों ने प्रभु यीशु के बलिदान को याद करते हुए फादर समीर पन्ना ने कहा रवे मरे, ताकि हम जी सकें।र प्रेम, क्षमा और विश्वशांति का संदेश देते हुए कहा, रप्रभु का पुनरुत्थान हमें सिखाता है अंधेरे के बाद उजाला जरूर आता है।रविवार सुबह शहर के सभी प्रोटेस्टंट और कैथोलिक चर्चों में विशेष आराधना हुई, प्रभु के पुनरुत्थान की खुशी में गाए गए गीत, बांटी गई बधाइयों और दिलों में एक नई शुरूआत की उमंग।

पेज 1 का शेष...

क्यों मंगवानी पड़ी थीं....

पता चला कि पड़ोसी राज्य ओडिशा, बंगाल और बिहार से इस मांग को पूरा कराया जा सकता है। इसके बाद पुस्तक विक्रेताओं से अनुरोध कर बच्चों को देने के लिए फ्लाइट से किताबें मंगाई गईं। इस वजह से निर्धारित तिथि पर इनका वितरण हो सका। रवि शंकर शुक्ला के इस प्रयास को विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं ने खुले मन से सराहा। अलग-अलग संगठनों की ओर से उन्हें इस कार्य के लिए अलग-अलग मंचों पर सम्मानित किया गया।

अलग-अलग जिलों में पुस्तकालयों को कराया समृद्ध

रवि शंकर शुक्ला को उपायुक्त के रूप में अपनी सेवाओं के दौरान झारखंड के अलग-अलग जिलों में कई पुस्तकालयों का कायाकल्प करने का श्रेय भी जाता है। वर्तमान में इन पुस्तकालयों से हजारों बच्चे पढ़ाई कर पा रहे हैं। दुमका और सरायकेला-खरसावां के पुस्तकालय को भी काफी समृद्ध बनाया गया है। बच्चों के पठन-पाठन और व्यक्तित्व विकास के लिए किए जा रहे रवि शंकर शुक्ला के कार्य को देखकर राज्य के दूसरे कई आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अधिकारी व राज्य सेवा से आने वाले अधिकारी बाकायदा टीम के तौर पर मिलकर यह कार्य कर रहे हैं।

कौन हैं आईएएस रवि शंकर शुक्ला

रवि शंकर शुक्ला का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का रहने वाला है। पिता न्यायिक सेवा में रहे हैं। रवि शंकर शुक्ला ने झारखंड के अलग-अलग जिलों में उपायुक्त के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। वह पूर्व में लातेहार, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, दुमका के डीसी रहे हैं। रवि शंकर शुक्ला की पत्नी नेहा अरोड़ा भी झारखंड के 2012 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

BRIEF NEWS

कल होगी प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक : कमलेश

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 22 अप्रैल को होगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बेलगामी अधिवेशन और कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में लिए गए फैसले के आधार पर लिया गया है। केशव कांग्रेस भवन में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस दौरान कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश संजीव खन्ना पर दिए गए बयान की पार्टी निंदा करती है।

शिक्षा न्यायाधिकरण को लागू करे सरकार : अजय

RANCHI : झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य के निजी स्कूलों की ओर से चालू शैक्षणिक सत्र में मनमाने ढंग से की गई फीस वृद्धि, एनुअल चार्ज, री-एडमिशन फीस और विभिन्न शुल्कों की वसूली को गैरकानूनी करार देते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने रविवार को कहा कि लगातार मिल रही अभिभावकों की शिकायतें इस बात का प्रमाण हैं कि स्कूल प्रबंधन ट्यूशन फीस के अतिरिक्त विभिन्न मदों में अवैध रूप से शुल्क वसूल कर छात्र और उनके अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। राय ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 का उल्लंघन है।

पाहन टोली में पक्षियों के लिए रखा जलपात्र

RANCHI : संत जेवियर्स कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर की शुरूआत रविवार को पाहन टोली नामकुम में हुई। शिविर में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने गांव में पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किये। पूरे गांव में गौरैया जलपान पात्र स्थापित किया, ताकि पक्षियों को गर्मी में पानी मिल सके। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गयी। इसके बाद स्वयंसेवकों ने 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की स्कूल में उपस्थिति का सर्वेक्षण किया। इसके आधार पर स्कूल नहीं जानेवाले बच्चों का स्कूल में नामांकन कराने का संकल्प लिया गया। शिविर में प्रोग्राम अफसर अनिर्बान गुप्ता सहित कई स्वयंसेवक शामिल थे।

30 अप्रैल तक कर दी जाएगी नए विद्युत टैरिफ की घोषणा

उपभोक्ताओं को लगेगा झटका पहली मई से महंगी होगी बिजली

PHOTON NEWS RANCHI : अगले महीने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगने वाला है। झारखंड में नए बिजली टैरिफ की घोषणा 30 अप्रैल तक कर दी जायेगी। जानकारी के मुताबिक मई से बिजली की दर 1 रुपये प्रति यूनिट बढ़ जाएगी। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा इसकी तैयारी की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि नये टैरिफ का ड्रॉफ्ट अंतिम चरणों में है। आयोग 30 अप्रैल तक इसे हर हाल में घोषित कर देना चाहता है, ताकि एक मई से टैरिफ प्रभावी हो सके। इधर, जेबीवीएनएल भी नये टैरिफ का इंतजार कर रहा है। बीते वर्ष टैरिफ में बढ़ोतरी नहीं हो सकी थी। जेबीवीएनएल ने झारखंड क' घरेलू उपभोक्ता की बिजली दर में प्रति यूनिट दो रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था।

जेबीवीएनएल आयोग को दे चुका है आपत्तियों का जवाब

जनसुनवाई पर आयी आपत्तियों का जवाब जेबीवीएनएल आयोग को दे चुका है। अब टैरफ को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष बिजली टैरफ में 50 पैसे से लेकर एक रुपये प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी होने की संभावना है।

वर्तमान में घरेलू उपभोक्ता की बिजली दर 6.65 रुपये

वर्तमान में शहरी क्षेत्र क' घरेलू उपभोक्ता की बिजली दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट है, जिसे 8.65 रुपये प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव दिया गया है। वहीं फिक्सड चार्ज भी 100 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 200 रुपये प्रतिमाह करने का प्रस्ताव दिया गया था। जेबीवीएनएल क' टैरिफ प्रस्ताव पर आयोग द्वारा जनसुनवाई की प्रक्रिया मार्च माह में पूरी कर ली गई है।

झारखंड में तापमान बढ़ते ही बढ़ी परेशानी, तेज हवा के साथ बिजली की भी आंखमिचौली जारी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में रविवार को प्रचंड गर्मी महसूस की गई। बढ़े तापमान के चलते लोग ठंडा पेय पीने और पेड़ों की छांव ढूंढने समेत अन्य उपाय करते देखे गए। दोपहर में अधिक तपिश महसूस की गई। वहीं मौसम विभाग के 22 अप्रैल तक झारखंड के उत्तर-पश्चिमी जिलों पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा सहित अन्य इलाकों में गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया गया। वहीं रांची धुर्वा सहित अन्य इलाकों में सुबह से ही बिजली की आंखमिचौली जारी रही। बिजली नहीं रहने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली समस्या को लेकर लोग बिजली विभाग में भी सम्पर्क भी करते देखे गए। हालांकि दोपहर के बाद बिजली की आपूर्ति सामान्य हो गई।

रांची में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री, जमशेदपुर में 35.8, डालटेनगंज में 38.4 और बोकारो में तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को ईस्टर की दी शुभकामानाएं

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को ईस्टर की शुभकामानाएं दी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रविवार को पोस्ट कर सभी की हैप्पी ईस्टर कहकर बधाई दी है। ईसाई समुदाय का महत्वपूर्ण पर्व ईस्टर रविवार को मनाया जा रहा है। इसी दिन प्रभु यीशु का पुनर्जन्म हुआ था। इस अवसर पर सुबह से ही राजधानी रांची के अलग-अलग कब्रिस्तान जाकर लोग पूर्वजों की कब्र पर मोमबत्ती और फूल-माला चढ़ाकर याद कर रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान ने दी दादी रतन मोहिनी को श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS RANCHI : ब्रह्माकुमारी संस्था न की प्रमुख प्रशासनिका दादी रतन मोहिनी की स्मृति में रविवार को ब्रह्माकुमारीज के हरमू रोड स्थित केंद्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को श्रद्धासुमन अर्पित की गई।

मौके पर राज्यी सरकार के संयुक्त सचिव अमीय नंदन अग्रहरिने कहा कि दादीजी ने अपना सम्पूर्ण जीवन तपस्या और मानव सेवा को समर्पित कर हम सभी के लिए अध्यात्म का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन केवल संस्था के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अनुकरणीय है।

मौके पर ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी की दिव्य उपस्थिति आध्यात्मिक पथ को रौशन करते रहेंगे और लाखों लोगों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रेम सादगी और उच्च दृष्टि और उनका विरासत हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेगी।

रांची में लाभुकों से सत्यापन के लिए आंगनबाड़ी सेविका ऐंठ रहीं पैसे

100 से 500 रुपये तक की हो रही वसूली

PHOTON NEWS RANCHI : मंईयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाओं से सत्यापन के नाम पर आंगनबाड़ी सेविका पैसे ऐंठ रही है। सत्यापन के बदले प्रत्येक महिला से 100 से 500 रुपये की वसूली की जा रही है। लाभुकों से रुपयों की वसूली का ये मामला राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी से सामने आया है। हिंदपीढ़ी में रुपयों की वसूली का मामला उजागर हुआ। जिला उपायुक्त के सख्त निर्देश के बावजूद आंगनबाड़ी सेविका पैसों की वसूली करने से पीछे नहीं हट रही है।

सत्यापन के लिए 100 से 500 रुपए की मांग : हिंदपीढ़ी में महिलाओं ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना का लाभ पाने के लिए भी उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सत्यापन के लिए आंगनबाड़ी सेविका उनसे 100 से 500 रुपए तक की मांग कर रही है, जबकि सत्यापन पूरी तरह से निःशुल्क है। महिलाओं ने बताया कि इलाके में उनके लिए बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है और अब मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए भी उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है।

उपायुक्त के आदेश की अवहेलना

राज्यभर में मंईयां सम्मान योजना की लाभुक महिलाओं की सत्यापन प्रक्रिया पूरी तरह से नि:शुल्क है। रांची उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने इस संबंध में आदेश भी जारी किया था। पूर्व में सत्यापन के लिए पैसे लेने वाली जिले की कई सेविकाओं के खिलाफ कार्रवाई भी हो चुकी है, इसके बावजूद उपायुक्त के आदेश की अवहेलना करते हुए सेविका पैसों की वसूली करने से पीछे नहीं हट रही हैं।

अब सरकार एक क्लिक में देख लेगी बच्चों व शिक्षकों की मौजूदगी

विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने और ठीक से पढ़ाई पर किया जा रहा विशेष फोकस

इस आईटी सिस्टम को जल्द लागू करने जा रहा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

प्रतीकात्मक फोटो

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार शिक्षा को हर एंगल से नए अंदाज में डालने की कोशिश कर रही है। अब राज्य सरकार एक क्लिक में न केवल बच्चों, बल्कि शिक्षकों की मौजूदगी ऑनलाइन देख लेगी। किस स्कूल में कब और किसी खास दिन बच्चों और शिक्षकों की कितनी उपस्थिति रहेगी, इसकी भी जानकारी सहज मिलेगी। किसी स्कूल का कोई शिक्षक कब से अनुपस्थित है, कितने और किस मोहल्ले का बच्चा लगातार स्कूल नहीं आ रहा है, इसकी भी जानकारी ऑनलाइन हासिल हो जाएगी। राज्य सरकार ने ये सभी जानकारियां सहज ऑनलाइन प्राप्त करने के लिए डाटा लेक तथा रीयल टाइम इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड लागू करने का निर्णय लिया है। इसके डिजाइन, मेंटेनेंस तथा संचालन की जिम्मेदारी निजी आईटी एजेंसी को दी जाएगी, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा लागू किया जानेवाला इस आईटी सिस्टम को केंद्र के सहयोग से खोले गए 'विद्या समीक्षा केंद्र' तथा राज्य सरकार द्वारा तैयार ई-विद्यावाहिनी पोर्टल से जुड़ेगा। इसके माध्यम से स्कूलों में संचालित शिक्षा योजनाओं की भी निगरानी होगी। किस स्कूल के कितने बच्चों को पाठ्य-पुस्तक, पोशाक, स्कूल किट या अन्य सुविधाएं प्राप्त हुई, कितने बच्चे वंचित रह गए, ये सभी जानकारियां विभाग तथा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को सहज उपलब्ध हो सकेंगी।

ड्रॉप आउट की मिलेगी सटीक जानकारी : इस डैशबोर्ड के माध्यम से बच्चों का साप्ताहिक, मासिक तथा त्रैमासिक ड्रापआउट का भी पता चलेगा, जिससे संबंधित बच्चे को स्कूल वापस लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जा सकेंगे।

इन गतिविधियों की भी हो सकेगी निगरानी

रेल असेसमेंट के तहत स्कूलों में होनेवाली मासिक परीक्षा तथा निपुण असेसमेंट। जैक द्वारा आयोजित होनेवाली विभिन्न परीक्षाओं में छात्राओं की उपस्थिति, विषयवार परिणाम आदि। स्कूल सर्टिफिकेशन। टीचर स्टूडेंट रेशियो, विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता, स्थायी और अस्थायी शिक्षकों की संख्या, उनकी योग्यता, अनुभव आदि। स्कूलों में उपलब्धता आधारभूत संरचनाएं आदि।

देश में मनुस्मृति लागू करना चाहती है भारतीय जनता पार्टी : विनोद पांडेय

PHOTON NEWS RANCHI : न्यायपालिका को लेकर गोड्डा के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे के विरोधात्मक बयान को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने लोकतंत्र विरोधी करार दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य और वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय जी ने कहा कि असल बात यह है कि भाजपा देश में मनुस्मृति लागू करना चाहती है। भाजपा को देश के संवैधानिक ढांचे पर विश्वास ही नहीं है। चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर कब्जा किया जा चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों पर भी इन्हें आपत्ति है। आखिरकार भाजपा इस देश को कहां ले जाना चाहती है। भाजपा के नेताओं ने निशिकांत दुबे के बयान पर चुप्पी क्यों साध रखी है। बात-बात पर बयान जारी करने वाले बाबूलाल मरांडी जी क्यों नहीं इसपर स्थिति स्पष्ट करते। न्यायपालिका पर देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और आर्थिक तौर पर पिछड़े लोगों का अटूट भरोसा है। भाजपा अब अपने नेताओं के जरिए न्यायपालिका पर हमले करा रही है। ये मनमुताबिक निर्णय नहीं होने पर न्यायपालिका पर दबाव बना रहे हैं। भाजपा के सांसद पहले भी संताल परगना को झारखंड से अलग करने की बातें कई बार कर चुके हैं। इनकी सोच विभाजनकारी है। भाजपा के नेताओं को अगर न्यायपालिका पर विश्वास है तो निशिकांत दुबे को अबिलंब बर्खास्त कर देना चाहिए। ऐसा नेताओं की सोच देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है।

जमीला खातून के प्रयास से वार्ड 49 में पूरी हुई यह योजना : नवीन जायसवाल

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को वार्ड संख्या 49 अंतर्गत मिलन चौक से नीम चौक तक एवं पत्थर रोड से वारसी चौक होते हुए काली मंदिर से मिल्लत कॉलोनी स्टार टेंट हाउस व सरकारी कुआं से मस्जिद असरा तक बिटुमिनस पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास हटिया विधायक नवीन जयसवाल एवं वार्ड 49 की निवर्तमान पार्षद जमीला खातून ने किया। नवीन जायसवाल ने लोगो को बताया कि ये योजना वार्ड की निवर्तमान पार्षद जमीला खातून के कार्यकाल में ही लाया गया था, जो किसी कारण से पिछेल ढाई सालों से लंबित था,परंतु जमीला खातून के प्रयास से ये योजना आज वार्ड 49 की जनता को समर्पित किया गया। इसके लिए पूरे वार्ड की जनता की तरफ से मै आपको बधाई देता हूं। जमीला खातून लगातार विकास के प्रति आज भी अग्रसर है। आज 2 साल से पार्षद का चुनाव नहीं हो पाया है। इसको लेकर मामला न्यायालय मे चल रहा है। फिर भी आज जमीला खातून के प्रयास से ही पूरे वार्ड में विकार की गंगा बह रही है और आगे भी इनके द्वारा विकास के कार्य पूरे वार्ड किए जाएंगे। साथ ही और भी जो कार्य वार्ड मे बचे हैं, उसके लिए भी जमीला खातून ने मांग की है।

संविधान बचाओ अभियान के बहाने कांग्रेस ने निशिकांत दुबे पर साधा निशाना, जमकर बरसे प्रदीप यादव, कहा-

भाजपा सांसद का बयान लोकतंत्र के मूल स्तंभ पर सीधा प्रहार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने संविधान बचाओ अभियान के बहाने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और गोड्डा के सांसद डॉ निशिकांत दुबे पर जमकर निशाना साधा है। 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान समेत अन्य मुद्दों के बारे में जानकारी देने के लिए बुलायी गयी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम से ज्यादा डॉ दुबे पर निशाना साधा गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संविधान बचाओ अभियान समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा और समीक्षा के लिए 22 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केशव महतो कमलेश ने कहा कि बेलगामी अधिवेशन और कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि 40 दिन तक संविधान बचाओ अभियान चलाया जायेगा। बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर गहण समीक्षा भी की जायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जायेगा। इस बैठक में कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जायेगी।

प्रदीप यादव ने कहा कि भाजपा नेता निशिकांत दुबे की टिप्पणी न सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि लोकतंत्र के मूल स्तंभ पर सीधा प्रभार भी है। यह बयान न केवल न्यायपालिका का अपमान है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं को डराने- धमकाने वाला भी है। यह बयान न्यायालय की स्वतंत्रता को छीनने वाला है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित प्रदीप यादव व अन्य नेता ● फोटोन न्यूज

यह बयान देश में वैमनस्यता व विद्वेष फैलाने वाला

उन्होंने कहा कि यह भाजपा की रणनीति का हिस्सा है। निशिकांत दुबे का यह बयान देश में वैमनस्यता, विद्वेष फैलाने वाला और देश को अराजकता की ओर धकेलने वाला है। इतने बड़े नेता के बयान से भाजपा अपना पल्ला झाड़ रही है। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे के द्वारा सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर उंगली उठाना, उनके बड़बोलेपन और अल्पज्ञान का परिचायक है। संविधान की धारा 13 धारा 25 सहित कई धाराएं उच्चतम न्यायालय को शक्ति देती है कि संविधान की मूल भावना के विपरीत कोई कानून बनेगा, तो वह उसकी समीक्षा कर सकती है।

ओडिशा, छत्तीसगढ़ जाने वाली 9 ट्रेनें रद्द, कई ट्रेनों के समय बदले

PHOTON NEWS RANCHI : ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और बेंगलुरू जाने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली है। भारतीय रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है, तो कुछ ट्रेनों के समय बदल दिये गये हैं। 2 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल की ओर से यह जानकारी दी गयी है। बताया गया है कि चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्यों के लिए ब्लॉक लिया जायेगा। इसकी वजह से कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

इन ट्रेनों को कर दिया गया है रद्द

ट्रेन संख्या 58659 हटिया-राउरकेला पैसेंजर ट्रेन 20/04/2025 से 26/04/2025 तक रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 58660 राउरकेला-हटिया पैसेंजर ट्रेन 21/04/2025 से 27/04/2025 तक रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 18452 पुरी-हटिया तपस्विनी एक्सप्रेस ट्रेन 20/04/2025 से 22/04/2025, 24/04/2025 और 25/04/2025 को रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 18451 हटिया-पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस ट्रेन 21/04/2025 से 23/04/2025, 25/04/2025 एवं 26/04/2025 को रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 18175/18176 हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया मेमू एक्सप्रेस ट्रेन 21/04/2025 से 26/04/2025 तक रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 08185 हटिया-दुर्ग स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 24/04/2025 को रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 08186 दुर्ग-हटिया स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 25/04/2025 को रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 02832 भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन 24/04/2025 से 26/04/2025 तक रद्द रहेगी।

ट्रेन संख्या 02831 धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन 25/04/2025 से 27/04/2025 तक रद्द रहेगी।

समाचार सार

झामुमो नेता के निधन पर शिक्षा मंत्री प्रतिनिधि पहुंचे आवास

GHATSILA : झामुमो के वरिष्ठ नेता बापाई दास का निधन उनके पैतृक आवास बड़ाधदिका गांव में रविवार को हो गया। सूचना मिलते ही शिक्षा मंत्री

प्रतिनिधि जगदीश भकत के साथ झामुमो के कई नेता उनके पैतृक आवास पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मिलकर शोक प्रकट किया। मंत्री प्रतिनिधि ने कहा बापाई दास ने अपनी राजनीतिक शुरूआत आजसू पार्टी से की थी। वह एक दशक से झारखंड मुक्ति मोर्चा जुड़े थे। वे लम्बे समय से बीमार चल रहें थे। वहीं जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू एवं मुखिया माही हांसदा समेत अनेक लोगों ने आवास पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया। पैतृक गांव में ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

वन स्टॉप सेंटर को लेकर वर्किंग कमेटी की बैठक

JAMSHEDPUR : हिंसा व उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के लिए बने वन स्टॉप सेंटर को बेहतर तरीके से सक्रिय करने के लिए 'युवा' एनजीओ के नेतृत्व में विभिन्न संगठन मिल जुलकर प्रयास कर रहे हैं और सरकार का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। डब्ल्यूजीसी साझा कार्यक्रम के तहत 'युवा' संस्था की सचिव वणार्ली चक्रवर्ती के नेतृत्व में वन स्टॉप सेंटर को लेकर स्टेट वर्किंग कमिटी की बैठक रांची में संपन्न हुई।

जेल अदालत में एक मामले का निष्पादन

CHAIBASA : रांची की झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में चाईबासा के जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में स्थानीय मंडल कारा में जेल अदालत का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस जेल अदालत मे न्यायिक दंडाधिकारी अंकित कुमार सिंह की बेंच में एक मामले का निष्पादन किया गया। इस दौरान बंदियों के बीच स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर भी लगाया गया।

रेललाइन निर्माण के विरोध में बंद रहे बाजार

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में बंडामुंडा थाना क्षेत्र के बरकानी गांव में रेलवे लाईन निर्माण के दौरान जेसीबी के चपेट में आने से ग्रामीण की मौत के बाद चल रहा प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। रविवार की शाम करीब साढ़े चार बजे राउरकेला एडीएम आशुतोष कुलकर्णी के हस्तक्षेप के बाद एक पल के लिए ऐसा लगा कि ग्रामीणों का प्रदर्शन खत्म हो जाएगा। एडीएम ने फोन से संबलपुर आरडीसी के साथ राजगंगपुर विधायक राजन एक्का एवं बीरमित्रपुर विधायक रोहित जोसेफ तिर्की की वीडियो कॉल कराई। विधायकों को भरोसा दिलाया गया कि डेढ़ महीने के अंदर खाली जमीन उन्हें वापस दे दी जाएगी। साथ ही रेललाइन का काम भी रोक दिया जाएगा। मगर, अधिकारियों ने यह आश्वासन लिखित में देने से इंकार कर दिया।

टीचिंग असिस्टेंट क रूप में पढ़ाएंगे केयू के पीजी टॉपर

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) ने अपने स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत पीजी टॉपर छात्रों को विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में पढ़ाने का अवसर दिया जाएगा, जिसके लिए उन्हें प्रति माह 15,000 रुपये का मानदेय प्रदान किया जाएगा। ये सभी छात्र सत्र 2022-24 के हैं। इस कदम का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना और मेधावी छात्रों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह योजना विशेष रूप से उन टॉपर छात्रों के लिए है, जिन्होंने स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने विषय में टॉप किया है। इन छात्रों को विश्वविद्यालय के अधीनस्थ कॉलेजों में टीचिंग असिस्टेंट के रूप में नियुक्त किया गया है।

उमेशा साव ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

CHAIBASA : आठ राउंड की समाप्ति के बाद 57 वर्षीय उमेश साव सात अंक बनाकर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया । वहीं सात अंक

बनाकर कमल किशोर देवनाथ द्वितीय स्थान पर, 6,5 अंक बनाकर मनीष शर्मा तृतीय स्थान पर, 6 अंक बनाकर राजेश कुमार चतुर्थ स्थान पर रहे। यह चार खिलाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व आगामी सीनियर राज्य शतरंज प्रतियोगिता में करेंगे। इनके अलावा 6 अंक बनाकर शत्रुघ्न सिंह, नरेंद्र नाथ पांडे, तनिश कुमार, कुश मुंदड़ा, आदित्य शाह, एवं ललित किशोर बांद्रा छठी से दसवें स्थान पर रहे।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक युवक की मौत

चालक ट्रैक्टर छोड़ कर फरार, पुलिस ने किया जब्त

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा बड़ी बाजार डाउन में रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच 75 ई पर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ने एक युवक को कुचल दिया। इस सड़क हादसे में चाईबासा बड़ी बाजार मस्जिद मोहल्ले बरकांदाज टोली निवासी मोहम्मद निजामुद्दीन की घटना स्थल पर मौत हो गई। मोहम्मद निजामुद्दीन घर से निकल कर कुछ लाने जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। इधर घटना के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पाते ही चाईबासा पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ट्रैक्टर को भी जब्त कर थाना ले गई है। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर घटना का विरोध जताया

थाने में खड़ा जब्त ट्रैक्टर

खनन विभाग व पुलिस की मिलीभगत से बालू की तस्करी

चाईबासा में खुलेआम बालू की तस्करी की जा रही है। जबकि कोई भी नदी घाट का टेंडर नहीं हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि चाईबासा में खनन विभाग और पुलिस की मिली भगत से बालू की तस्करी हो रही है। रोजना खुलेआम ट्रैक्टर और हाईवा से बालू की तस्करी दिनदहाड़े हो रही है।

है। मृतक के परिवार में मातम छा गया है। परिवार के सदस्यों को रो-रो का बुरा हाल हो गया। कुछ दिन पहले भी बड़ी बाजार में एक तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

पोखारी डैम में मछली पकड़ने के दौरान युवक की डूबकर मौत

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। पोखारी डैम में मछली पकड़ने गए देवघर गांव निवासी 22 वर्षीय बहादुर सिंह की डूबने से मौत हो गई। वह शनिवार को अपने दस दोस्तों के साथ मछली पकड़ने गया था। जाल बिछाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया है। बहादुर के साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई राजू सिंह ने बताया कि बहादुर चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और मजदूरी करता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की गई जान, दो लोग हुए घायल

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के ग्रामीण क्षेत्र धालभूमगढ़ थाना अंतर्गत एनएच-18 पर बने रेलवे ओवरब्रिज के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही जान चली गई, जबकि उसके भाई सहित दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान गौरव मुर्मू (24) के रूप में हुई है, जो चंदनपुर पंचायत के पिताझुड़ी गांव का रहने वाला था। हादसे में उसका भाई रंजित मुर्मू और उनका साथी सुरेन भी घायल हुए हैं। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर देवशोल गांव में गौरव के बहनोई के घर जा रहे थे कि तभी किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार

मृतक की फाइल फोटो

हो गया, जबकि तीनों युवक सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़े रहे। राहगीरों ने तत्काल एम्बुलेंस की मदद से उन्हें घाटशिला अस्पताल पहुँचाया, लेकिन गौरव की हालत गंभीर होने के कारण उसे एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया। अफसोस की बात यह रही कि रास्ते में ही गौरव ने दम तोड़ दिया। गौरव एक ठेका मजदूर था, शादीशुदा था और उसके एक छोटा बच्चा भी है।

सरायकेला में ऑटो की टक्कर से तीन घायल

SERAIKELA : सरायकेला-चाईबासा मार्ग पर रविवार को एक बड़ा हादसा हुआ। छोटा टांगरानी के पास एक अनियंत्रित ऑटो ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी और पलट गया। इस घटना में ऑटो चालक बाबूलाल हेंब्रम (30) और उसकी पत्नी अनीता हेंब्रम (28) के अलावा पैदल जा रहे युवक मनोज कुंभकार (45) घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को सरायकेला सदर अस्पताल लाया गया। जहां ऑटो चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। अन्य दो घायलों का इलाज सरायकेला सदर अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि ऑटो चालक बाबूलाल हेंब्रम महादेवपुर सीनी का निवासी है और अपनी पत्नी के साथ चाईबासा गया था। मनोज कुंभकार छोटा टांगरानी का रहने वाला है और अपनी दुकान पर जा रहा था। तभी चाईबासा की ओर से आ रहे ऑटो ने उसे टक्कर मार दी। ऑटो चालक बाबूलाल हेंब्रम के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं उसकी पत्नी अनीता हेंब्रम और मनोज कुंभकार को हल्की चोटें आई हैं।
गौरतलब है कि जिस जगह यह घटना हुई है, वहां शनिवार को भी एक दुर्घटना हुई थी जिसमें उसी गांव के एक युवक की मौत हो गई थी।

ननकू हत्याकांड में तीन पर केस

पुलिस निकलवा रही मृतक के मोबाइल का कॉल डिटेल

PHOTON NEWS JSR : ननकू हत्याकांड में उलीडीह पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। इस मामले में ननकू लाल के पिता गुन्नू लाल के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में मोहल्ले के ही तीन युवकों को नामजद आरोपी बनाया गया है। इनमें लल्ला उर्फ कृष्णा, धुरी और लापक उर्फ दीपक शामिल हैं। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस इन तीनों की तलाश में जुट गई है। घटना के बाद से ही तीनों अपने घरों से फरार बताए जा रहे हैं।
गौरतलब है कि उलीडीह थाना क्षेत्र के खड़िया बस्ती निवासी 27 वर्षीय ननकूलाल की शुक्रवार की देर रात गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। ननकूलाल का शव तिर्की गार्डन के पीछे खेत में पड़ा मिला

ननकू की फाइल फोटो

था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कहना है कि जिन तीन युवकों के नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है, उन्हीं लोगों ने ननकू लाल की जान ली है। क्योंकि, इनसे ननकूलाल का पुराना विवाद चल रहा था। परिजनों की मानें तो ननकू लाल के साथ इन लोगों ने पहले भी मारपीट की थी।

एक को हिरासत में ले पूछताछ कर रही पुलिस

पुलिस ननकूलाल हत्याकांड की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। यही नहीं, इलाके में मुखबिरों का जाल फैला दिया गया है। घटनास्थल से ननकूलाल का मोबाइल भी बरामद हुआ है। पुलिस मोबाइल के काल डिटेल निकलवा रही है। आरोपियों का लोकेशन देखा जा रहा है कि वह घटना वाली रात कहां थे। अब आरोपी भी चालाक हो गए हैं। वह समझ गए हैं कि घटना के बाद पुलिस उनके मोबाइल का लोकेशन निकलवाती है। ऐसे में हो सकता है कि आरोपी घटनास्थल पर अपना मोबाइल ही नहीं ले कर गए हों। उनका मोबाइल कहीं और रहा हो। इसलिए, पुलिस इस मामले की पूरी तरक जांच पड़ताल में लगी है ताकि इस हत्याकांड के असली हत्यारों तक पहुंचा जा सके।

संविदा पर नवनियुक्त 201 कर्मियों को स्वास्थ्य मंत्री देंगे नियुक्ति पत्र

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न पदों पर संविदा आधारित नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थियों को सोमवार को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। सिविल सर्जन ने बताया कि कुल 201 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इनकी एएनएम आरसीएच, स्टाफ नर्स आरसीएच, जीएनएम सीएचसी एनसीडी क्लिनिक, फार्मासिस्ट आरबीएसके, सोशल वर्कर आरबीएसके, ऑप्थालमी असिसस्टेंट, न्युट्रिशनल काउंसलर एमटीसी के पदों पर नियुक्ति हो रही है। यह कार्यक्रम सिदगोड़ा टाउन हॉल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी शामिल होंगे। सिविल सर्जन कार्यालय ने कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली है।

परसुडीह में 11 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सरजामदा गुरुद्वारा रोड निवासी 11 वर्षीय किशोर प्रेम मुंडा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर आसपास के लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रेम मुंडा सरकारी स्कूल में कक्षा 4 का छात्र था। घटना की जानकारी मिलते ही उसकी मां लक्ष्मी मुंडा और अन्य परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां बच्चे को मृत देखकर कोहराम मच गया। पुलिस ने रविवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। प्रेम के पिता का कुछ साल पहले निधन हो चुका है। उसकी मां लक्ष्मी मुंडा टाटा मोटर्स में ठेका मजदूरी कर अपने

बच्चों का पालन-पोषण करती है। रविवार को जब यह घटना हुई, तब लक्ष्मी मुंडा काम पर गई हुई थीं और प्रेम अपनी बहन के साथ घर पर था। पड़ोसियों ने बताया कि प्रेम और उसकी बहन के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद प्रेम अपने कमरे में गया और दरवाजा बंद कर दुपट्टे से फांसी लगा ली। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

चाईबासा में ईसाइयों ने मनाया ईस्टर का पर्व

कब्रिस्तान में सामूहिक प्रार्थना करता मसीही समुदाय ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में रविवार को प्रभु यीशु मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में ईस्टर संडे का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर चाईबासा , जगन्नाथपुर और चक्रधरपुर अनुमंडल में स्थित गिरजाघरों में संध्या, मध्य रात्रि एव भोर को कब्रगाहों में सामूहिक प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। रोमन कैथोलिक ईसाइयों ने संत जेवियर्स स्कूल मैदान में पास्का जागरण आयोजित किया। देर रात शुरू हुई जागरण आराधना में अंधेरे में प्रार्थना की गई। प्रार्थना के दौरान बाइबल का पांच पाठ पढ़ा गया। प्रार्थना के दौरान पल्ली के कोयर दल रोबिन बलमुचू,आलोक मिंज, संजीव कुमार बलमुचु, अमातुस तोपनो, सुनीता हेम्ब्रम, रोयलेन तोपनो, अमातुस तोपनो की अगुवाई में ईसा के पुनरुत्थान से संबंधित गीत गाया गया। आराधना प्रार्थना में पल्ली पुरोहित निकोलस केरकेट्टा और फादर रंजीत ने सहयोग किया। ब्रदर अनिल आराधना प्रार्थना के धर्म विधियों उदघोषणा कर रहे थे।अंत में,जल को आशीष कर पवित्र किया गया और विश्वासियों के बीच वितरित किया गया।

संविधान की मूल भावना की रक्षा करना सुप्रीम कोर्ट का दायित्व : त्रिशानु राय

CHAIBASA : कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ अमर्यादित बयानबाजी करनेवाले संवैधानिक पद पर बैठे संघी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व भाजपा के बड़बोले सांसद निशिकांत दुबे व दिनेश शर्मा पर रविवार को तीखी प्रतिक्रिया दी।
उन्होंने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। संविधान की मूल भावना की रक्षा करना सुप्रीम कोर्ट का दायित्व है। उन्होंने कहा है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट के जजों को राज्यपाल व राष्ट्रपति की कार्य प्रणाली को परिभाषित करने का अधिकार प्राप्त है?। पूर्व में कई मसले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर इतराने व विपक्ष को आईना दिखलाने वाली भाजपा आज सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों पर हाय तौबा क्यों मचा रही है?

हमारी भाषा, लिपि व संस्कार ही हमें आदिवासी बनाए रखता है : बाबा बैजू

PHOTON NEWS GHATSILA : माझी परगना महाल बाखूल पावड़ा घाटशिला में माझी परगना महाल पावड़ा तोरोप कोयें नाखा का एक दिवसीय समाजिक सम्मेलन रविवार को देश परगना बाबा बैजू मुर्मू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सम्मेलन में 55 गांव के माझी बाबा सहित पारानिक, गोडेत, जोगमाझी व समाज के महिला पुरुष पारंपरिक परिधान में शामिल हुए। देश परगना बाबा ने कहा कि वर्तमान में आदिवासी संथाल समाज स्वशासन व्यवस्था का संचालन करते हुए सर्वांगीण विकास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार पर काम कर रही है। साथ ही जल जंगल जमीन को बचाते हुए संवैधानिक अधिकार का प्रचार प्रसार करती है। समाज के माझी बाबा अपने-अपने गांव की समस्याओं का समाधान करने के

माझी परगना महाल बाखूल पावड़ा में मंचस्थ अतिथि ● फोटोन न्यूज

लिए स्वतंत्र हैं। अगर कोई ज्वलंत समस्या या विवाद उत्पन्न होता है तो सामाजिक व्यवस्था के तहत विचार व्यवस्था में स्थापित नियमावली का अनुपालन करते हुए उच्च स्तर पर अग्रसारित करें ताकि समाज के लोगों को न्याय मिले। समाज के लोग अपनी संस्कृति व पहचान बचाने के लिए और परंपराओं को सुरक्षित करने के लिए रुढ़ी प्रथा के तहत नियमावली का अनुपालन करें। प्रत्येक व्यक्तियों को ओलचिकी लिपि सीखनी होगी। हमारी भाषा, हमारी लिपि और हमारा संस्कार ही हमें आदिवासी बनाए रखता है। माझी पारगना महाल के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिलकर संथाली भाषा को ओलचिकी लिपि से पढ़ाई-लिखाई शुरू करने के लिए मांग रखेंगे। सम्मेलन में कई सामाजिक प्रस्ताव पारित किए गए एवं पारित प्रस्ताव पर अमल करने के लिए कमेटी बनाई गई। आगामी समीक्षा बैठक मे कमेटी का विस्तार किया जाएगा।

स्ट्रीमयार्ड और फेसबुक लाइव पर हुआ आयोजन, फिल्म जगत की दो अहम हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

ऋत्विक घटक को समर्पित रही सृजन संवाद की 149वीं संगोष्ठी

PHOTON NEWS JSR : सृजन और संस्कृति को समर्पित संस्था 'सृजन संवाद' ने अपनी 149वीं संगोष्ठी को सुप्रसिद्ध सिने-निर्देशक और विचारक ऋत्विक घटक की स्मृति को समर्पित किया। यह विशेष संगोष्ठी 18 अप्रैल 2025 को शुक्रवार सुबह 11 बजे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्ट्रीमयार्ड और फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यक्रम में दो विशिष्ट सिने-हस्तियों- मुंबई से लेखक-अभिनेता अमोल गुप्ते और भोपाल से स्वतंत्र फिल्मकार सुदीप सोहनी ने बतौर मुख्य वक्ता हिस्सा लिया। यह आयोजन करीम सिटी कॉलेज (जमशेदपुर) के मास कम्युनिकेशन विभाग, न्यू दिल्ली फिल्म फाउंडेशन एवं 'सिनेकारी' के सहयोग से संपन्न हुआ। संचालन का दायित्व दिल्ली से आशीष कुमार सिंह ने निभाया और स्वागत भाषण डॉ. विजय शर्मा ने दिया।

सृजन संवाद कार्यक्रम में शामिल साहित्यकार ● फोटोन न्यूज

संवेदनशीलता व सामाजिक सरोकार बिना सिनेमा अधूरा

'सृजन संवाद' की यह 149वीं संगोष्ठी न केवल एक श्रद्धांजलि थी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश भी देती है कि कलात्मकता, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार के बिना सिनेमा अधूरा है। ऋत्विक घटक जैसे निर्देशक की स्मृति और दृष्टिकोण को पुनर्स्मरण करना, आज के दौर में एक सांस्कृतिक जिम्मेदारी है और सृजन संवाद ने यह कार्य अत्यंत गंभीरता और गरिमा के साथ निभाया।

सिनेमा, साहित्य और विचारधारा का साझा मंच

प्रतिष्ठित प्रतिभागियों की उपस्थिति से समृद्ध हुआ कार्यक्रम कार्यक्रम के समापन पर आशीष कुमार सिंह ने संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि सृजन संवाद की 150वीं संगोष्ठी को और भी विशेष रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार की संगोष्ठी में डॉ. मीनू रावत (जमशेदपुर), डॉ. मंजुला मुरारी (लखनऊ), पत्रकार अनघा मारीषा (बेंगलुरु), अमरेंदर कुमार शर्मा (वर्धा) सहित कई अन्य गणमान्य श्रोता जुड़े, जिनकी टिप्पणियों ने संवाद को और भी अर्थपूर्ण बनाया।

घटक की परंपरा का विस्तार : सुदीप सोहनी की दृष्टि

स्वतंत्र फिल्मकार के रूप में घटक की प्रेरणा : सुदीप सोहनी, जो 2013-14 में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII, Pune) से जुड़े रहे, उन्होंने बताया कि वे भले ही घटक के प्रत्यक्ष शिष्य नहीं रहे, परंतु घटक के शिष्य कुमार साहनी से उन्हें मिलने और संवाद का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि घटक के प्रभाव में कुमार साहनी, मणि कौल जैसे फिल्मकारों ने जिस प्रकार के कलात्मक सिनेमा को जन्म दिया, वह अगली पीढ़ी के फिल्मकारों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया। सुदीप सोहनी की चर्चित डॉक्यूमेंट्री फिल्में 'यादों में गणगौर' और 'तनिष्का' देश-विदेश के प्रमुख फिल्म समारोहों में प्रशंसा प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने घटक की फिल्म 'मेघे ढाका तारा' की नायिका 'तारा' को अमर किरदार बताते हुए कहा, 'हर फिल्मकार चाहता है कि उसकी किसी रचना में 'तारा' जैसा किरदार हो जो युगों-युगों तक जीवित रहे।

सिनेमा का संवेदनशील अध्याय

अमोल गुप्ते ने बताया ऋत्विक घटक को अपना सिनेमाई गुरु कार्यक्रम के दौरान अमोल गुप्ते ने ऋत्विक घटक के साथ अपने मानसिक और कलात्मक जुड़ाव को अत्यंत भावुक स्वर में साझा किया। उन्होंने बताया कि वे 19 वर्ष की उम्र में पुणे फिल्म संस्थान (FTII) में दाखिल हुए थे और 13 वर्षों तक वहां अध्ययनरत रहे। इस दौरान उन्होंने घटक की सभी फिल्में न सिर्फ देखीं बल्कि उनकी भावनात्मक गहराई और कलात्मक बारीकियों को आत्मसात किया। गुप्ते ने बताया कि ऋत्विक घटक के निर्देशन में बनी फिल्में जैसे 'मेघे ढाका तारा', 'स्वर्णरेखा' और उनके निर्देशन में बनी डिप्लोमा फिल्में 'रोंदेव्यू', 'फीयर' जैसी कृतियां, आज भी उनके सिने-संस्कार का आधार हैं। उन्होंने घटक को अपना गुरु और स्वयं को उनका एकलव्य शिष्य मानते हुए कहा कि यदि आज वे संवेदनशील सिनेमा बना पा रहे हैं, तो उसका श्रेय ऋत्विक घटक की प्रेरणा को है।

कांग्रेस पार्टी ने की संगठन सृजन वर्ष को लेकर बैठक

घाटशिला में बैठक की अध्यक्षता करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे

GHATSILA : कांग्रेस पार्टी ने संगठन सृजन वर्ष के तहत रविवार को घाटशिला के फूलडूंगरी पहाड़ पर कार्यकताओं की बैठक आयोजित की। बैठक में संगठन को मजबूती देने पर तथा कार्यकताओं की समस्या पर चर्चा की गई। इस मौके पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे कहा कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। इसी कारण से फूलडुंगरी पहाड़ पर बैठक की गई है। उन्होंने कहा कि अब पार्टी के पदाधिकारियों को एक मंच पर आना होगा। किसी भी कार्यकर्ता को कोई भी शिकायत है तो आपस में बैठकर सुलझाया जा सकता है। तभी संगठन मजबूत होगा। मौके पर जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि आज की बैठक चुनिंदा लोगों की बैठक थी, जिसमें मूल कार्यसमिति के साथ वरिष्ठ नेताओं और प्रभारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में संगठन को पंचायत और मंडल स्तर तक मजबूत करने को लेकर ठोस समीक्षा की गई। प्रखंड और पंचायत स्तर पर प्रभारी नियुक्त किए जा रहे हैं, ताकि संगठन की जड़ें और मजबूत हों।

BRIEF NEWS

साढ़े 8 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

NAVADA : नवादा जिले के राजौली में बिहार-झारखंड अंतरराज्यीय सीमा पर समेकित जांच चौकी पर रविवार को पप्पू ट्रेवल बस से 8.495 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि झारखंड की ओर से आ रहे पप्पू ट्रैवल्स बस को जांच की गई। जांच के दौरान 8.495 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नवादा जिला के नरहट थाना क्षेत्र के कृष्ण यादव के पुत्र गांगुली कुमार के रूप में किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गांजा रांची से खरीद कर चला था। सिंटू कुमार को गांजा देना था।

पीएचईडी मंत्री ने वक्फ बोर्ड के संशोधन बिल पर पीएम का जताया आभार

ARARIA : बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री नीरज कुमार बबलू ने वक्फ बोर्ड के जमीन को चंद लोगों के लिए लूट का अड्डा बनाकर रखने की बात कही।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लाकर और उसे दोनों सदनों से पारित कराकर प्रधानमंत्री ने गरीब मुसलमानों के साथ न्याय करने की बात कही। बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार बबलू रविवार दोपहर अररिया सर्किट हाउस पहुंचे थे,जहां उनके पहुंचने पर एनडीए के कार्यकताओं ने उनका स्वागत बुके और फूलमालाओं के साथ किया।भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा के नेतृत्व में संतोष सुराना,रमेश सिंह,सुधीर सिंह,अविनाश कुमार सिंह,संजय अकेला आदि ने मंत्री को बुके प्रदान कर स्वागत किया।

मूंग की फसल से बढ़ेगी किसानों की आय : डॉ. राजीव सिंह

KATIHAR : अप्रैल - कृषि विज्ञान केन्द्र कटिहार में रविवार को टीएसपी अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण अंतर्गत मूंग की वैज्ञानिक खेती विषय पर जनजातीय किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. राजीव सिंह ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि मूंग की फसल उगाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और अगली फसल को अतिरिक्त नाइट्रोजन की आवश्यकता कम होती है। उन्होंने कहा कि मूंग की उन्नत प्रभेद शिखा जनजातीय किसानों को अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण अंतर्गत उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी औसत उपज 11 से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 65 से 70 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है।

सिर्फ कुर्सी के लिए है मोदी-नीतीश की जोड़ी : मल्लिकार्जुन खड़गे

AGENCY PATNA : रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बिहार में एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान वे बक्सर पहुंचे, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जुबानी हमला बोलते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मोदी समझते हैं कि बिहार वालों को ज्ञान की कमी है। आप अपना ज्ञान गुजरात में दो, बिहार के लोग ज्ञान को समझते हैं। वसूलों पर चलते हैं। जबकि सारे ज्ञानी लोग बिहार की भूमि से आते हैं। मोदी-नीतीश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए है। बिहार के विकास के लिए नहीं है। एक बार हमारी गोद में आते हैं, फिर लगा कि बीजेपी आने वाली है तो सीएम नीतीश इधर से उधर चले जाते हैं। ये देश के लिए सही नहीं है।

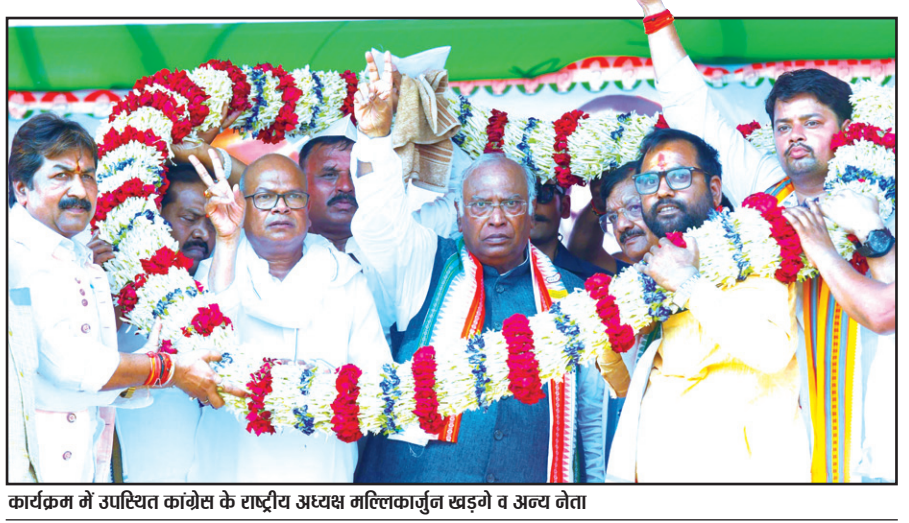

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व अन्य नेता

जबरन बनाया गया वक्फ कानून

वक्फ कानून को लेकर भी बोलते हुए खड़गे ने कहा, मोदी जी ने जबरन वक्फ कानून बनाया। जहां सालों से झगड़ा नहीं था, अब वहां झगड़ा करना चाहते हैं। आरएसएस-बीजेपी गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं के लिए दोस्त हो नहीं सकते। मनु स्मृति में लिखा है कि महिलाओं को शिक्षित नहीं करना चाहिए। पवित्र काम में शामिल नहीं करना चाहिए, जबकि बाबा साहेब ने इन्हें सम्मान दिया।

नेशनल हेराल्ड का पैसा कोई हड़प नहीं सकता

खड़गे ने आगे कहा, नेशनल हेराल्ड समेत तीन पेपर पंडित नेहरू ने भारतीयों की आवाज अंग्रेजों तक पहुंचाने के लिए निकाला था। उसके आज के चेयरमैन पर केस किया गया है। उस कंपनी की प्रॉपर्टी कोई बेच नहीं सकती है। क्या सोनिया, राहुल या प्रियंका गांधी उसे बेचेंगे। लेकिन, आप केस कर रहे हैं। उसका पैसा कोई हड़प नहीं सकता, लेकिन मोदी-शाह सोनिया गांधी को डराकर राहुल और प्रियंका जी को डराने की कोशिश कर रहे हैं। ये लोग किसी से डरने वाले नहीं हैं।

कांग्रेस रुकने और झुकने वाली नहीं

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं। इसलिए राहुल-सोनिया जी, वाड्रा पर केस किया। नेशनल हेराल्ड केस के जरिए कांग्रेस को खत्म करने की साजिश बीजेपी ने रची है। वो सोचते हैं नेशनल हेराल्ड केस में परेशान करेंगे तो वो चुप बैठेंगे और पार्टी का मनोबल टूटेगा। ये लोग ईडी और दूसरी जांच एजेंसी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, कांग्रेस रुकने और झुकने वाला नहीं है।

एनआरआई के घर में हुई लाखों की चोरी के मामले का हुआ खुलासा

पुलिस ने बरामद किए 20.70 लाख रुपये के चोरी के गहने व मूर्तियां

AGENCY NAVADA : नवादा में पुलिस ने रविवार को एनआरआई के घर हुई लाखों की चोरी के मामले का उद्भेदन करते हुए माल बरामद कर लिया है।
नवादा में एसपी अभिनव धीमान के आदेश पर नवादा नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और मानवीय इंटेलिजेंस की मदद से बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने शहर के रामनगर गोनावां में एक एनआरआई संजीत सिंह के बंद घर से चोरी गए लाखों के गहने और मूर्तियां बरामद की हैं।
पुलिस ने लाइन पार मिजार्पुर इलाके में स्व. तपेश्वर प्रसाद के बेटे नीरज कुमार के घर पर छापेमारी की। यहां से चांदी की थाली, कटोरी, ग्लास, प्लेट, चम्मच और सिंदूर का डिब्बा बरामद किया गया। इसके अलावा तीन अंगूठियां, बजरंगबली और गणपति की धातु की मूर्तियां भी मिलीं। दो आभूषण विक्रेताओं को गिरफ्तार किया गया है। मां गायत्री ज्वेलर्स के संचालक राजू कुमार पांडेय और गढ़ पर के शुभम वर्मा को हिरासत में लिया गया है। शुभम पर चोरी के गहने खरीदकर गलाने का और राजू पर गहने खरीदने का आरोप है। पुलिस के अनुसार शुभम वर्मा के घर से की गई छापेमारी में एक सोने का गले का सेट और करीब एक किलोग्राम चांदी बरामद की गई थी।
राजू को उसकी दुकान से और शुभम को बिहार बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया। यह मामला जनवरी और फरवरी में नगर थाना क्षेत्र में हुई आठ बंद घरों में चोरी से जुड़ा है। चोरी का मुख्य आरोपी नीरज कुमार अभी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एनआरआई के घर से हुई चोरी का मामला सुलझा लिया है।

अभी जारी है मामले की जांच

सदर एसडीपीओ हुलास कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों की स्वीकारोक्ति के बाद विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। एक आरोपी के घर से एनआरआई के घर से चोरी किए गए गहने और अन्य सामान बरामद हुए। मामले की जांच अभी जारी है।

जेल से रिमांड पर लाए गए बंदी ने खोले राज

इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने जेल में बंद दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 19 लाख रुपये की ज्वेलरी और 1.70 लाख रुपये नगद बरामद किए। पुलिस ने जेल में बंद राहुल कुमार और नवनीत कुमार उर्फ गोल्डन को 19 अप्रैल को 24 घंटे के लिए कोर्ट से रिमांड पर लिया। राहुल कुमार नगर थाना क्षेत्र के न्यू एरिया पातालपुरी का रहने वाला है। वह लखिन्द्र सहनी का बेटा है। नवनीत कुमार पकरीबरावां थाना क्षेत्र के डीहा गांव निवासी रंजीत कुमार का बेटा है। इससे पहले 16 मार्च को पुलिस ने इन दोनों को उनके दो अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया था। अन्य आरोपियों में मिजार्पुर निवासी अजय सिंह का बेटा राहुल कुमार और प्रसाद बिगहा के चुन्नू विश्वकर्मा का बेटा करण विश्वकर्मा शामिल हैं।

मोतिहारी में 6 साइबर फ्रॉड गिरफ्तार, पाकिस्तान व नेपाल से कनेक्शन आया सामने

करोड़ो के लेन-देन के मिले सबूत

AGENCY EAST CHAMPARAN : जिला साइबर थाना की पुलिस की टीम ने पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पूर्वी चंपारण जिला के पहाड़पुर स्थित सिसवा बाजार से साइबर फ्रॉड करने वाले एक बड़े गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।बताया गया है,कि इस गिरोह का नेटवर्क नेपाल से लेकर पाकिस्तान तक फैला है,जिसका बड़ा सबूत भी पुलिस को मिला है। पुलिस टीम इस गिरोह के सभी लिंकेज को खंगालने में जुटी है।पुलिस ने इन अपराधियों के पास से 10 स्मार्ट फोन, एक की-पैड फोन, 8 एटीएम कार्ड, 19 सिमकार्ड, विभिन्न बैंकों के 15 पासबुक व 66 हजार चार सौ रुपये नगद बरामद किया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि बदमाशों के पास से बरामद सिमकार्ड व पासबुक को लेकर देश के कई राज्यों में शिकायत दर्ज है। पकड़े गये अपराधियो की पहचान पहाड़पुर के सिसवा बाजार निवासी अभिमन्यु कुमार उर्फ लालू, इमामुद्दीन अंसारी, क्यामू अंसारी, सहजाद आलम, सरवर सुलतान व मनोवर आलम के रूप में हुई है,जिसने पूछताछ के दौरान नेपाल और पाकिस्तान से कनेक्शन होने का खुलासा किया है।इसके साथ ही इनलोगो ने विदेश में बैठे साइबर फ्रॉड के एक मास्टर माइंड मोहम्मद इब्राहिम के नाम का भी खुलासा किया है।
एसपी ने बताया कि अपराधियो के पास से मिले पासबुक से अब तक करोड़ों के फ्रॉड किये जाने का सबूत मिला है।इन पैसो से यह गिरोह क्रिप्टो कैरेंसी खरीद कर यूएस डॉलर में तब्दील करते थे। जिसके लिए यह गिरोह बिमेन एप से यूएसडीटी में बदलकर क्राप्ट ट्रेडिंग कर रहे थे। फिलहाल पुलिस इस अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गिरोह से आवश्यक पूछताछ कर रही है।

प्रधानमंत्री की आगामी जनसभा को लेकर पीएचईडी मंत्री ने की बैठक

AGENCY ARARIA : भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 24 अप्रैल को मधुबनी जिला के विदेश्वर स्थान के समीप होने वाले जनसभा में अररिया जिला के कार्यकताओं की ज्यादा संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करवाने के उद्देश्य से बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के उपाध्यक्ष नूतन सिंह अररिया सर्किट हाउस में एनडीए कार्यकताओं के साथ बैठक किया। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी अररिया जिला के अध्यक्ष आदित्य नारायण झा पूर्व के जिला अध्यक्ष संतोष सुराणा आलोक कुमार भगत जिला के महामंत्री कृष्ण कुमार सेनानी आकाश राज जिला के मंत्री कनकलता झा सोशल मीडिया के जिला संयोजक सुजीत राज जिला के सह कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह हरेंद्र सिंह हरिपुर मंडल के अध्यक्ष विक्रम पासवान जदयू के प्रदेश महासचिव रमेश सिंह रोशन कुमार झा के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सारण में सुरेश सिंह हत्याकांड के आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर विरोध प्रदर्शन

AGENCY SARAN : सारण जिले के सतजोड़ा बाजार में ग्रामीणों ने सड़क जाम की। इसकी सूचना पर वाइपीएल संयोजक युवराज सुधीर सिंह सतजोड़ा बाजार पहुंचे। वहां ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पुलिस की लापरवाही के कारण सुरेश सिंह की जान चली गयी। ग्रामीणों का कहना था कि अगर समय रहते पुलिस ने कार्रवाई की होती, तो सुरेश सिंह की जान बचायी जा सकती थी। इस बीच, डीएसपी मशरक अमरनाथ, मशरक इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह और पानापुर तथा तरैया थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां उन्हें आक्रोशित ग्रामीणों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों के सामने स्थानीय थानाध्यक्ष पर जातिवाद जैसे गंभीर आरोप लगाये। युवराज सुधीर सिंह ने पुलिस प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया कि अगर हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो पानापुर थाने पर प्रदर्शन किया जायेगा। पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिये जाने के बाद लगभग पांच घंटे बाद जाम समाप्त हुआ।

चार अप्रैल को किसी का फोन आने पर घर से गायब हो गए थे सुरेश सिंह

गौरतलब है कि सुरेश सिंह के अपहरण और हत्या के मामले में स्थानीय पुलिस प्रशासन की भूमिका शुरू से ही संदिग्ध रही है। चार अप्रैल को सुरेश सिंह किसी के फोन आने पर घर से गायब हो गए थे। परिजनों ने छह अप्रैल को स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस बीच, पांच से सात अप्रैल के बीच सुरेश सिंह के बैंक खाते से लगभग एक लाख 36 हजार रुपये की निकासी हुई। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि छह अप्रैल को अपहृत का लोकेशन मशरक थाना क्षेत्र के हरपुरजान में था, लेकिन पुलिस चुपचाप बैठी रही। नौ अप्रैल को ग्रामीणों ने डीएसपी मशरक को आवेदन देकर हत्या की आशंका जताई और मामले की जांच के लिए एसआइटी टीम गठित करने की मांग की।

बेतिया में पुलिस ने अपने सहयोगी पर दागी 11 गोलियां, हो गई मौत

AGENCY BETIA : पश्चिम चंपारण ज़िला मुख्यालय बेतिया की पुलिस लाइन में बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। सिपाही परमजीत ने अपने ही मित्र जवान सोनू कुमार पर लगातार 11 गोलियां चलाई, जिससे सोनू की मौके पर ही मौत हो गई है। बेतिया पुलिस लाइन में गोलियों की आवाज सुन पूरा पुलिस लाइन दहल उठा और रात्रि पहर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आरोपित सिपाही परमजीत घटना को अंजाम देने के बाद राइफल लेकर छत पर चढ़ गया, जहां से उसे काबू करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी इसके बाद उसे गिरफ्तार कर मुफस्सिल थाना लाया गया। जहां पुलिस पूछ ताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक सोनू और परमजीत के बीच परिवार को लेकर आपसी झगड़ा चल रहा था।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर केंद्र सरकार के सहयोग से निर्मित विद्युत परियोजना का करेंगे उद्घाटन

भारत की मदद से नेपाल में पूरी होगी बिजली की जरूरत

AGENCY ARARIA : केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर मंगलवार को नेपाल भ्रमण पर रहेंगे। जोगबनी सीमा से सटे पड़ोसी देश नेपाल के कोसी प्रदेश में केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम है, जहां वे भारत सरकार के सहयोग से निर्मित विद्युत परियोजना का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का नेपाल भ्रमण नेपाल सरकार के ऊर्जा, जल स्रोत तथा सिंचाई मंत्री दीपक खड़का के आमंत्रण पर है। नेपाल सरकार के ऊर्जा जल स्रोत विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मंत्री मनोहर लाल खट्टर के द्वारा मंगलवार को भारत सरकार के सहयोग से निर्मित कोशी कॉरिडोर अंतर्गत 220 केवी प्रसारण लाइन अंतर्गत इनरुवा-वसंतपुर-बानेश्वर- तुम्लींगटार 200 केवी प्रसारण लाइन तथा 220/133/33 केवी तुम्लींगटार सब स्टेशन, 220/33 केवी बानेश्वर सब स्टेशन और 220/133/33 केवी वसन्तपुर सब स्टेशन का संयुक्त रूप से उद्घाटन करने का कार्यक्रम तय है। इसी दिन भारत सरकार के द्वारा निर्माण किए गए अरुण तीसरे जल विद्युत परियोजना का पावर हाउस तथा तटबंध क्षेत्र का अवलोकन करने का भी कार्यक्रम तय है। भारत नेपाल के द्वारा संयुक्त रूप से निर्माण किए जा रहे प्रसारण लाइन निर्माण के लिए स्थापना किए गए कम्पनी के समझौता पत्र में हस्ताक्षर भी किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री मोहन लाल खट्टर के द्वारा बुधवार को मुस्तांग जिले में मुक्तिनाथ का अवलोकन किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, उप प्रधानमंत्री व शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह से शिष्टाचार मुलाकात का कार्यक्रम तय किया गया है। इसके बाद काठमांडू में पशुपतिनाथ का दर्शन कर भारत वापस होने की बात नेपाल सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा कही गई है।

नेपाल पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर

बिहार से गोरखपुर होकर जाने वाली कई ट्रेनें रद्द

एक्सप्रेस के साथ छपरा-गोरखपुर पैसेंजर भी कैंसिल

AGENCY SARAN : बिहार के सारण जिले से गोरखपुर होकर यूपी के कई जिलों से गुजरने वाली ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। वहीं कई गाड़ियों के मार्ग भी बदले गए है। इन परिवर्तनों के चलते यात्रियों, खासकर वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को छपरा जंक्शन से गुजरने वाली अप साइड की सप्ताहिकी ट्रेन मौर्यध्वज सुपरफास्ट को रद्द कर दिया गया, जिससे वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु काफी मायूस नजर आये। इसके अलावा 02569 दरभंगा-नयी दिल्ली स्पेशल और 02563 क्लोन हमसफर एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित कर अन्य स्टेशनों से होकर चलाया गया। डाउन दिशा की ट्रेनों में 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस को बाराबंकी से डायवर्ट कर छपरा के रास्ते चलाया गया, जबकि जनसेवा एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन को रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही 14617 अमृतसर जनसेवा और 55055 छपरा-गोरखपुर पैसेंजर ट्रेन भी रद्द रहीं। हालांकि रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों के रद्द और मार्ग परिवर्तन की जानकारी पहले ही सार्वजनिक कर दी थी। सूचना के अभाव या समय पर जानकारी न मिलने के कारण कई यात्री पहले से प्लेटफॉर्म पर पहुंच गये थे।

श्रीराम सेना के साप्ताहिक भंडारा में आठ सौ लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

ARARIA : फारबिसगंज के रेलवे स्टेशन स्थित अंजनी नंदन ठाकुरबाड़ी में एक बार फिर से श्रीराम सेना की ओर से रविवार को साप्ताहिक भंडारा का आयोजन किया गया। आयोजन को लेकर श्रीराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष डिंपल चौधरी ने कहा कि सप्ताहिक भंडारा का आयोजन हर सप्ताह की तरह निरंतर चलता रहेगा। डिंपल चौधरी ने बताया कि आज के भंडारे में दाल चावल और सब्जी का भोग लगाया गया। कहा कि आज के भंडारा में आठ सौ से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि ये आयोजन निरंतर चलता रहेगा, सहयोग करने वाले जुड़ रहे हैं और निंदकों को हम देखते नहीं हैं।

प्राइवेट सिस्टम का खेल : आम आदमी की जेब पर हमला

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं। ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग सब कुछ महंगा और अनिवार्य बना दिया गयाहै। प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयां और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग पर है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज नहीं उठाई तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे। भारत एक ऐसा देश है, जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन, जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले ले तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें, तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों का डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस आदि। हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी अधिकृत वेंडर से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है, क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे अनिवार्य बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है। दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क और फिर ट्यूशन। ऐसे में बच्चे के लिए खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है- 99% लाओ। जब ये नंबर नहीं आते तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है। स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का काम अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा कमाई पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही पर्ची कटती है, फिर तरह-तरह की जांचें, महंगी दवाइयां, आईसीयू और एडवांस पेमेंट की मांग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपये में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपये की होती है। यहां तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर मोर्चरी चार्जेस, फ्रीजर चार्जेस आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है, उस परिवार के साथ, जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। आखिर ऐसा क्यों, क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नेशनल मेडिकल काउंसिल झ ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में। मध्यम वर्ग की त्रासदीगरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएं बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है और फिर उसी जाल में फंस जाता है। एक ऐसा जाल, जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर ईएमआई देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है। बस यही सोचता है और कोई रास्ता भी तो नहीं है। अगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता, स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए, जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली, जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य कोई सेवा नहीं रह गई है।

राष्ट्र के सामने चुनौतियां और समाधान

ANALYSIS

✍ कुलभूषण उपमन्यु

कभी धर्म बदल कर तो कभी शासकों के शोषण की कमी अपने से कमजोर वर्गों का शोषण करके पूरी करने के प्रयासों के आदी होकर अपने झूठे अहंकार को संतुष्ट करने के प्रयासों के चलते खंडित समाज की रचना हो चुकी है। देश का शासन संभालते हुए राष्ट्र पुर्निर्माण करने का काम सिर पर है। इस काम को कैसे किया जाए, यह चुनौती आसान नहीं थी। एक ओर देश को भारतीय दृष्टि से अपनी नींव पर खड़ा करने की समझ थी, जिसके समर्थक गांधी और उनकी सोच पर विश्वास करने वाले लोग थे, तो दूसरी ओर अंग्रेजी सोच से प्रभावित नेहरू और उनके वैचारिक समर्थक थे। हालांकि गांधी ने इस बहस को सार्वजनिक करने के प्रयास किए, किंतु नेहरू ने इस बहस को यह कह कर टाल दिया कि इस बात का फैसला तो चुने हुए प्रतिनिधि ही करने के अधिकारी होंगे। यह बहस इसलिए भी आगे न बढ़ सकी, क्योंकि उस समय सबसे पहली प्राथमिकता स्वतंत्रता प्राप्त करना थी। इस बहस से यह खतरा था कि आपसी एकता के अभाव का संदेश जनमानस में जाता। दूसरी ओर सांप्रदायिक आधार पर द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के समर्थक देश की एकता को खतरा पेश कर रहे थे, जिनका नेतृत्व जिन्ना कर रहे थे। उनको संरक्षण देने का काम परोक्ष रूप से अंग्रेजी सरकार कर रही थी, ताकि भारत को कमजोर करके किसी न किसी रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा जा सके।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही यह अनुभव किया जाने लगा था कि सदियों की गुलामी के चलते भारतीय समाज में अपनी आंतरिक इच्छा शक्ति, आत्मविश्वास, नवाचार की खोज करने की बौद्धिक क्षमता, आपसी विश्वास की भारी कमी आ गई है। सदियों से दबे-कुचले समाज को अपने शासकों के शोषण को झेलते हुए जैसे-तैसे दांव-पेंच से जीवनयापन करने के लिए समझौते करते हुए समय निकालने की आदत हो गई है। कभी धर्म बदल कर तो कभी शासकों के शोषण की कमी अपने से कमजोर वर्गों का शोषण करके पूरी करने के प्रयासों के आदी होकर अपने झूठे अहंकार को संतुष्ट करने के प्रयासों के चलते खंडित समाज की रचना हो चुकी है। देश का शासन संभालते हुए राष्ट्र पुनर्निर्माण करने का काम सिर पर है। इस काम को कैसे किया जाए, यह चुनौती आसान नहीं थी। एक ओर देश को भारतीय दृष्टि से अपनी नींव पर खड़ा करने की समझ थी, जिसके समर्थक गांधी और उनकी सोच पर विश्वास करने वाले लोग थे, तो दूसरी ओर अंग्रेजी सोच से प्रभावित नेहरू और उनके वैचारिक समर्थक थे। हालांकि गांधी ने इस बहस को सार्वजनिक करने के प्रयास किए, किंतु नेहरू ने इस बहस को यह कह कर टाल दिया कि इस बात का फैसला तो चुने हुए प्रतिनिधि ही करने के अधिकारी होंगे। यह बहस इसलिए भी आगे न बढ़ सकी, क्योंकि उस समय सबसे पहली प्राथमिकता स्वतंत्रता प्राप्त करना थी। इस बहस से यह खतरा था कि आपसी एकता के अभाव का संदेश जनमानस में जाता। दूसरी ओर सांप्रदायिक आधार पर द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के समर्थक देश की एकता को खतरा पेश कर रहे

थे, जिनका नेतृत्व जिन्ना कर रहे थे। उनको संरक्षण देने का काम परोक्ष रूप से अंग्रेजी सरकार कर रही थी, ताकि भारत को कमजोर करके किसी न किसी रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा जा सके। खासकर सोवियत रूस के नजदीक अपनी सैनिक उपस्थिति भी उनका एक उद्देश्य था, जिसे कश्मीर समस्या के माध्यम से वे कुछ हद तक हल कर पाए। अंग्रेज और जिन्ना अपनी चाल में सफल भी हो गए, किंतु हम वहां भी गलती का शिकार हो गए। जब दो धर्मों के आधार पर देश बांट दिए गए तो बेहतर यही होता कि शांति पूर्ण तरीके से गैर-मुस्लिम भारत में आ जाते और मुसलमान पकिस्तान चले जाते। किंतु हिंदू मुस्लिम आबादियों का आदान-प्रदान भयंकर मार-काट में बदल गया। अंग्रेज सेना जानबूझ कर मूकदर्शक बनी रही। आबादियों का पूर्ण प्रत्यर्पण भी न हो सका और आज दिन तक आपसी टकरावों की समस्या से देश को जूझना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय नेतृत्व का उस समय का फैसला मानवतावादी था, किंतु सांप्रदायिक अहंकार में उसके महत्व को समझने में भारतीय राष्ट्र विफल रहा। वर्तमान में इस समस्या को ऐतिहासिक बोझ से बाहर निकल कर मानवतावाद से ही हल किया जा सकता है, जो दोतरफा ही होना चाहिए। मुसलमानों को भी यह समझना होगा कि हिंदू बहुल देश में आप अपनी धार्मिक मान्यताओं को मानने में पूर्णतः स्वतंत्र हैं, किंतु आप भी हिंदू मान्यताओं के पालन में बाधक न बनें। यदि आप मूर्ति पूजा, भजन गाने, शंख, घंटे की आवाज और नाचने-गाने का बुरा मानने लगेंगे तो झगड़े कैसे रुकेंगे। हमें एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होने, मुबारक देने की संस्कृति विकसित करनी होगी। रहीम, रसखान, खुसरो सरीखे अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जिनसे मिल-जुल कर रहना और एक दूसरे के विकास पर खुश होना सीखना होगा। गांधी जी की यह सोच बिलकुल सही थी कि भारत को भारतीय तरीके से सरकार बनाने के तरीके नए हालात में खोजने होंगे। उन्होंने ग्राम स्वराज्य का दर्शन दिया, जिसे वर्तमान वैश्विक संदर्भों में परिभाषित और विकसित किए जाने की जरूरत थी। किंतु, हमने पूर्ण पाश्चात्य तरीके को अपनाया। पंचायत, जिसको शासन का बुनियादी स्तंभ होना था, उसे यूरोपियन स्थानीय स्वशासन की नकल बना कर छोड़ दिया। सौभाग्य से 73वें संविधान संशोधन से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया, किंतु अभी तक भी वे शासकीय दिशा-निदेशों की गुलाम ही हैं, क्योंकि वे जमीन से नहीं उगाई गईं। आरोपित की गई हैं। उन्हें अपने आत्मविश्वास को आधार बनाने में न जाने अभी कितना समय लगेगा। पाश्चात्य सोच में प्रशिक्षित राजनैतिक नेतृत्व और प्रशासन यह होने भी देगा या नहीं। धर्मनिरपेक्षता दूसरी बड़ी चुनौती है। भारत के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सर्व धर्म सम भाव ही हो सकता है। यहां धर्म मुक्त शासन संभव नहीं है। हालांकि, बाबा साहब अंबेडकर बेडकर ने धर्मनिरपेक्ष शब्द संविधान में नहीं रखा था, जो बाद में इमरजेंसी में इंदिरा जी के समय में डाला गया। किंतु भारतीय धार्मिक संस्कार स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष है, क्योंकि इसका उदय और विकास ही विविध तार्किकवाद संवाद से ही हुआ है। इसमें मतांतर को आदर से देखने की परंपरा है। हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख,और विविध आदिवासी धार्मिक परंपराओं में तर्क को स्थान है और प्रकृति के प्रति श्रद्धा और संशोधन को मान्यता विद्यमान है, जो आज के पर्यावरण संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए धर्मनिरपेक्षता के नाम पर धर्मांतरण की छूट देना भारतीय परंपरा को कमजोर करने वाला ही सिद्ध होगा, क्योंकि अब्रह्मिक धर्मों में अन्य धर्मों को आदर से देखने की परंपरा नहीं है। प्रकृति उनके लिए उपभोग की वस्तु है। उनके लिए अपने धर्म में धर्मांतरण करवाना पुण्य का काम है, जबकि भारतीय परंपरा में अपने धर्म को छोड़ना और दुसरे के धर्म को छुड़वाना दोनों ही गलत हैं। हर धर्म में समय से कुछ कमियां आ जाती हैं, इसलिए स्वयं ही उनके संशोधन को तैयार रहना चाहिए। गांधी ने इस दिशा में जातिवादी भेदभाव को समाप्त करने के लिए खुले आम आवाज उठाई और जीवनपर्यंत उसके लिए सच्चाई से लगे रहे। इस परंपरा को आगे बढ़ाने और विस्तारित करने की जरूरत है। बाबा साहब ने संवैधानिक रूप से जातिवादी भेदभाव से लड़ने के उपकरण उपलब्ध करवाए। सामाजिक रूप से इस कार्य की महत्ता और जरूरत को एक सभ्य समाज के अंदर स्थापित करने का महती कार्य गांधीजी द्वारा शुरू किया गया। बाबा साहब की भारतीय परंपरा के सकारात्मक पक्षों के प्रति आस्था इस बात से भी पता चलती है कि जब उन्हें लगा कि हिंदू रहते उन्हें जातिवादी भेदभाव से छुटकारा नहीं मिल सकता, तो उन्होंने भारतीय परंपरा से उपजे बौद्ध धर्म को अपनाने का निर्णय किया, जिसके लिए भी उनको श्रद्धा से देखा जाना चाहिए। आजादी के बाद एक ओर देश में फैली अव्यवस्था को संभालने का काम था, दूसरी ओर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना था। देश की सीमाओं की रक्षा करनी थी, गरीबी बदहाली में फंस चुके करोड़ों देशवासियों को रोजी-रोटी की व्यवस्था करनी थी।

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। इसके मानवीय चेहरे- विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई जेंडर न्यूट्रल आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू जिम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है- कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के जहरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव और गर्भधारण में कठिनाइयां अब सामान्य समस्याएं बनती जा रही हैं, इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है। भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच- ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं- जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है- जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात अम्फान के दौरान सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती, बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है- जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है, लेकिन जरूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियां धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए अत्यावश्यक है- खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों- जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा। ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं- वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। इसके लिए जरूरत है कि हम उन्हें केवल सहायता की पात्र न मानें, बल्कि साझेदार के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है, तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशियां और सद्भावना हो।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड अपराध की आग में झुलस रहा है, आम जनता भय के साए में रहने को मजबूर है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम कत्ल करके बेखौफ निकल जाते हैं, और पुलिस हमेशा की तरह सांप निकल जाने के बाद लाठी पीटती है! राजधानी रांची से लेकर लौहनगरी जमशेदपुर तक, झारखंड के प्रमुख औद्योगिक केंद्र अब विकास के नहीं, अपराध के गढ़ बनते जा रहे हैं। राज्य सरकार के द्वारा अपराधियों को संरक्षण देकर रंगदारी, धमकी और भय का ऐसा माहौल है कि कारोबारी मजबूरी में व्यवसाय करने को विवश हैं। @हेमंत सोरेन जी, जनता जानना चाहती है कि क्या विदेश में सैर सपाटा करने से निवेश आएगा? या फिर एक मजबूत, सख्त और जवाबदेह कानून-व्यवस्था स्थापित कर ही हम एक झारखंड को निवेश का हब बनाने का सपना साकार कर सकते हैं?

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

आज दुनिया में भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र (औषधि विज्ञान) की छवि तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के आह्वान से यह इंडस्ट्री पहले से कई गुना सुदृढ़ हुई है। यही नहीं, भारत पिछले छह-सात वर्षों से यूनिसेफ का सबसे बड़ा वैक्सीन आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत ने इस अवधि में यूनिसेफ की कुल खरीद में 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत योगदान दिया। आज का नया भारत क्रमशः डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की मांग का 99 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पूरा करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का औषध विभाग सस्ती दवाओं की कीमत, उपलब्धता, अनुसंधान, विकास और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करता है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीबीआई) की वेबसाइट में 13 अप्रैल को इस आशय के आंकड़े साझा किए गए हैं। इनमें कहा गया है कि भारत को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं का विश?व का सबसे बड़ा प्रदाता बनाने का प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण शामिल है। सबसे बड़ा जोर मेक इन इंडिया पर है। भारतीय दवा उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, कम लागत वाली प्रभावी दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और स्वदेशी ब्रांडों के मजबूत नेटवर्क में इसके प्रभुत्व को दर्शाता है। इसमें चिकित्सा उपकरण उद्योग के कई क्षेत्र अत्यधिक पूंजी-प्रधान हैं। वह इसलिए कि इस क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का निरंतर समावेशन किया जाता है। इसमें मदद के लिए औषध विभाग सरकारी अनुमोदन के माध्यम से एफडीआई प्रस्तावों पर एफडीआई नीति के अनुसार अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए विचार करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक एफडीआई प्रवाह (फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों दोनों में) 11,888 करोड़ रुपये रहा है । इसके अलावा औषध विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी । भारत सरकार की 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने भी इसमें क्रांतिकारी पहल की है। पीएलआई का प्रमुख उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात बढ़ाना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप यह योजना उत्पादन में प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 फरवरी 2021 को मंजूरी दी थी। इसका वित्तीय परिव्यय 15,000 करोड़ रुपये है। यह तीन श्रेणियों के तहत पहचाने गए उत्पादों के उत्पादन के लिए 55 चयनित आवेदकों को छह साल की अवधि के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है । इस योजना में कैंसर रोधी और ऑटो इम्यून जैसी दवाओं का उत्पादन शामिल है। पीएलआई के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्षित निवेश को पार करना है। प्रारंभिक प्रतिबद्धता 3,938.57 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वास्तविक प्राप्त निवेश पहले ही 4,253.92 करोड़ रुपये (दिसंबर 2024 तक) तक हासिल हो चुका है। इसके अलावा मार्च 2020 में स्वीकृत बल्क ड्रग पार्क योजना (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26) का उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करने और बल्क ड्रग्स में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सामान्य बुनियादी ढांचे वाले पार्क स्थापित करना है। इस योजना के तहत गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को मंजूरी दी दी जा चुकी है। वित्तीय सहायता प्रति पार्क 1000 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 70 फीसद (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90 फीसद) तक सीमित है। इसका कुल परिव्यय 3000 करोड़ रुपये है।

बिहार में खींचतान

बिहार में पार्टियां व गठबंधन तथा विभिन्न जातीय व हित समूह इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपनी ताकत को यथासंभव अधिकतम बनाने के लिए नए सिरे से अपनी रणनीति तय कर रहे हैं। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की जीत और आम चुनाव 2024 में अपने नुकसान की भरपाई एनडीए द्वारा महाराष्ट्र में सत्ता में वापसी से किए जाने के बाद सभी निगाहें अब बिहार पर हैं। दोनों ध्रुवों पर एक तरफ एनडीए और दूसरी तरफ राजद, कांग्रेस और वाम दलों का महागठबंधन बदलते अंतःदलीय और अंतरदलीय समीकरण भूमिका निभा रहे हैं। मंगलवार को राजद और कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में मुलाकात की और वे आगे भी चर्चा करेंगे। पिछले महीने गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की दो दिवसीय यात्रा की और 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी दौरे की उम्मीद है। तकरीबन दो दशकों से जनता दल (यूनाइटेड) के पिछलग्गू की भूमिका निभाने वाली भाजपा अब नेतृत्वकारी भूमिका के लिए बेचैन है। दिल की बात जुबान पर लाते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुड़गांव में एक कार्यक्रम में कहा कि बिहार के उप-मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी विधानसभा चुनाव में जीत का परचम लहराएंगे। इस पर राजद ने मजा लेते हुए सवाल किया कि क्या भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को छोड़ दिया है, जिसके बाद भाजपा को आनन-फानन में सफाई देनी पड़ी। बढ़ती उम्र और कमजोर सेहत को देखते हुए नीतीश कुमार पर सभी की नजर है। महागठबंधन में अविश्वास की स्थिति है। कांग्रेस और वाम दल इस बात को लेकर चिंतित हैं कि राजद सीट बंटवारे समझौते को आखिरी समय तक लटकाएगा, जिससे कुछ कर पाने की बहुत कम गुंजाइश बचेगी। इसके अलावा कांग्रेस ने शिकायत की है कि अक्सर उसे कमजोर सीटें दी जाती हैं और बाद में खराब स्ट्राइक रेट के लिए आलोचना की जाती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Ominous churning on India's frontiers

A great churning is taking place on both sides of India's frontiers, throwing a new challenge to the RSS idea of "akhand Bharat," or "undivided subcontinent." In the east, a new samudramanthan is taking place around the Bay of Bengal, as Naya Bangladesh reaches out to both China and Pakistan like it hasn't for decades. And in Pakistan, the powerful Army Chief looks like he fancies himself as a latter-day Jinnah, delivering homilies about the so-called "two-nation theory" and such like.Let's start with Bangladesh. For the first time in 15 years, Pakistani officials have travelled to Dhaka this week for consultations, during which the Bangladesh foreign secretary demanded an apology for the "genocide committed by the then Pakistan military in 1971." Plus, he said, $4.3 billion still remains to be paid when East Pakistan split from Pakistan — with, of course, a little help from India, although the foreign secretary didn't quite add the last phrase.

Moreover, in less than 10 days from now, Pakistan's Deputy PM and Foreign Minister Ishaq Dar will travel to Dhaka. Mr Dar is a consummate politician and is expected to easily find some way to say sorry for the massacres the Pakistani military committed in 1971 — he will be careful that the apology doesn't offend his all-powerful military chief, Gen Asim Munir, back home.

When that apology takes place — not if, but when — the two former wings of Pakistan will be closer than they have been in decades.Imagine a 53-year-long reversal of history-in-the-making. Make no mistake, dear Reader, the stage is being set, only the flowers and some knick-knacks to prettify the room remain. When Dar meets Bangladesh Chief Advisor Muhammad Yunus — whom the Americans kept ready in cotton-balls, waiting for the opportunity to insert him back into a post-Sheikh Hasina Bangladesh, and more fool she who gave them the opportunity — the Bangladeshis, with a gentle nudge from the Chinese, will graciously accept. It's that simple.Meanwhile, Muhammad Ali Jinnah's pet phrase could get a new lease of life. At a function in Rawalpindi on Thursday, Gen Munir said Pakistan was created on the basis of the "two-nation theory," even as his suited-booted Prime Minister Shehbaz Sharif listened in the front row."Our forefathers thought we are different from the Hindus in every possible aspect of life. Our religions are different, our customs are different, our traditions are different, our thoughts are different, our ambitions are different. That was the foundation of the two-nation theory that was laid there. That we are two nations, we are not one nation…" Gen Munir said.

Clearly, the good General imagines himself as a latter-day Quaid-e-Azam that Pakistan needs, to save itself for another day. Not that Pakistan doesn't need saving — things are so bad, both in the economy as well as in the polity, that the military establishment could easily be misconstrued as the brightest, shining star on the horizon — it is certainly the most powerful.

Meanwhile, we saw PM Shehbaz Sharif hearing Gen Munir out quietly, as he rested two fingers on his cheek. Was he, already, sequestering to the back of his brain his elder brother Nawaz Sharif's efforts to improve ties with India, for which he was whipped with iron chains in Attock jail soon after Musharraf invaded Kargil — because Shehbaz knows he cannot remain in power without Munir's munificence?But the big question this weekend is whether you can have a hearty laugh with irony. Will you be foes or comrades? So the same Bangladesh now reaching out to Pakistan, 53 years ago consigned the "two-nation theory" to the trash of history with a whoop and a chuckle as it belted out "Joy Bangla!" in the face of machine-gun fire from West Pakistani soldiers.Today, as Yunus furiously cycles back to the past and Gen Munir intones the idea of separation — an idea that ironically finds much traction in present-day India — Bangladeshis seem to be resurrecting the importance of religion and geopolitics over language.

To deliver as a regulator, RBI should become a market player

While the rate cut is likely to be beneficial to the GDP growth and the overall economy, the banking sector may be going into a bit of ambivalence as its funding costs keep rising and rate cut takes effect.

What is the likely result of the Reserve Bank of India (RBI) cutting the policy rate by 25 basis points (quarter of a percentage) in the aftermath of Donald Trump leashing a hurricane across the global economy through his massive tariff changes? Plus, the RBI has signalled that it will be ready to go down that road further if things remain hunky dory.If there is a rise in the money supply as a result of a cut in the bank rate, with everything else remaining equal (no change in the supply of goods and services), there will be an inflationary spurt. But RBI and independent experts appear sanguine that thing will remain on course, the heavens will not fall.There are several reasons for this. Currently, retail inflation is running at an over two-year low. So, there is some space to play around with. Secondly, meteorologists are predicting that the country will get a good southwest monsoon which will bring home a good kharif harvest. This will handsomely raise the agricultural output and the national GDP, taking it up by a notch. This is needed as the financial year 2025 is projected to slow down to 6.2 per cent, a four-year low after reaching 8.2 per cent in financial 2024 after leaving behind Covid.In particular, it will put additional money into the hands of the huge army of farm-wagers and small-holders. They will go out to buy such essentials that they had been postponing, upping the demand across the board for non-luxury manufacturing units (affordable two-wheelers and not-posh cars), thus giving another boost to the GDP.At the end of the day, if the global economy does not collapse because of the US tariff mayhem, the Indian economy should be able to regain some of the bit it had recently lost in terms of GDP growth. The other positive for India is it remains a mostly self-contained economy, with low gains from engaging with the global economy, like say Vietnam and Malaysia.The rise in GDP for the economy, insulated from the global turmoil, will cause less focus on income from foreign trade and services and foreign investment. Foreign reserves will likely go down a bit, but that will be bearable as they are now at a high of $600 billion-plus or 11 months' imports.

While the rate cut is likely to be beneficial to the GDP growth and the overall economy, the banking sector may be going into a bit of ambivalence as its funding costs keep rising and rate cut takes effect. While banks will have to keep living with general rising costs, they will need to take cognisance of the rate cut promptly.

Large borrowers will force banks to cut their lending rates promptly, putting pressure on banks' earnings. In response, banks would want to promptly lower their costs by lowering what they pay their large numbers of depositors who make up their bulk of resources.

But that cannot be done in a jiffy. Existing fixed depositors will continue to earn their existing higher interest rates. It is only the new depositors coming in who will pay less. There will be a mismatch between what banks pay and earn. This will put pressure on banks' earnings. This will not be good for the economy as a whole.Things will get really complicated when it comes to housing loan borrowers. One analyst apprehends that "home loan borrowers may not see much meaningful or immediate interest rate relief. Banks have not transmitted earlier MPC rate cuts to borrowers because of higher funding costs, pressure on net interest margins, higher NPAs, and a cautious lending climate."If banks do pass on the benefits of the last two rate cuts, it will be a boost to homebuyers, particularly for those eyeing affordable housing. But, as the saying goes, there is a big space between the devil and the deep sea.The key issue that emerges is of 'monetary policy transmission'. The authorities, in this case the RBI, change the policy rate in order to effect certain changes in the economy. This is done in the expectation that market players will respond to the policy changes along the logic of economic theory. But that sometimes does not happen. Then, the impact of the change in the policy does not impact on the broader economy and policy transmission is crippled.Then, the measure of the policy change is negated. As we have heard an analyst declare, earlier changes have not yet taken place. Simply put, a bank is prompt in cutting the rate that it pays the small depositors (you and me) but slow in cutting the rate the borrowers like home owners have to pay.We are back to incontrovertible changes like the tariff changes made by Trump and the monsoon. These are not in our hands. Once we have them on our hands, we have to do the best to live with them. The actions that work the best are those that allow the market forces to play themselves out in terms of their own logic and only push them alone a little.One way in which the RBI can put in more liquidity is by not seeking to change policy rates, cutting them in this instance, but by simply printing more money. The RBI can buy more government paper in the market and thereby put more cash in the hands.Another way can be to buy dollars from exports by a higher rate. This will create more liquidity, which will also provide more incentives to try and export more.

This, in fact, has been happening and the rupee has been going down against the dollar. This is also making imports costlier. Overall, the foreign reserves will go down as this has, in fact, been happening.

The effective policy rule that emerges is that the RBI should avoid issuing fiats like bank rate changes and play the market — take the market the way it wants it to. But there is a contradiction here. The regulator will not know how to play the market.In this case, the financial regulator can get market-savvy players who will act as members of an advisory panel. But one overriding rule must emerge. The advisory panel members should not become guilty of conflict of interest — advise the regulator in the morning and themselves play the market on their own money in the afternoon!

A prison crisis

Overcrowded jails demand urgent reform

India's prisons are in crisis. They resemble overcrowded warehouses for the forgotten. The India Justice Report 2025 shows the scale of the problem. As of 2022, 5.73 lakh inmates were lodged in facilities built for 4.36 lakh. That's a 131 per cent occupancy rate. By 2030, the prison population could reach 6.8 lakh — far beyond the projected capacity of 5.15 lakh. The crisis goes deeper than space. It's a human rights emergency. There are just 25 psychologists for the entire prison population. Mental illness among inmates has more than doubled since 2012. Most of those suffering are undertrials — people not yet convicted. They wait years for justice because of court delays. The medical crisis is equally grim. There is a 43 per cent vacancy in medical officer posts across prisons. Delhi has only one doctor per 206 inmates. Without proper care, prisoners suffer in silence — both mentally and physically.This neglect is not new. The Supreme Court has often called for long-term prison planning. But state action remains slow and indifferent. Staff shortages are severe. Correctional vacancies reach 60 per cent in some regions. Delhi's jails, for example, have operated at over 250 per cent capacity. Marginalised communities — Dalits, tribals and Muslims — are overrepresented behind bars. This reflects deep-rooted inequities in the justice system.Addressing this crisis needs political will. Fast-track courts and alternative dispute resolution can reduce undertrial numbers. Infrastructure investment must match rising inmate numbers. More doctors, psychologists and staff are urgently needed. Legal aid access must improve for the poor. Prisons should not be sites of prolonged punishment. They must become centres of reform. Treating inmates with dignity and care reflects the strength of our democracy. It is not a favour — it is a constitutional duty.

War on Urdu is war on our composite culture

The frequently asserted "foreignness" of Urdu is, on the evidence, unsustainable. But the fact that it is so widely believed is a phenomenon that deserves independent attention.

Varshatai is hardly to be blamed, litigating all the way to the Supreme Court, only to receive a very public lesson in elementary linguistics. After all, she was doing no more than channelling the kind of stupidity with regard to Urdu that has become mainstream in the New India. This is the alleged "foreignness" of Urdu, which disqualifies it from being used for signage in the New India that attained its freedom in 2014.This is, prima facie, odd, because English remains perfectly acceptable. And indeed, the antipathy towards "foreignness" does not extend to the armloads of foreign things that are avidly appropriated.However, before I go any further, let me register my deep gratitude to the judges of the Supreme Court who have firmly put their imprimatur on what is, after all, received wisdom among scholars.f course, Urdu is a product of centuries of cultural and linguistic mixing among diverse peoples on and around the fertile plains of north India.Its archive is, by the same token, an invaluable and irreplaceable repository of our rich, hybrid and cosmopolitan culture. As people — pilgrims, merchants, wanderers, displaced peasants — moved around the subcontinent, so their languages also migrated, and mingled, and intermarried and, indeed, proliferated in joyful promiscuity.But — and this is the crucial point — all this happened here, on the Indian subcontinent, relatively isolated from the rest of the world by turbulent seas and fearsome deserts and high mountain ranges: a crucible for a unique cultural experiment that was the wonder and envy of the world, Hindustan jannat nishaan.And Urdu is but one gem produced in this process, and Varshatai would be hard put to find any Urdu outside the subcontinent — except among expatriate communities who long for its fluent eloquence, its sinuous charm. This fact, incidentally, also trumps the linguistic bigots who seek to derive Urdu from Persia and Arabia.The other range of bigots — who seek a "pure" Sanskrit lineage for our beloved linguistic hybrid, albeit under the name Hindi — are also wrong, despite the geographical congruence.oth the fake lineages rely on the entirely unsurprising lexical borrowings — words, mainly nouns, are borrowed from all kinds of languages, all the time, everywhere.But the grammatical anchoring in some linguistic base that is neither Sanskrit, nor Persian, nor Arabic, is undeniable — and unaffected by any amount of lexical borrowing. A particular favourite of mine is a road sign glimpsed in New Delhi, imploring impatient motorists: "Red light jump na karein". Despite the fact that three of the five words in that entreaty are in English, even Varshatai would not say that that sign is in English.The frequently asserted "foreignness" of Urdu is, on the evidence, unsustainable. But the fact that it is so widely believed is a phenomenon that deserves independent attention. Some years back, we witnessed the spectacle of officially endorsed louts, painting over Urdu signage in New Delhi. Official agencies routinely issue lists of "foreign" — ie, Urdu —- words, whose use is deprecated.So, indeed, it is not just one ignorant individual whose tantrum had to be pacified by the Supreme Court. We confront a widespread pathology.In the early 2020s, when Covid-19 first raised its ominous head, there was much effort to identify some source to blame. This was partly for epidemiological reasons — identifying an original source and, so, breaking the chain of transmission.But considering that this desire to identify a "culprit" went all the way from the Tablighi Jamaat to the "Wuhan lab" and the wet market there, we are dealing with other, less honourable reasons, like deflecting responsibility.

However, what is of particular interest in the context of the widespread belief in Urdu's "foreignness" is the other face of the official response, which was the attempt to defer and deny the palpable fact that the Covid virus had achieved community spread — indeed, "gone viral" — and, so, called for a different epidemiological response.I would suggest that in respect of the alleged "foreignness" of Urdu, this error, too, has gone viral — the virus of this particular mode of stupidity has achieved community spread and is likely to show up in different forms and locations.The task, then, is to attend to particular outbreaks, as, indeed, the Supreme Court has in the matter of Varsha Tai.

But beyond that, we must seek to identify the "Wuhan lab" of this particular virus. As I see it, the identification of Urdu with Islam — the key identification that motivates the loathing — is a complex, multistage process and involves several linked fraudulent claims.The first of these is the identification of Urdu with Muslims. This claim condenses several micro-histories, which lie beyond my present scope. But the claim makes no sense — neither in Tamil Nadu and Kerala, which have substantial Muslim populations, nor, indeed, in the Muslim-majority areas of Kashmir and East Bengal, which latter (also later) became Bangladesh precisely on the matter of rejecting Urdu.

But the crucial and linked fraud is the claim that the Muslims of the subcontinent are themselves, en masse, "foreign", invaders forever. So, Urdu equals Muslim equals foreign. This is, of course, the key hinge of the "Hindu" consolidation of the Savarkarite ideology of Hindutva.

India's Forex, Money Markets Have Doubled In Last 4 years: RBI Governor

New Delhi. India's financial markets have developed into a dynamic and resilient force to fuel economic growth with an almost doubling of the foreign exchange market from $32 billion in 2020 to $60 billion in 2024 and the average daily volumes in the overnight money markets surging from about Rs 3 lakh crore to over Rs 5.4 lakh in this four-year period, according to RBI Governor Sanjay Malhotra. There has also been a 40 per cent surge in average daily volumes in the government securities (G-secs) markets to Rs 66,000 crore over the same period. Addressing the 24th FIMMDA-PDAI annual conference in Bali this weekend, Malhotra said the levels of transparency in Indian markets are at par with the best in the world.With recent regulatory reforms, we have seen greater product and participant diversity, and the onshore and offshore markets have become tightly integrated," he pointed out. Malhotra said all the financial market segments of the country, including Forex, G-sec, and Money Markets, have largely remained stable. While the Rupee came under a bit of pressure a few months ago, it has fared better thereafter and regained some lost ground.The foreign exchange markets are reasonably liquid with narrow bid-ask spreads. There is growing transparency in this market. All FX derivatives are reported to the Trade Repository, and reporting of cash and spot transactions has commenced. A bulk of FX spot transactions are traded on electronic trading platforms (ETPs).

Authorised trading platforms are also available for forward transactions, but there appears to be a preference for such trades to take place bilaterally. Trading on ETPs enhances transparency and market efficiency. We would like to see an increasing share of transactions done on ETPs, he said..Malhotra further stated that fair treatment of customers and transparency in forex pricing for the smaller and less sophisticated customers continue to engage the RBI's attention. "Much more can be and needs to be done here. Divergence in pricing in FX markets for the small and large customers is far wider than what can be justified by operational considerations.

FX-Retail, a transparent platform for undertaking FX transactions, has

witnessed a lukewarm response, and our feedback is that this is largely due to the reluctance of banks to offer the platform to their customers," The RBI governor said.He highlighted that there are regulations in place to ensure transparency in pricing for retail customers, including a mandate for disclosing the mid-market or interbank rate to customers. As an industry, there is a need for market-makers to introspect and assess in what ways they can effectively deliver on these regulatory and fiduciary mandates, he added.

Malhotra further stated that the RBI has recently announced that access to FX Retail will also be provided through the Bharat Connect platform. In the first phase, a pilot to facilitate the purchase of US dollars by individuals is planned. Subsequently, its scope will be expanded based on the experience gained.He urged all the financial market participants, including Authorised Dealers, to extend their full cooperation in ensuring that the pilot is implemented smoothly and successfully. He red-flagged the use of banking channels for activities on unauthorised FX trading platforms. "This calls for greater vigilance and stronger efforts by banks to create awareness among their customers about the perils of using such platforms," the RBI Governor said.

ITR Filing For FY 2024-25: Can Taxpayers Still Switch Between Old And New Tax Regimes Check Deadlines For Salaried Employees

New Delhi. Filing your Income Tax Return (ITR) soon? Many taxpayers have begun preparing their income tax returns for the financial year 2024-25, as Form 16 starts landing in the email inboxes of salaried employees. One common question creating a buzz among taxpayers this year is whether individuals can switch between the old and new tax regimes at the time of filing.

Notably, the new income tax regime was introduced by Finance Minister Nirmala Sitharaman in Budget 2025 as an optional tax regime, effective from FY 2024-25. The Income Tax Act allows individuals to switch between the old and new tax regimes while filing their ITR. This means that even if a salaried employee chose the old regime for TDS during the year, they can still opt for the new regime while filing if it offers better tax savings. Similarly, those who selected the new regime for TDS can switch to the old one at the time of filing.

Old Vs New Tax Regime: How To Switch While filing your income tax return, you'll be asked: "Are you opting out of the new tax regime under Section 115BAC?" If you answer "Yes," it means you want to go with the old tax regime. If you choose "No," your return will be filed under the new regime, which is the default option. Section 115BAC defines the tax slabs and rules for the new tax regime.

Old Vs New Tax Regime: What Is Right Time To Switch

You can switch between the old and new tax regimes only if you file your ITR on or before the due date. If you miss the deadline and file a belated return, your ITR will be processed under the new tax regime by default. In such cases, the income tax portal won't allow you to switch to the old regime.

ITR Filing Deadlines In 2025

The last date to file Income Tax Returns for individuals and salaried employees who don't need a tax audit is July 31, 2025. For those who do need a tax audit (but not involving international transactions), the deadline is October 31, 2025—if the audit report is submitted by September 30.

FPIs turn net buyers; inject Rs 8,500-crore in holiday-shortened week

NEW DELHI. Foreign investors have infused nearly Rs 8,500 crore in the country's equity markets last week, after a phase of heavy outflows earlier in the month, supported by renewed investor confidence, resilient domestic economy and relative insulation from global trade disruptions.During the holiday-truncated week ended April 18, Foreign Portfolio Investors (FPIs) made a net investment of Rs 8,472 crore in equities.This includes withdrawal of Rs 2,352 crore on April 15, but investment of Rs 10,824 crore in the following two days, data with the depositories showed.While the recent uptick in FPI activity signals a potential shift in sentiment, the sustainability of these flows will hinge on the evolving trajectory of global macroeconomic conditions, stability in the US trade policy, and the continued strength of India's domestic growth outlook, Himanshu Srivastava, Associate director - Manager Research, Morningstar Investment, said.

During the week, trading took place on just three days from April 15 to 17 -- Tuesday, Wednesday, and Thursday.The stock market was closed on Monday and Friday due to Ambedkar Jayanti and Good Friday, respectively.Overall, FPIs pulled out Rs 23,103 crore from the equities in April so far, taking the total outflow to Rs 1.4 lakh crore since the beginning of 2025, data showed.The initial part of the month was marked by aggressive FPI selling, driven largely by global uncertainties stemming from the US tariff policy developments.However, renewed investor confidence was supported by India's resilient domestic economy, relative insulation from global trade disruptions, and comparatively attractive valuations given recent correction in the Indian equity markets, Srivastava said.

Grey areas of using corporate funds for personal luxury

New Delhi. These days, executive compensation of promoters and professional executive directors of listed companies are closely scrutinised by shareholders. The compensation awards by the company are put to vote by shareholders. But being ordinary resolutions where even the promoters get to vote almost all compensation proposals pass through easily. There is a reason for regulators to considering barring promoters from voting on compensations awarded to themselves.

However, what is usually not very transparent are the perquisites, the perks and benefits that don't always show up in the main compensation package. In many Indian companies, top executives enjoy a range of benefits beyond their salary. These include:

Fully furnished houses
Electricity, gas, water bills
Club memberships
Medical reimbursements
Company cars with drivers
Telephone, internet at home
Leave travel for executive sand their family

Some of these perks are allowed and even tax-exempt. For example, if a car or a phone is used strictly for company work, it doesn't count as a perk. But how can one prove that? Things start to blur. One company even had put out detailed explanation stating "eligible for leave travel concession, for self and family once in a year for any destination in India, which shall not be included in the computation of the ceiling on perquisites.

India-US trade talks from April 23, tariffs, customs negotiations on agenda: Report

New Delhi. Indian and US officials will hold three-day talks from April 23 in Washington for a proposed trade pact with terms of references (ToRs) covering around 19 chapters, such as tariffs, non-tariff barriers, and customs facilitation, official sources said.

The Indian official team is visiting the US to give further impetus to the negotiations in the 90-day tariff pause window and discuss these ToRs to iron out differences on certain issues before formally launching talks for the bilateral trade agreement (BTA).

India's chief negotiator, Additional Secretary in the Department of Commerce Rajesh Agrawal, will lead the team for the first in-person talks between the two countries. Agrawal was appointed as the next commerce secretary on April 18. He will assume office from October 1.

"Both sides will discuss the level of ambition. The ToRs will be further developed and discussed. What will be the pathway for talks? The ToRs will include issues like tariffs, non-tariff barriers, rules of origin, goods, services, custom facilitation and regulatory issues," the official said, adding general contours of the pact will be discussed, besides scheduling, so that things can be finalised in 90 days. The three-day deliberations assume significance, as a senior government official had recently stated that an interim trade agreement between the two countries could be

finalised in the 90-day tariff pause announced by the Trump administration if it is a "win-win" for both sides.

In international trade parlance, the level of ambition refers to the extent to which two countries are willing to commit to specific trade liberalisation measures. The visit also follows senior official-level talks held between the two countries last month here.

Brendan Lynch, the Assistant US Trade Representative for South and Central Asia, was in India from March 25 to 29 for crucial trade discussions with Indian officials.

The two sides are keen to utilise the 90-day tariff pause, announced by US President Donald Trump on April 9, to push the talks. On April 15, Commerce Secretary Sunil Barthwal had stated that India will try to close the negotiations as quickly as possible with the US. India and the US have been engaged in negotiating a bilateral trade agreement since March. Both sides have targeted to conclude the first phase of the pact by the fall (September-October) of this year, with an aim to more than double the bilateral trade to USD 500 billion by 2030, from about USD 191 billion, currently.

In a trade pact, two countries either significantly reduce or eliminate customs duties on the maximum number of goods traded between them. They also ease norms to promote trade in services and boost investments.

Bank Nifty In Focus After Robust Q4 Results By Leading Private Lenders

Mumbai. Robust results by leading private lenders like HDFC Bank and ICICI Bank reflect rising investor confidence in the sector's fundamentals, and the stock market is likely to respond positively to their Q4 FY25 results when it opens on Monday, according to analysts. The Bank Nifty index surged by 2.2 per cent on April 17 to close at 54,290.20, just 177 points shy of its 52-week high of 54,467.35. The rally was driven by strong gains in heavyweight constituents like HDFC Bank and ICICI Bank. The overall banking space showed impressive strength, reflecting rising investor confidence in the sector's fundamentals.India's largest private sector lender HDFC Bank posted 6.7 per cent (year-on-year) rise in standalone net profit to Rs 17,616 crore in the fourth quarter pf FY25. On a sequential basis, net profit rose by 5.3 per cent. ICICI Bank, India's second-largest private sector lender, reported strong financial results for the fourth quarter of FY25, with its net profit rising 18 per cent year-on-year (YoY) to Rs 12,630 crore.Yes Bank also reported a strong performance in the January-March 2025 quarter (Q4), with its net profit rising 63.7 per cent year-on-year (YoY) to Rs 738.12 crore. According to market watchers, technically, Bank Nifty has formed a strong bullish candle on the daily chart, making a high of 54,407.20 — just 60 points away from its all-time high. Over the last seven trading sessions, the index has gained a remarkable 10.68 per cent, rallying over 5,250 points from its recent swing low.

"The consistent one-way move, along with a close near 54,290 on strong volumes, signals aggressive buying interest and sustained bullish momentum. Any dips towards 53,600 or 53,000 are expected to be used as buying opportunities by market participants," said Kailash Rajwadkar of Choice Broking.

Additionally, both PSU and private banking indices are showing bullish setups. The PSU Bank index has confirmed an inverted Head & Shoulders breakout, reinforcing the case for further upside.If Bank Nifty manages to close above 54,300 convincingly, it could potentially head towards the 55,000 and 56,000 levels in the coming sessions, as per Fibonacci extension targets. The overall trend remains firmly positive with strong sectoral participation, said Rajwadkar.

Can You Open More Than One PPF Account & Are NRIs Eligible For It– Here's What Rules Say

New Delhi. The Public Provident Fund (PPF) stands as a prominent savings instrument in India. It is widely used for its secure returns and tax benefits. It's a go-to choice for long-term goals like retirement or your child's education. However, many people wonder if they can have more than one PPF account? In this article, we break down the rules and clear up the confusion.PPF Rule: Only One Account Allowed

Fullscreen

According to the Public Provident Fund Act of 1968, each person is allowed to open only one PPF account. This rule is strictly followed across all banks and post offices. If someone ends up with more than one account, the extra ones will be closed and only the deposited amount without any interest will be refunded.Is It Possible to Open a PPF Account for a Minor?Yes, it is! While you can't have more than one PPF account in your own name, you can open one on behalf of your minor child. Just keep in mind, the total contribution to both accounts combined can't go beyond Rs 1.5 lakh in a financial year.

For instance, if you invest Rs 1 lakh in your own PPF account, you can only put Rs 50,000 into your child's account that year which keeps the total within the Rs 1.5 lakh annual limit.

Can You Open a Joint PPF Account?

No, joint PPF accounts are not allowed. A PPF account can only be held in one person's name and it can't be shared with a spouse, child, or anyone else.Are NRIs Allowed to Open or Maintain PPF Accounts?

NRIs cannot open new PPF accounts. However, if they had one before becoming an NRI they can continue contributing until the account matures (15 years), but they can't extend it beyond that.What to Do If You Accidentally Opened a Second PPF Account?

If you've accidentally opened two PPF accounts, don't worry—just act quickly. Contact the bank, post office, or the Finance Ministry right away. They'll close the extra account and return the money you deposited, but keep in mind, you won't earn any interest on that amount.

BluSmart Allegations Will Erode Investor Trust, Warns Former BSE Chairman S

Going forward, Ravi suggested that startups and the promotors should communicate more and make more honest disclosures to stop such incidents.

New Delhi. S Ravi, former chairman of the Bombay Stock Exchange (BSE), expressed deep concern over the recent allegations surrounding BluSmart, adding that such incidents will damage investor trust and tarnish the broader perception of the startups.

S Ravi (Sethurathnam Ravi), the former BSE chairman and founder of Ravi Rajan & Co, warned that such actions could shake the confidence of investors in the new ventures and tarnish the credibility of even the well-established startups.Recently, market regulator Securities and Exchange Board of India (SEBI) flagged issues related to alleged fund diversion and document falsification against Gensol Engineering

Ltd, which impacted BluSmart, leading to the closure of services of the company.Anmol Singh Jaggi along with his brother Puneet Singh Jaggi are the co-founders of BluSmart and directors at Gensol Engineering, an Ahmedabad-based solar engineering and services firm. Both have stepped down from the post of directors after the SEBI notice.

"It is not good for two reasons. Once the new investors, new companies will come there, these people (Investors) wont start funding them at all, (They will) stop funding. They'll feel that the startups are only personal gains and valuations, so it's not a good, thing at all," former BSE chairman said.

"The second from a very good brand because BluSmart is not a very small brand because it's very well built. They demolished it...they demolished it for personal gains. They would have made their money, but you know this shortcut is not right," the former BSE chairman added.Former BSE chairman highlighted that there were allegations of insider trading as well as mismanagement and fund diversion. By definition, insider trading is buying or selling a company's stocks using confidential, non-public information."There were two trigger points. First of all, the pricing which happened of the share. There were a lot of complaints about insider trading. Second, there was a vision blower, and there were complaints against this company. SEBI went into an investigation and gave an interim order. In the interim order, they found certain deficiencies. The deficiencies came out in that order, which was diversion of funds. Second point that came out was a misstatement," he added.

Going forward, Ravi suggested that startups and the promotors should communicate more and make more honest disclosures to stop such incidents. "The startup community must start communicating now with all the lenders and stakeholders and show confidence that they are all working together in a good governance structure," he added.Talking about the roles of independent directors and auditors, he asserted that promotors should provide accurate information for better disclosures.

Delhi building collapse: Tales of loss, courage and grief amid debris pile-up

Locals say they heard a loud noise when the building collapsed but couldn't see anything due to thick dust, only screams came out.

NEW DELHI. A young woman displayed remarkable courage when she managed to rescue her parents from the debris of a collapsed building in Mustafabad early Saturday morning. Her family had been living there as tenants for over a decade. Tragically, she was unable to save her two brothers — one of whom was the family's sole breadwinner.A relative of the house owner, Tahseen, said he had already suffered a devastating loss during the 2020 Delhi riots following the CAA-NRC protests. "His son Aas Mohammad had gone out for some work and never returned. On March 9, his decomposed body was recovered from the Gokulpuri drain," the relative said. In this tragedy, seven members of Tahseen's family lost their lives.

Rehana Khatoon's brother, Shahzad Ahmed (48), said Shahid was a tenant of Tahseen. "He and his wife, Rehana were injured, while their two sons, Danish and Naved, died. Their daughter, Neha Parveen, sustained minor injuries. They lived on the third floor," he said.

"My niece called me at 3.07 am and asked me to reach Mustafabad as the building where they lived had collapsed. She said she was lucky not to get trapped inside. She managed to rescue her parents but couldn't save her brothers, Danish and Naved," he added.Shahid worked in a chemical-related job in Karawal Nagar but lost sight in one eye after a chemical accident. "He had surgery, but it wasn't successful. He stopped working as he couldn't see properly after 6 pm," said Ahmed."Danish, a scrap dealer, was the family's breadwinner.

Naved was a college student." They had been renting the house for 13 to 14 years. "The building wasn't very old and had four shops on the ground floor," Ahmed added.

Reshma's brother-in-law, Rashid (26), who lives nearby, said, "I heard a loud noise and checked from my terrace but didn't realise the collapsed building was Reshma's. Later, people informed me and I rushed to the spot. I also called Reshma's other brother-in-law, Alim Ali, who came from Loni in UP. Reshma was a housewife and her husband, Ahmed Nabi (36), works as a tailor."Nabi's nephew, Gulam Hussain (24), said he identified family members when they were rescued and had stayed at the hospital since. "My nieces, Tanu and Alia, and nephew, Alfez, have received fractures," he said.

Reshma's brother, Farmood (35), took a bus from Moradabad, UP, and reached Delhi by 5 am.

He suspected that ongoing construction at a meat shop on the ground floor might have weakened the structure."There were one-room flats on each floor. Two families were living on one floor. The first floor belonged to the owner, Tehseen, and there were eight people on that floor, four on the second, and ten tenants in total," he said.

United Left Panel accuses ABVP of violence during JNUSU poll process; demands free and fair elections

NEW DELHI. The United Left Panel, comprising AISA and DSF, held a press conference at the JNU campus gate on Saturday, condemning alleged violence by ABVP during the JNUSU polls nomination withdrawal process on April 17 and 18.

AISA Campaign Coordinator Dhananjay claimed ABVP members stormed into the Election Committee (EC) office, pelted stones, broke barricades, and chased EC members, disrupting the process. He alleged they heckled EC officials and security personnel, threatening the democratic process.

On April 18, when the EC extended the nomination withdrawal deadline by 30 minutes, Dhananjay alleged that ABVP members—including Vikas Patel, Prafful Patel, and others—resorted to further violence, damaging property and attempting to intimidate EC members.DSF's Anagha described how EC members tried to block the attackers by barricading the doors with furniture, but ABVP members allegedly forced entry, endangering EC members' safety. The AISA-DSF panel urged the JNU administration to ensure a free & fair polls.

Delhi-NCR braces for more storms as IMD forecasts cloudy skies, gusty winds

NEW DELHI. A day after parts of Delhi-NCR experienced a sudden spell of thunderstorms, lightning and rain, bringing much-needed relief to the residents of the area who have been wilting under the scorching heat, the weather department has warned of more storms and lightning strikes on Sunday and in the coming week.Parts of Delhi and its surrounding areas experienced a brief but intense spell of rain on Friday evening and central, southern, and western parts of the national capital, including areas like Burari, Rohini, Badli, Model Town, Karawal Nagar, and many more, saw light to moderate rainfall, accompanied by gusty winds and thunderstorms.

According to the IMD, the weather on Sunday, April 20, will be cloudy, and the maximum temperature will be 38 degrees Celsius, and the minimum temperature will be 25 degrees Celsius.

The cloudy conditions are expected to last till Monday, and the maximum temperature will be 39 degrees Celsius, and the minimum temperature will be 25 degrees Celsius, bringing much-needed relief to people and animals alike. The weather department has predicted strong winds on April 22.

3 dead, dozens rescued as flash floods, landslides ravage J&K's Ramban

NEW DELHI. Flash floods triggered by intense overnight rainfall wreaked havoc in Dharamkund village near the Chenab River in Jammu and Kashmir's Ramban district, claiming three lives and leaving one person missing. The natural calamity, accompanied by landslides and hailstorms, caused significant damage to property and infrastructure, displacing dozens of families.According to local authorities, the water level in a nearby nallah surged dramatically due to relentless rain, turning into a flash flood that entered Dharamkund village near the Chenab bridge.

Ten houses were completely destroyed, while 25 to 30 others suffered partial damage. Despite the destruction, a swift response by the Dharamkund police and district administration ensured the safe evacuation of nearly 90 to 100 people who had been trapped in the affected area.

Videos from the site captured the full scale of the destruction-mud-filled waters rushing through homes, collapsed structures, and vehicles damaged by debris.

Visuals also showed dozens of residents, including women and children, being escorted to safer areas by rescue teams as water continued to rise in several parts of the village.

Union Minister Jitendra Singh acknowledged the gravity of the situation and commended the district administration for its timely and efficient response.

There was a heavy hailstorm, multiple landslides, and fast winds throughout the night in the Ramban region, including areas surrounding Ramban town. The National Highway stands blocked, and unfortunately, there have been three casualties and loss of property for several families," Singh said in a statement.

He added that he was in constant touch with Deputy Commissioner Baseer-ul-Haq Chaudhary and assured that all necessary assistance, including financial aid, was being extended to the affected families."If need be, whatever more is required can be provided from my personal resources as well. The request is not to panic-we shall all, together, overcome this natural calamity," the minister said.Scenes of devastation unfolded across Ramban, with visuals showing damaged houses and vehicles caught in landslides.

AAP, BJP gear up for MCD mayoral polls with experienced contenders; nominations close April 21

NEW DELHI. With the MCD mayoral elections approaching, both the ruling AAP and the opposition BJP are strategising to secure victories for their respective candidates.Sources said the BJP is planning to field councillors with prior experience in holding top positions within the civic body. This comes as several senior councillors from the party were recently elected as MLAs in the Delhi Assembly elections.

AAP is likely to nominate its sitting mayor and deputy mayor again. Both belong to reserved categories, and the party believes this move could lead to cross-voting in its favour. Meanwhile, several names from both parties are being discussed, as April 21 is the last date for nominations. The election is scheduled for April 25.

From the BJP, key contenders include Leader of Opposition Raja Iqbal, Sandeep Kapoor, Yogesh Verma, Jai Bhagwan, and Parvesh Wahi. In AAP, Mahesh Kichi may contest again. Additionally, the Leader of House and six-time councillor Mukesh Goel, along with Ankush Narang and Sarika Choudhary, are also likely candidates. These individuals are regarded as senior leaders due to their past roles in either the party or the Corporation.

Despite its loss in the 2022 MCD elections, the BJP is now in a position to form the government. The party aims to select candidates who can effectively challenge AAP during the upcoming term. There is also a strong possibility that the BJP will secure the Standing Committee chairperson position, which oversees MCD's finances. For this reason, some councillors may be kept out of the mayoral race to be reserved for key committee roles.

"The party is carefully selecting candidates for the mayor and deputy mayor posts. Most senior councillors like Rekha Gupta, Ravinder Negi, Shikha Roy, and Poonam Sharma have become MLAs, so we are focusing on leaders who can ensure victory and efficiently handle AAP in daily operations," said a BJP source.

Be alert against online booking scams targeting pilgrims, tourists: MHA

NEW DELHI. The Ministry of Home Affairs' (MHA) cyber security arm I4C on Saturday issued a nationwide alert about a sharp rise in online booking frauds, mostly targeting religious pilgrims and unsuspecting tourists.

Officials said the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C) said that the cyber frauds are noticed to be executed through fake websites, social media pages, WhatsApp accounts and sponsored advertisements on platforms like Google and Facebook.

A senior MHA official said, "The I4C has alerted the public about online booking frauds, especially those targeting religious pilgrims and tourists across the country."According to I4C, these scams lure victims with offers like helicopter bookings for Kedarnath and the Char Dham yatra, guest house and hotel accommodations, online cab or taxi services, and religious tourism packages, they said.Even as such websites and their profiles apparently look legitimate, users, who make payments, often receive no confirmation or service, and are unable to contact the service providers afterwards."To protect citizens, I4C urges the public to remain vigilant and verify the authenticity of websites before making any payments. It asked the public to be cautious while clicking on sponsored or unfamiliar links on Google, Facebook, or WhatsApp and use only official government websites or trusted travel agencies for bookings," the official said.

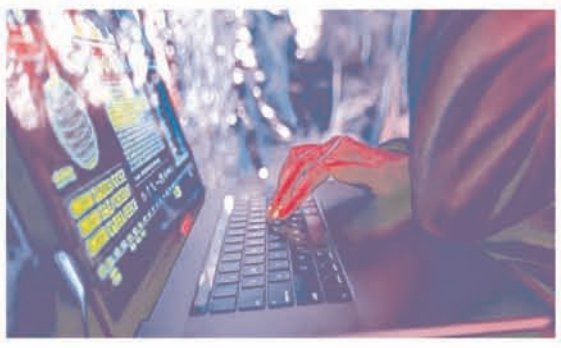

It is also informed that in a bid to counter the menace, the I4C is employing a multi-pronged strategy like scam signal exchange with intermediaries like Google, WhatsApp, and Facebook to flag and remove suspicious content; enforcement under which identification of cybercrime hotspots and coordination with state and UT police for local action; and cyber patrolling to detect and takedown of fake sites, the officials said.They added that the agency is also considering provisioning hassle-free reporting through a feature on the cybercrime portal, which now allows quick verification and reporting of suspicious websites.

JEE-Main 2025 result: 24 candidates get 100 percentile, Rajasthan leads with highest number of toppers

NEW DELHI. Twenty-four candidates scored a perfect 100 in the engineering entrance JEE (Main) 2025, the results of which were announced by the National Testing Agency (NTA) on Saturday.

Rajasthan, India's coaching hub, had the highest number of candidates with a perfect score with as many as seven scoring 100 percentile.Two female students - Devdutta Majhi from West Bengal and Sai Manogna Guthikonda from Andhra Pradesh - are among the top scorers, who appeared for the Joint Entrance Exam (JEE) main paper 1 B.E./B.Tech exams.

While seven toppers are from Rajasthan, three each are from Telangana, Uttar Pradesh and Maharashtra. It is followed by two each from Delhi, West Bengal and Gujarat. One topper each is from Karnataka and Andhra Pradesh.The examination was held in April across nine shifts at 531 centres in 300 cities, including 15 outside India.While 21 top-scoring candidates are from the General category, the list includes one candidate each from the Scheduled Caste (SC), Scheduled Tribe (ST) and the Other Backwards Classes (OBC) categories.

The results of 110 candidates found using unfair means, including forged documents, were withheld.A total of 10,61,840 students registered for the second session of JEE Main 2025 paper. Of them, 9,92,350 appeared in the second edition of the crucial exam.According to officials, NTA scores are not the same as the percentage of marks obtained but normalised scores.NTA scores are normalised scores across multi-session papers and are based on the relative performance of all those who appeared for the examination in one session, officials explained.

The marks obtained are converted into a scale ranging from 100 to 0 for each session of examinees. NTA score is not the same as the percentage of marks obtained, NTA clarified.

Based on the results of JEE (Main) Paper 1 and Paper 2, the candidates will be shortlisted to appear for JEE (Advanced), which is a one-stop exam for admission to the 23 premier Indian Institutes of Technology (IITs)."For those candidates who appeared in both sessions of the examination, the best NTA score of both sessions has been declared," the officials added.

BrahMos export: Second battery of missile shipped out for Philippines

The training focused on the operations and maintenance of some of the most important logistics packages of SBASMS to be delivered to the Philippines.

NEW DELHI. The second battery of the BrahMos cruise missile has been moved out for the Philippines, marking a milestone in Indian defence exports."The second battery of the missile has been sent in a ship this time," a defence source said, confirming the development. "The first battery was sent in April 2024 in an IAF aircraft, with support coming from civil aircraft agencies. The long-haul flight carrying the heavy load was a non-stop six-hour journey before the equipment reached the western parts of the Philippines," the source said.

The deal with the Philippines was announced in January 2022 for the supply of the BrahMos supersonic cruise missile, making it the country's first major defence export order.

As reported by this newspaper, the Philippines Department of National Defence issued the 'Notice of Award' to India's BrahMos Aerospace Private Limited, approving a $374.96 million (`2,700 crore) contract for the purchase of a shore-based anti-ship missile system (SBASMS) from India.

As per the initial deal, the Philippines will get three batteries for the missile system, which has a range of 290 kilometres and a speed of 2.8 Mach (around 3,400 kms, thrice the speed of sound). The deal also encompassed training for operators and the necessary integrated logistics support package.

The operator training for the missile system was conducted in February 2023 for 21 personnel of the Philippine Navy. The training focused on the operations and maintenance of some of the most important logistics packages of SBASMS to be delivered to the Philippines.

Also, as reported first by this newspaper, in January this year Indonesia's defence ministry sent a letter regarding a $450 million BrahMos deal to the Indian embassy in Jakarta. India has been in talks with Indonesia, Thailand, and a few other nations that have shown interest in the system.

The BrahMos missile can be launched from submarines, ships, aircraft or land. According to sources, the missile —a collaboration between India and Russia—is undergoing a process where 83% of its components are being indigenised.

NEWS BOX

Illinois plane crash: Four killed after aircraft goes down in Trilla

world. A single-engine Cessna C180G plane crashed in a field near Trilla, Illinois, on Saturday morning, resulting in the deaths of all four people on board including two men and two women, the Associated Press reported citing officials.Coles County Coroner Ed Schniers confirmed the victims were two men and two women but said additional details will be released after their families have been notified.

According to the National Transportation Safety Board, the plane went down shortly after 10 am, reportedly hitting power lines before the crash.“Terrible news out of Coles County,” said Governor JB Pritzker in a statement, adding that state officials are monitoring the situation and offering support to those affected.

The Illinois crash is the latest in a series of general aviation accidents in the US. In 2022, the NTSB recorded over 1,300 such incidents, resulting in nearly 350 fatalities. Many of these were linked to pilot error, poor weather judgment, or collisions with obstacles like trees or power lines.

"No Choice But To Keep Fighting": Netanyahu Vows To Continue Gaza Offensive

Tel Aviv. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has pledged to continue military operations in Gaza and emphasised that Israel must keep fighting to ensure its survival, despite increasing opposition, according to a report by CNN.In a pre-recorded video Saturday night, Netanyahu said Israel has "no choice" but to keep fighting "for our very own existence until victory."Netanyahu urged "perseverance and resilience" in defeating Hamas and rescuing the 59 hostages still held in Gaza.Netanyahu cited Hamas' refusal of a recent Israeli ceasefire proposal as a reason Israel will continue its bombardment of Gaza. Israel's proposal called for the disarmament of Gaza and did not include a permanent end to the war, both of which have been red lines for Hamas, CNN reported."If we surrender to Hamas's demands now, all the tremendous achievements gained by our soldiers, our fallen, and our wounded heroes--those achievements will simply be lost," Israeli PM said.

Meanwhile, the Hostage Families Forum Headquarters criticised Netanyahu's latest address, accusing him of lacking a clear "plan" for securing the release of hostages.Many words and slogans will not succeed in hiding the simple truth -- Netanyahu has no plan. It's no surprise there was no time for questions -- otherwise, he would have had to answer the most basic one: What exactly is the State of Israel doing to immediately bring back all 59 hostages," the forum said.Earlier, Israeli soldiers had signed a letter calling for an end to the war in Gaza and speeding up negotiations for the return of native captives from the war-torn territory.Earlier this week, Al Jazeera cited Israeli Army Radio as stating that a group of 150 Golani Brigade members have joined the call to end the war, adding their names to thousands of others in a sign of dissent that has alarmed the Israeli government.

US Administration Urges Court To Allow Deportations Under Alternative Laws: Report

Washington. After the US Supreme Court temporarily barred the deportation of migrants, President Donald Trump's administration has urged the top court to allow the use of alternative laws to remove a group of Venezuelan migrants detained in Texas, CNN reported.Following the Supreme Court's order, the US Justice Department argued that the justices should deny the request to halt deportations under the controversial wartime authority provided by the Alien Enemies Act.

The Justice Department further urged the Supreme Court to provide clarity that it may remove at least some of the same migrants under less controversial immigration laws.The Supreme Court's order did not distinguish between deportations under the Alien Enemies Act and other laws, CNN reported.

The court said, "The government is directed not to

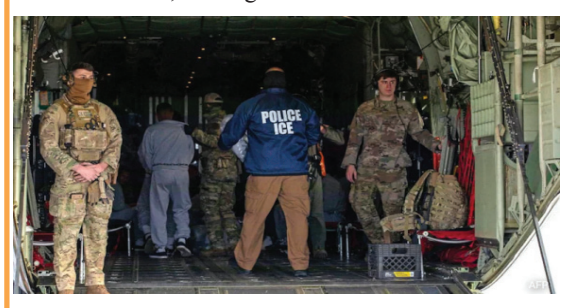

remove any member of the putative class of detainees from the United States until further order of this court."Earlier, the White House said in a statement Saturday morning that "President Trump promised the American people to use all lawful measures to remove the threat of terrorist illegal aliens, like members of (Venezuelan gang Tren de Aragua), from the United States.""We are confident in the lawfulness of the Administration's actions and in ultimately prevailing against an onslaught of meritless litigation brought by radical activists who care more about the rights of terrorist aliens than those of the American people," said press secretary Karoline Leavitt, as reported by CNN.

Previously, a Federal Judge in Washington DC told lawyers for migrants in Texas who believed the Trump administration was about to swiftly deport them under the Alien Enemies Act that he did not have the power to pause the deportations, even though he was concerned about the administration's actions, CNN reported.

This Pain Is Hard": Robert F Kennedy's Daughter On His Assassination Files

Washington, United States. Robert F Kennedy's daughter Kerry on Saturday described the "pain" she and her family felt on seeing photos published by the Trump administration of her father's autopsy after his 1968 assassination.President Donald Trump signed an executive order in January to declassify remaining secret files on the 1960s killings of President John F Kennedy, his younger brother and former attorney general Robert F. Kennedy, and civil rights leader Martin Luther King Jr.Following the Friday release, remembering her father "will be hard in a new and unimaginable way," Kerry Kennedy posted to X."We won't just see him as we remember him. Instead, we'll be confronted with graphic, explicit photos of his mangled body from an autopsy report," she added.Trump had said in January that "everything will be revealed" as he ordered the records released, in an apparent bid to clear up conspiracy theories around the assassinations.The Republican leader had accepted redactions over national security concerns in a tranche of archives he ordered released during his first term, but later promised the full records.Director of National Intelligence (DNI) Tulsi Gabbard had posted Friday, also on X, that she was "honored... to lead the declassification efforts and to shine a long-overdue light on the truth."The 10,000 pages relating to Robert Kennedy released this week will be followed by a further 50,000 discovered "in the course of searching FBI and CIA warehouses," Gabbard added.Kennedy's son Robert F Kennedy Jr has become close to Trump and is now serving as his secretary of Health and Human Services.The younger Kennedy had questioned the official conclusion that Jordanian-born Sirhan Sirhan, convicted of RFK's June 1968 murder, fired the fatal shot, and he had pressed Trump to release all remaining information.Sirhan, who was apprehended in the hotel where the 42-year-old Kennedy was shot, remains in prison. Some conspiracy theorists have suggested that a second gunman fired the fatal shot, but a voluminous review by the FBI concluded

that "the overwhelming evidence underscores the fact that Sirhan Sirhan was the sole assassin."Kennedy told the Washington Post on Friday that he did not "expect there would be a smoking gun in any of this" to back his theory of CIA involvement in his father's murder.He acknowledged to the Post that "it was an agonizing choice for me" when Trump asked him whether the autopsy photos should be included.But "the public interest in full disclosure outweighs our family's interest," he said.DNI Gabbard on Friday offered her "deepest thanks for Bobby Kennedy and his families' support."But Kerry Kennedy, in her post on X, wrote, "I did not support this."

She took a broader swipe at the Trump administration, under which she said "countless others are suffering even more" than the Kennedys.Kerry Kennedy pointed especially to migrants deported to El Salvador, laid-off federal workers and transgender people fearing for their rights."The Trump administration may think they can bury us with pain, but we will rise from it, louder and fiercer than ever," she wrote.

Bangladesh seeks Interpol red corner notice against ex-PM Sheikh Hasina

world. The Bangladesh Police has submitted a request to Interpol for a red notice against deposed Prime Minister Sheikh Hasina and 11 others amid allegations of conspiring to overthrow the interim government led by Muhammad Yunus.The Bangladesh Police recently filed a case against Hasina and 72 others on charges of hatching a conspiracy to incite civil war and unseat the interim administration. Hasina is facing over 100 cases, including that of mass murder and corruption.Confirming the development, Enamul Haque Sagor, Assistant Inspector General (Media) at the Police Headquarters, said, “These applications are filed in connection with allegations that emerge during investigations or through ongoing case proceedings", as reported by Dhaka Tribune.The red notice, if issued,

would assist in locating and provisionally arresting the accused pending extradition or similar legal procedures. "Interpol plays a key role in identifying the locations of fugitives residing abroad. Once the whereabouts of any absconding individual are confirmed, that information is relayed to Interpol,” said Sagor.“The request for the red notice is currently under process,” he added, Dhaka Tribune further reports.The Bangladesh Police processes such requests based on appeals from courts, public prosecutors, or investigating agencies, as reported by the Daily Star.The Chief Prosecutor’s Office of the International Crimes Tribunal had, in November last year, formally requested the Police Headquarters to seek Interpol’s help in arresting Hasina and others considered fugitives.Hasina fled Bangladesh on August 5 last year after a massive student-led uprising toppled her 16-year-old Awami League regime. She has since been residing in India.Most of her party leaders and ministers in her government were arrested or fled abroad to evade trial on charges like crimes against humanity or mass murders.

Kulbhushan Jadhav's right to appeal denied, Pak cites loophole in UN court order

world. Indian national Kulbhushan Jadhav, who is serving jail time in Pakistan over allegations of being an Indian spy, was granted consular access only after a 2019 International Court of Justice (ICJ) verdict, but this did not translate into the right to appeal in a higher court, according to a report by Pakistani newspaper Dawn.

These remarks were made by Pakistan's Defence Ministry counsel to a constitution bench of the Supreme Court on Thursday. The Pakistan Supreme Court was hearing a case involving Pakistani citizens convicted for their alleged role in the May 9, 2023, riots following the arrest of Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) leader and former Prime Minister Imran Khan.The Defence Ministry lawyer provided the clarification when he was

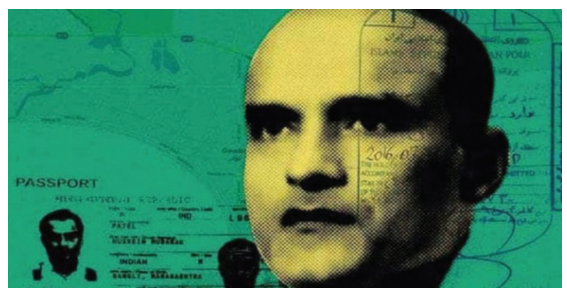

asked if the same facility of the right to appeal was provided to Jadhav, and why it was not extended to Pakistani citizens convicted in military courts.The lawyer further clarified that Pakistan was found to be in violation of Article 36 of the Vienna Convention on Consular Relations, which allows the consular officers or nationals of the sending state to grant consular access, visit and communicate with nationals who are arrested.

The Supreme Court was further told that Pakistani laws were amended following the ICJ verdict - keeping in line with the Vienna Convention - to allow review of military court orders.Jadhav was captured in Balochistan in March 2016 and was sentenced to death by a Pakistani military court in 2017 over alleged spying charges. Pakistan claimed that Jadhav was an agent for the Research and Analysis Wing (RAW) and had been working with Baloch separatists.On the other hand, India denied the claims, saying that Jadhav was picked up from Iran where he was visiting for business purposes. Pakistan also released a video of Jadhav 'confessing' to be a RAW agent.When the matter went to ICJ, Jadhav's death penalty was put on hold, in a major diplomatic win for India. The primary judiciary arm of the United Nations, also known as the World Court, further emphasised that Jadhav should be given a fair trial.While pronouncing the verdict, ICJ said: "Court finds that Pakistan deprived India of the right to communicate with and have access to Kulbhushan Jadhav, to visit him in detention and to arrange for his legal representation and thereby breached obligations incumbent upon it under Vienna Convention on Consular Relations."

US Supreme Court halts deportation of Venezuelan migrants under Alien Enemies Act

The US Supreme Court temporarily halted the deportation of Venezuelan migrants accused of gang ties. The Trump administration responded, urging the justices to lift the stay.

world. The US Supreme Court issued a temporary order early Saturday halting the deportation of a group of Venezuelan migrants accused by the Trump administration of being gang members. The deportations were being pursued under the rarely used 1798 Alien Enemies Act, which is typically invoked during wartime.The stay came after the ACLU filed urgent appeals, warning that dozens of men were at risk of being deported without judicial review—something the Supreme Court had previously ruled must be allowed."The Government is directed not to remove any member of the putative class of detainees from the United States until further order of this Court," the justices were quoted as saying by news agency Reuters.

Trump Administration Responds

The Trump administration quickly responded, asking the justices to lift the stay and arguing that the migrants had been given sufficient notice. Solicitor

General D John Sauer also asked the court to clarify whether the order blocks only deportations under the Alien Enemies Act or all removal efforts.The White House, while reaffirming its tough immigration stance, made no indication it would defy the court order.

Legal Battle Intensifies

According to the ACLU, some of the Venezuelan men had already been loaded onto buses and told they were being deported, possibly to El Salvador, when the Supreme Court stepped in.

The group was allegedly being sent to the notorious CECOT prison, despite claims by lawyers and relatives that they had no gang affiliations and had been denied a chance to challenge their deportations.Among those affected is Diover Millan, a 24-year-old Venezuelan with no criminal record who was granted temporary protected status in 2023.In an audio clip circulating on TikTok, several men identifying themselves as Venezuelans said they were falsely accused and detained at the Bluebonnet Detention Center in Texas.

Alien Enemies Act Invoked

The Trump administration is using the centuries-old Alien Enemies Act to target alleged members of Tren de Aragua, a Venezuelan criminal gang the US has labeled a terrorist organization. Over 200 Venezuelan and Salvadoran men have already been deported—some reportedly mistakenly, including Kilmar Abrego Garcia, whose wrongful deportation despite the court’s halt triggered widespread public outrage.

No Kings In America': Thousands Hold Anti-Trump Protests Across US

In Washington, protesters voiced concern that Trump was threatening long-respected constitutional norms, including the right to due process.

New York, United States. Thousands of protesters rallied Saturday in New York, Washington and other cities across the United States for a second major round of demonstrations against Donald Trump and his hard-line policies.In New York, people gathered outside the city's main library carrying signs targeting the US president with slogans like "No Kings in America" and "Resist Tyranny." Many took aim at Trump's deportations of undocumented migrants, chanting "No ICE, no fear, immigrants are welcome here," a reference to the role of the Immigration and Customs Enforcement agency in rounding up migrants.In Washington, protesters voiced concern that Trump was threatening long-respected constitutional norms, including the right to due process.The administration is carrying out "a direct assault on the idea of the rule of law and the idea that the government should be restrained from abusing the people who live here in the United States," Benjamin Douglas, 41, told AFP outside the White House.Wearing a keffiyeh and carrying a sign calling for the freeing of Mahmoud Khalil, a pro-Palestinian student protester arrested last month, Douglas said individuals were being singled out as "test cases to rile up xenophobia and erode long-standing legal protections."We are in a great danger," said 73-year-old New York protester Kathy Valy, the daughter of Holocaust survivors,

adding that their stories of how Nazi leader Adolf Hitler rose to power "are what's happening here.""The one thing is that Trump is a lot more stupid than Hitler or than the other fascists," she said. "He's being played... and his own team is divided."

'Science ignored'

Daniella Butler, 26, said she wanted to "call attention specifically to the defunding of science and health work" by the government.Studying for a PhD in immunology at Johns Hopkins University, she was carrying a map of Texas covered with spots in reference to the ongoing measles outbreak there.Trump's health chief Robert F Kennedy Jr., a noted vaccine skeptic, spent decades falsely linking the measles, mumps, and rubella (MMR) jab to autism."When science is ignored, people die," Butler said.In deeply conservative Texas, the coastal city of Galveston saw a small gathering of anti-Trump demonstrators."This is my fourth protest and typically I would sit back and wait for the next election," said 63-year-old writer Patsy Oliver. "We cannot do that right now. We've lost too much already."On the West Coast, several hundred people gathered on a beach in San Francisco to spell out the words "IMPEACH + REMOVE," the San Francisco Chronicle reported.Others nearby held an upside-down US flag, traditionally a symbol of distress.Organizers hope to use building resentment over Trump's immigration crackdown, his drastic cuts to government agencies and his pressuring of universities, news media and law firms.

NEWS BOX

Focus on executing yorkers: LSG's Avesh Khan explains his death over success vs RR

New Delhi Lucknow Super Giants pacer Avesh Khan explained how he continues to back himself to bowl yorkers at crucial stages, a mindset that played a key role in guiding his side to a narrow win over Rajasthan Royals.

Avesh emphasised that regardless of the number of runs left to defend, his focus remains on executing yorkers. This approach was on full display during RR's 181-run chase in Jaipur on April 19, when Avesh delivered a brilliant final over that sealed a 2-run win for LSG. Speaking at the post-match press conference, Avesh reflected on how he stayed committed to bowling yorkers even under pressure. With RR needing 9 runs in the final over and the dangerous Shimron Hetmyer and Dhruv Jurel at the crease, Avesh's precise execution turned the tide in Lucknow's favour."I just focus on the execution – just back 100% whatever ball I

have decided to bowl. Mostly it is the yorker, even if it is 15 required or 20 required. I back myself on the yorker, and that is very important in the IPL..."When you focus completely on the match, you focus only where you want to bowl. Not that you want to get the wicket of this ball or you want to make the batter defend or you want to bowl a dot ball," Avesh said."The moment I saw him shuffle to off, I bowled the stump line, and luckily it went to hand because he was the only fielder there," he added.When Rishabh Pant handed him the final over duties, Avesh held his nerve. Even when David Miller dropped a catch off Shubham Dubey on the penultimate ball with 5 runs still to defend, Avesh didn't dwell on the moment. Instead, he reset quickly and stuck to his plan of targeting the blockhole."As soon as it went up in the air and I saw that Miller was the catcher, I thought, 'Of course he's going to catch this.' But when he dropped it, I was obviously disappointed. I then told myself, 'Avesh, the game is all about one more ball, you just have to bowl a yorker on middle and leg, nothing else.'" he added.Although this loss marked RR's second consecutive defeat by narrow margins—after their Super Over heartbreak against Delhi Capitals—it took nothing away from Avesh Khan's clutch execution and calmness under pressure during Saturday's thriller in Jaipur.

ICC Women's ODI World Cup 2025: Pakistan Team Will Not Travel To India Will Play Matches At Neutral Venue Says PCB Chief Mohsin Naqvi

Pakistan women's team will not travel to India for the ICC Women's ODI World Cup 2025. PCB chairman Mohsin Naqvi confirmed their matches will be held at a neutral venue, as agreed under the hybrid model.

New Delhi Pakistan Cricket Board (PCB) chairman Mohsin Naqvi has confirmed Pakistan women's team won't travel to India for the ICC Women's ODI World Cup, set to be held later this year.Naqvi confirmed that Pakistan will play its matches at a neutral venue following the acceptance of the hybrid model agreement earlier this year. The PCB chairman confirmed that, as India is the host, they will decide on the neutral venue, and the Pakistan women's team will travel to that location to play their matches."Everything will happen according to the agreement. India will decide where the match will happen because they are the hosts. Wherever they decide, our team will go and play there. But the Pakistan team won't travel to India. Since there is an agreement, it has to be adhered to," Naqvi told reporters at LCCA Ground after the Pakistan vs Bangladesh ICC Women's World Cup Qualifier match.Due to strained political relations between the two nations, India has not toured Pakistan since 2008, when they participated in the Asia Cup. The two arch-rivals last played a bilateral series in 2012-13 in India, which consisted of white-ball matches. After that, India and Pakistan have primarily faced each other in ICC tournaments and the Asia Cups.In February, Pakistan hosted the Champions Trophy, but India refused to cross the border due to the geopolitical situation between the two countries. As a result, the International Cricket Council (ICC) finally resolved the issue of hosting rights for the Champions Trophy 2025, by deciding that the event will be played in Pakistan, along with another neutral venue. Additionally, it was confirmed that the hybrid model will be adopted for all ICC events in the 2024-27 cycle, which will be held in India or Pakistan.Pakistan's women's team booked its berth in the marquee event by staying unbeaten in the ICC Women's ODI World Cup Qualifiers. Pakistan hosted the qualifiers and won all five matches, thereby securing a spot in the World Cup. Bangladesh became the second team to qualify for the tournament, ending the hopes of Ireland, Scotland, the West Indies, and Thailand of featuring in the tournament.

India (hosts), England, New Zealand, Australia, South Africa, and Sri Lanka had already qualified for the tournament, which will run from September 26 to November 2.

MI vs CSK: Mitchell Santner talks up Noor Ahmad threat for Mumbai for El Clasico

New Delhi Mitchell Santner talked about the threat Noor Ahmad will have in the IPL El Clasico between MI and CSK on Sunday, April 20. Noor has been CSK's best bowler this season as he has picked up 12 wickets in 7 matches. He started the season with a four-wicket haul against MI in CSK's opening match of the IPL 2025 season.Speaking at the pre-match press conerence, Santner said that he has seen a lot of Noor recently while playing against him and with him in Major League Cricket (MLC) and said that the guess mystery of the Afghan spinner makes him hard to pick at times.The MI all-rounder said that if the wicket is on the slower side, then it will be a challenge going up against Noor and the other CSK spinners.I've seen a lot of Noor recently. Played against him, played with him in the MLC. He is obviously a great bowler. I guess the mystery, and he's hard to pick at times, as we've seen through this tournament,

especially in Chennai, where there has been a little bit of assistance, he's been outstanding.""If it is going to be a slightly slower wicket like last game we know he's gonna be a challenge if they go to other spinners, they will be as well," said Santner.

'You have to be smart against Noor'

Santner said that the only way to tackle Noor's threat is by being smart against him.

"I think you gotta be quite smart against him. I think if he gets on a roll, he's pretty tough to stop as we've seen. He's bowled extremely well, and he's a great guy, so I'm happy for him," said Santner.Santner also talked about the wicket for the game on Sunday and said if it is a red soil pitch, then it could be on the slower side. However, the all-rounder said if it is a flat track, then it will be all about bowling efficiently and get powerplay wickets.

"Red soil usually offers more bounce, and the other day, it was slightly slower, so bowling cutters worked well. If the wicket's like that again, we know how to approach it. But if it's flat — like it was in the Bangalore game — then it's more about getting in and out of overs efficiently. As we've seen this season, powerplay wickets are really the only way to slow teams down," said Santner.

Google CEO Sundar Pichai praises Vaibhav Suryavanshi: Woke up to watch 8th grader

New Delhi Google CEO Sundar Pichai made sure not to miss the historic IPL debut of 14-year-old Vaibhav Suryavanshi, who played his first match for Rajasthan Royals in their clash against Lucknow Super Giants on April 19. Pichai took to his official X account to praise the youngster's fearless batting display, which included a stunning first-ball six off Shardul Thakur.Pichai praised Suryavanshi's effort and admitted he woke up specifically to catch the live action of the RR vs LSG match to witness the debut

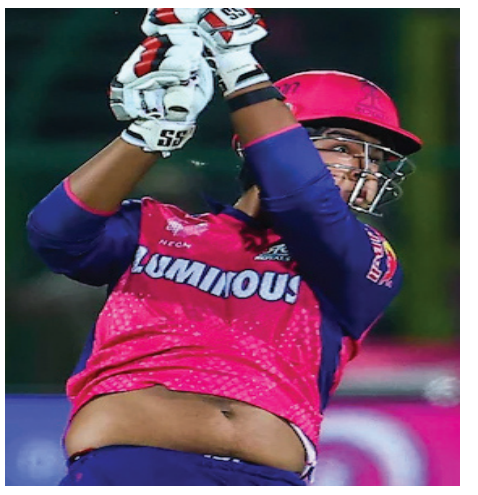

of the eighth-grader. His appreciation added to the massive attention the teenager has received since entering the IPL scene."Woke up to watch an 8th grader play in the IPL!!!! What a debut!," Pichai's post read.Opening the innings for Rajasthan in their 181-run chase against LSG, Suryavanshi came in place of the injured Sanju Samson and partnered with Yashasvi Jaiswal. The young batter's confident strokeplay lit up the Jaipur crowd and caught the attention of former cricketers and fans alike. Speaking on JioHotstar, Sanjay Manjrekar noted how the knock would surely be a proud moment for Suryavanshi's parents.Ever since being picked up by RR as the youngest player in IPL auction history, the hype surrounding Suryavanshi had been massive. On debut, he lived up to expectations, scoring an impressive 34 off 20 balls. His impressive IPL first chapter came to an end when he was stumped by Rishabh Pant off Aiden Markram's bowling.Despite an 85-run opening stand between Suryavanshi and Jaiswal, Rajasthan's middle order failed to carry the momentum forward.

IPL 2025: GT captain Shubman Gill penalised for his team's slow over-rate vs DC

New Delhi The BCCI has penalised Gujarat Titans captain Shubman Gill for his team's slow over-rate during their IPL 2025 match against Delhi Capitals in Ahmedabad on Saturday. Gill was fined Rs 12 lakhs for GT's first offense of the season under Article 2.22 of the IPL's Code of Conduct, which deals with minimum over-rate offences.Gill, who

was run out for seven runs during the match, follows several captains who have received similar fines this season. "As this was his team's first offense of the season under Article 2.22 of the IPL's Code of Conduct, which pertains to minimum over-rate offences, Gill was fined Rs 12 lakhs," the IPL said in a statement.

Earlier, Jos Buttler overcame cramping to play a heroic unbeaten 97-run knock to help Gujarat Titans secure a thrilling seven-wicket victory over Delhi Capitals on Saturday. After the Prasidh Krishna-led (4/41) Gujarat pacers restricted Delhi to 203/8, the home side gunned down the target in 19.2 overs, with Buttler playing the main role in his 54-ball knock."Really pleased with the two points. It was a beautiful wicket to bat on, just wanted to try and take it deep, pick our moments to attack. We've built some nice partnerships along the way. It's hot, surprised how much fluid you need, how draining it is. Cramping up and stuff. Part of the game, you got to be fit and perform under pressure and heat," Jos Buttler, who won the Player of the Match, said.(On his diving catch) I have kept poorly in the first six games, I was determined to try and keep better. Always nice when you manage to hang on to one like that.

Recalibrate Batting Approach' – Sanjay Bangar on RCB's Home Woes

Former Indian cricketer Sanjay Bangar said that Royal Challengers Bengaluru (RCB) would be worried with the kind of pitches they are getting at home and could require "recalibrating their batting approach".

Bengaluru (Karnataka). RCB's poor home run continued as they suffered their third successive loss, losing to Punjab Kings (PBKS) by five wickets in a low-scoring, rain-affected, 14-over-a-side match on Friday. They are yet to get a victory at their home venue of the M Chinnaswamy Stadium.Speaking on Jio stars 'Match Centre Live' after the game, Bangar, the JioStar expert for IPL 2025, said, "They would be worried, to be honest, with the kind of surfaces they are getting. Who would have expected the amount of bounce that was on offer on this pitch? Nobody expected that. If that continues, this is no longer a batting-friendly surface or venue. RCB may need to recalibrate their batting approach to get things back on track in home games."He continued that a couple of early dismissals were understandable since, in a rain-affected match, they were trying to post a big score, and teams usually do not have an idea of what a big score is in such conditions."But the way Liam Livingstone and Jitesh (Sharma) got out, and you would expect a little more from Krunal Pandya as well -- those three were disappointing. At one point, they were in danger of being bowled out for under 50. Credit to Tim David though -- he held on and made a bit of a match out of it with a well-composed drift," he concluded.Coming to the match, PBKS won the toss and opted to field first. In a bid to score big, RCB tried to attack and slog at every ball, losing seven wickets for 42 runs in the process. However, a fiery half-century from Tim David (50* in 26 balls, with five fours and three sixes) helped RCB reach 95/9 in 14 overs.Marco Jansen (2/10), Yuzvendra Chahal (2/11), Arshdeep Singh (2/23) and Harpreet Brar (2/25) consistently troubled RCB with their bowling.During their run-chase, PBKS also lost some wickets as RCB did not give up easily. PBKS was reduced to 81/5 in 11.3 overs, but Nehal Wadhera (33* in 19 balls, with three fours and three sixes) kept his calm and guided his side to a win with 11 balls left. Josh Hazlewood (3/14) was the pick of the bowlers for RCB.David got the 'Player of the Match' award for his fighting knock that gave RCB something to fight for.

This edition has the best Chepauk wicket: Raina

Former CSK player & IPL expert has confirmed the general belief that the wicket in Chennai have become friendly for batting

CHENNAI. Earlier in the ongoing season of the Indian Premier League (IPL), Chennai Super Kings (CSK) coach Stephen Fleming quibbled about the surfaces in use at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. Generally considered friendly for spin, batters had found some joy and spinners could be lined up. Across the line shots could be attempted with minimal risk. Suresh Raina, who knows a thing or two about the strips at the stadium, has confirmed the general belief that they have become friendly for batting."I think it was the toughest wicket when we used to play in 2008. The ball was bouncing. There was a lot of turn and this is the best wicket I have seen in the entirety of the IPL," the former CSK batter and IPL expert said in a JioHotstar pressroom on Saturday."We've seen other teams coming and scoring 200 runs. They're chasing the same, too. When it comes to the Chennai Super Kings, I think they are losing too many wickets upfront."After losing three games on the trot at Chepauk, Dhoni would be hoping to win the other three games. Sunrisers Hyderabad (April 25), Punjab Kings (April 30) and the Rajasthan Royals (May 12) will be visiting the venue in the days to come.CSK's subdued show with the bat has been the primary reason behind their struggles, especially at Chepauk. The highest they have scored is 158, one during their win over Mumbai Indians and the defeat against Delhi Capitals. Their batting miseries peaked when they put up a paltry total of 103 against holders Kolkata Knight Riders. Scores like these have shown how far they have struggled after being masters at home in the past. Raina hoped that the problems with batting — losing wickets in powerplay and playing dots in the middle overs — would be reformed soon."That (losing wickets in PP) tends to create a lot of pressure for the middle overs. If you lose three-four wickets, then you end up scoring around 160 or 170. That has to be rectified first."Capitalising loose balls in the middle overs will be key, according to the former all-rounder. "When their run rate is at eight and when the loose ball comes, CSK can convert those loose balls to fours or sixes," he signed off.When Chennai Super Kings play the Mumbai Indians at Wankhede on Sunday, they'll be hoping to address their pain points.

Rashami Desai

Slams Urvashi Rautela's Temple Remark, Says 'Hinduism Is Becoming A Joke'

Urvashi Rautela recently raised quite a few eyebrows with a bold claim about her fame. In a recent interview, the Daaku Maharaj actress claimed that there's a temple near the sacred Badrinath Dham in Uttarakhand dedicated to her. She even added that she hopes a similar temple is built for her in South India too, since she's worked in several films down south. The video blew up, infuriating Badrinath priests and locals.And now, popular TV actress Rashami Desai has also called out Urvashi's claim in a sharp Instagram post. She wrote, "It's sad that people don't even take action against such nonsense… Bharat main Hinduism is becoming joke. BTW, she politically correct when she kept repeating her answer. Representing India and talking senseless on purpose… it's sad please don't play game on the name of religion."

In a recent interview with Siddharth Kannan, Urvashi had said, "There is a temple in my name in Uttarakhand. If one visits Badrinath, there is an 'Urvashi temple' right next to it." When asked if people go to the temple to seek blessings, she laughed and said, "Ab mandir hai toh woh hi toh karenge (It's a temple, they will do that only)."

Siddharth followed up by asking whether people actually take blessings at the temple, to which Urvashi replied, "Aise chilla chilla ke kaun bolta hai (Who shouts and takes blessings)."She added that the temple does attract devotees and claimed that even students from Delhi University offer prayers to her. "They even garland my pictures," she said, further revealing that she is fondly referred to as 'Damdamamai' by these students."I am being serious about it. It is true. There are news articles about the same too. You can read them," Urvashi asserted when the host reacted with astonishment.

The actor, who has been steadily making her mark across various regional film industries, shared that she would love to see a similar temple built in her honour down South.

Bhuwan Chandra Uniyal, the former religious officer at Badrinath Dham, clarified that the so-called "Urvashi Temple" is not connected to actress Urvashi Rautela. Instead, it is an ancient temple dedicated to Goddess Urvashi, a celestial figure from Hindu mythology, who is sometimes considered a form of Goddess Sati.In response to Rautela's claim, Uniyal called for strict action to be taken against her. Villagers from Bamni and Pandukeshwar also voiced their outrage, accusing the actress of attempting to distort religious history.

Janhvi Kapoor

Slams Men Who Trivialise Period Pain, Says 'They Won't Be Able To Bear It For A Minute'

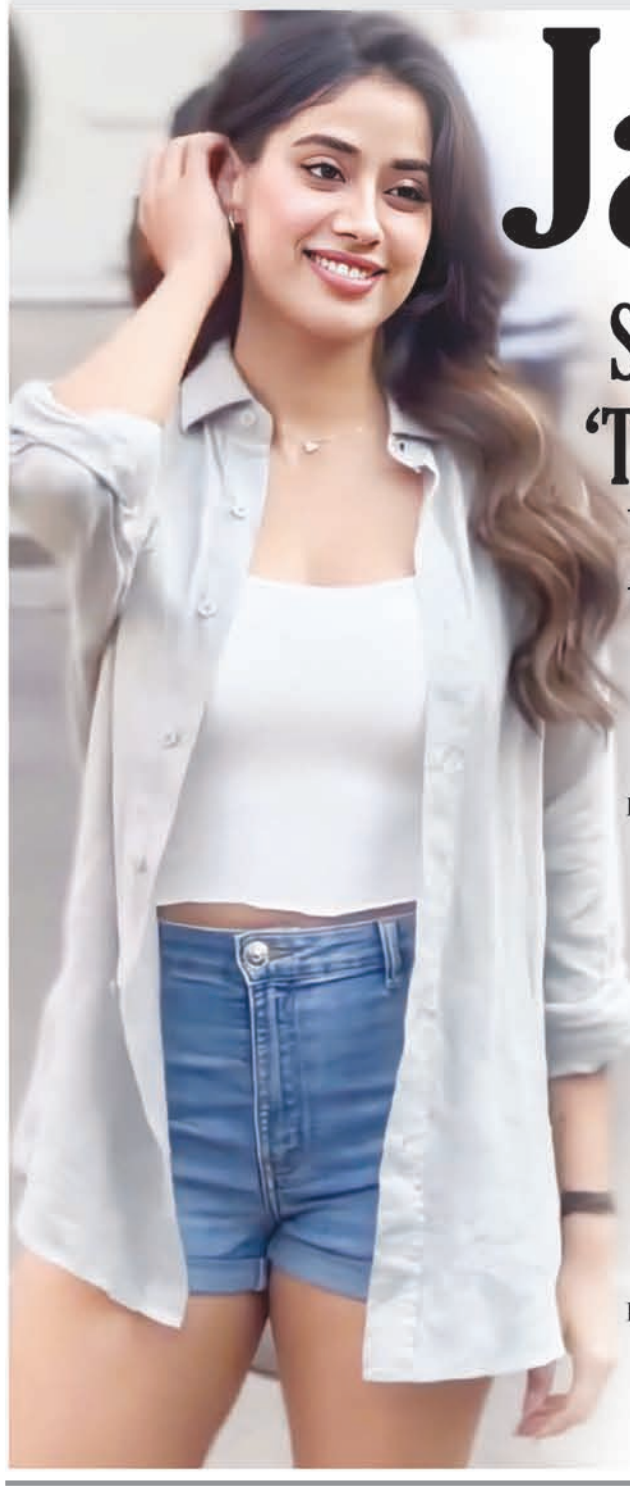

Bollywood actress Janhvi Kapoor has strongly criticised men who dismiss the pain women experience during menstruation. Addressing the condescending gaze and tone of the men, the actress said that these men would not be able to bear the pain even for a minute. In a recent interview with a media portal, the Mr and Mrs Mahi actress candidly spoke about how period pain can affect women differently and why some men tend to trivialise this physical discomfort.

During a conversation with Hauterfly, the actress addressed how period pain and menstruation are often used to dismiss women's mood swings in arguments. She differentiated between genuine concerns and dismissive remarks, stating, "Agar main jhagda karne ki koshish kar rahi hu ya meri point ko saamne rakhne ki koshish kar rahi hu aur aap bolte ho, 'Is it that time of the month?' then, like, take a hike. But agar aap sach mein humdardi dikha rahe ho, ki, "Do you need a minute, is it that time of the month?" (If I am trying to argue or putting my point across and you ask, 'Is it that time of the month?' But if you are genuinely concerned and ask, "Do you need a minute? Is it that time of the month?") Then, yeah, more often than not, you do need a minute, because the way our hormones are off the charts and the pain we go through, that genuine consideration is always welcome."

In the same conversation, she talked about the condescending attitude some men have towards periods. She asserted, "But that condescending gaze and tone is… because I assure you, men won't be able to bear this pain and mood swings for even a minute. Pata nahi kaunsa nuclear war ho jaata agar mardon ko periods hote (Who knows what kind of nuclear war would break out if men had periods)." Janhvi's comments received a lot of support from women on social media.

Speaking about Janhvi Kapoor's professional life, the actress has a jam-packed year ahead. She is gearing up to win the audience's hearts in Sunny Sankari ki Tulsi Kumari. Helmed by Karan Johar, the film features her opposite Varun Dhawan. The romantic film, which was initially slated to release in theatres

in April 2025, will now hit theatres in the latter half of 2025 due to delays in the shoot.

Fans will also get to see her in Tushar Jalota's romantic comedy Param Sundari, which is scheduled for a theatrical release on July 25. In the film, she will share screen space with Sidharth Malhotra. Besides this, Janhvi will return to Telugu cinema with Peddi. The Buchi Babu Sana, starring Ram Charan, Jagapathi Babu, Shiva Rajkumar and Divyendu Sharma, is scheduled to be released on March 27, 2026.

Kusha Kapila's Ex-Husband Zorawar Ahluwalia Shares He's Facing Financial Issues: 'Feeling Mentally Very Weak'

Content creator Zorawar Ahluwalia, who was previously married to actress and influencer Kusha Kapila, has now spoken openly about the personal struggles he's currently facing. In a heartfelt post on his Instagram Stories, Zorawar revealed that he is dealing with financial difficulties and struggling with his mental health. He also thanked his followers for their support, saying their kind messages have meant a lot during this difficult time.Sharing a picture of himself on Instagram, Zorawar wrote, "Mental health update: Since the last week, I was physically and mentally feeling very weak, and I understood that some days in our lives will be good, some ok ones and then definitely some really bad ones. But after speaking to my family, friends and loved ones, I learnt that it is All ok to feel like this. This is a graph of life, sometimes up and sometimes down."

Zorawar shared that he remains hopeful about overcoming this rough patch, noting that he has "a pretty good track record of bouncing back" every time life has knocked him down."Honestly, I wanna say this out loud: I have been struggling financially, which has been giving me a lot of stress and gives a sense of feeling that I am not where I thought I would be. I know things will get better coz they always do. And let me quote myself, 'My track record has been pretty good in bouncing back each time I've fallen down.' I come from that bloodline. I descend from a clan of warriors, and my name is Zorawar Singh Ahluwalia who has never given up, and it seems like he will never do," he added.He also shared a serene video of himself by the sea, soaking in some calm moments. In the clip, Zorawar spoke about the overwhelming love and support he has received from fans and followers, especially during this challenging phase of his life."The amount of love I've received in the last 24hrs — is clear sign of how such blessed I am. This is just a small hiccup in my life. I've read all your messages and so many of us are in this together. I'm with you and you all are with me.

Did You Know Saroj Khan Once Protected Madhuri Dixit's 'Dhak Dhak' Song From Multiple Censor Board Edits?

Behind some of Bollywood's most iconic hook steps are choreographers who pour their heart and soul into bringing songs to life. One of the industry's most legendary choreographers will always be remembered as Saroj Khan. She worked with ruling actresses of the time, such as Madhuri Dixit, Sridevi, Raveena Tandon, and trained them for songs which are nothing short of a cult.

In her career spanning over four decades, Saroj Khan worked with multiple Bollywood A-listers. But her pairing with Madhuri Dixit continues to remain iconic to date. She was the brainchild behind the hooksteps of the Dhak Dhak song from Beta, which continues to trend even today. Not many know that the song we know today would have been very different if it weren't for Saroj Khan, who salvaged the situation by logically explaining the dance steps and preventing the censor board from suggesting major edits.

In a documentary titled The Saroj Khan Story, made by The Public Service Broadcasting Trust (PSBT) in 2012, the late choreographer shared the whole ordeal in detail. "They (CBFC) wanted to cut down the whole mukhda of the song. So they (producer, director) were petrified. They said 'come along with us. See what they are saying, whether you can help us. So, I went," she said.

At the censor board office, she asked a Sindhi lady wearing a saree and heels to get up and walk. Perplexed over Khan's demand, she did what was told. "There was a lady over there. She was Sindhi and dressed in a saree and high heels. She told me, 'You are shaking the chest deliberately. We don't like that'. So I said, 'Yes. Ma'am just get up.' She asked why, and I said 'I just want to show you something'. She got up and I asked her to walk," she said.

Saroj Khan further added, "When you are wearing high heels, your hip movement automatically goes upwards, whether you like it or not, because you are balancing yourself. I told her 'Now you are shaking deliberately? I have to shake the body to show that I am dancing, and she (Madhuri's character) says Dhak Dhak. From where will that sound come? From the heart. And where is the heart? Near my bust line, so I have to show Dhak Dhak (enacts the step). She was convinced and she let us go ahead.

" And that's how, she proved that when one has conviction in their own work, there's no stopping them.Saroj Khan passed away on July 3, 2020, due to cardiac arrest. She left behind a lasting legacy and a void that can never be fulfilled.